हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, गुरुवार 11 दिसंबर 2025

- संभाग के बचे 12 बड़े लीडर व 150 छोटे नक्सलियों के लिए ऑपरेशन जारी
- 40 साल बाद नक्सलमुक्त हुआ है बस्तर व कोंडागांव जिला

बस्तर, कोंडागांव के बाद अब दंतेवाड़ा और कांकेर जिला होगा नक्सलवाद से मुक्त

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

बस्तर में आखिरकार सुरक्षा बलों की मेहनत रंग लाई है। लगभग 40 साल से नक्सलवाद का शिकार रहा बस्तर एवं कोंडागांव जिला नक्सलमुक्त घोषित कर दिया गया है, दंतेवाड़ा एवं कांकेर जिले के भी शीघ्र ही नक्सल मुक्त होने की संभावना है। बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा एवं नारायणपुर जिले अभी भी नक्सल प्रभावित हैं। बीते वर्षों में सुरक्षा बलों, राज्य सरकार और स्थानीय जनता के संयुक्त प्रयासों से बस्तर में शांति की बहाली हुई है। वर्तमान में माओवादियों के बड़े लीडर 12 एवं छोटे 150 नक्सली अभी भी बचे हुए हैं, जिनके लिए नक्सल ऑपरेशन जारी है। कई मुठभेड़ में नक्सली संगठन के बड़े लीडर समेत कई ईनामी नक्सली मारे गए। इससे बस्तर संभाग में नक्सली संगठन कमजोर हुआ है। फोर्स के लगातार नक्सल ऑपरेशन और सर्चिंग अभियान चलाए जाने से बस्तर में उनकी कमर टूट गई है। बस्तर संभाग के सीमावर्ती राज्य महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना ▶▶| शेष पेज 7 पर

रंग लाई सुरक्षा बलों की मेहनत

क्रमांक	विवरण	वर्ष 2020	2021	2022	2023	2024	2025	योग
1	मुठभेड़	109	82	69	69	123	96	548
2	मारे गये नक्सलियों के शव बरामद	40	51	30	20	217	252	610
3	शहीद सुरक्षाकर्मी	36	46	10	25	19	23	159
4	आत्मसमर्पित नक्सली	342	551	415	398	792	1514	4012
5	गिरफ्तार नक्सली	438	494	291	428	929	866	3446
6	विस्फोट की घटनाएं	50	21	28	47	52	67	265
7	नक्सली हथियार जप्त	89	80	61	35	286	628	1179
8	आईईडीज़ जप्त	278	163	128	242	308	700	1819
9	नक्सलियों द्वारा मारे गये जनता	47	33	36	41	71	46	274

हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट आएं

बस्तर रेंज के आइजी सुंदरराज पट्टीलिंगम ने कहा कि माओवादियों का शीर्ष नेतृत्व टूट चुका है। उन्होंने बारसे देवा, पापा राव सहित सभी कैडरों से अंतिम अपील करते हुए कहा कि अब भी समय है, हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट आएं। देरी करने का कोई अर्थ नहीं। अब किसी को बख्शा नहीं जाएगा। जो नहीं लौटेंगे, उनका अंजाम बसवराजू और हिड़मा जैसा होगा।

2025 में मारे गए शीर्ष माओवादी

19 जनवरी को जयराम उर्फ चलपति (गरियाबंद), 31 मार्च को गुमडावेली रेणुका (बीजापुर), 21 अप्रैल को विवेक मांझी (झारखंड), 21 मई को बसवा राजू उर्फ नंबाला केशवा राव (अबूझमाड़), 5 जून को सुधाकर उर्फ थेंटू लक्ष्मी (बीजापुर), 18 जून को उदय उर्फ गजराला रवि (आंध्रप्रदेश), 11 सितंबर को मनोज उर्फ मोडेम बालकृष्ण (गरियाबंद), 14 सितंबर को सहदेव सोरेन (झारखंड), 22 सितंबर को गुडसा उसेंडी (नारायणपुर, अबूझमाड़), 22 सितंबर को कोसा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी (नारायणपुर, अबूझमाड़), 18 नवंबर को माड़वी हिड़मा (मारेडुमिली, आंध्रप्रदेश) एवं 19 नवंबर को जोगा राव उर्फ टेक शंकर (मारेडुमिली, आंध्रप्रदेश) शामिल हैं।

चुनाव सुधार पर लोकसभा में घमासान, राहुल गांधी और अमित शाह में तीखी नोकझोंक

शाह का राहुल पर प्रहार : कांग्रेस की हार की वजह मतदाता सूची नहीं, आपका नेतृत्व

लोकसभा में चुनाव सुधार को लेकर बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधार पर चर्चा का जवाब दिया। अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि चुनाव सुधार पर चर्चा से भाजपा के लोग भागते नहीं है। इस पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी सीट से खड़े हुए और शाह से कहा कि मैं एसआईआर पर अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर डिबेट के लिए आपको चैलेंज करता हूं। इस दौरान दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई। शाह ने विपक्ष पर एसआईआर को लेकर झूठ फैलाने और पूरी दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि चुनावों में कांग्रेस की हार की वजह ईवीएम एवं मतदाता सूची नहीं, बल्कि राहुल गांधी का नेतृत्व है।

शाह ने राहुल के तीन सवालो का दिया जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह भी कहा कि एक दिन कांग्रेस के कार्यकर्ता हार का हिसाब मांगेंगे। शाह ने कहा कि संविधान निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची बनाने का पूर्ण अधिकार देता है तथा एसआईआर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत में मतदान करने का अधिकार नहीं दिया जा सकता।

शाह ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 326 में मतदाता की पात्रता, योग्यता, और मतदाता होने की शर्तें तय की गई है। सबसे पहली शर्त है, मतदाता भारत का नागरिक होना चाहिए, विदेशी नहीं होना चाहिए। ये (विपक्ष) कह रहे हैं कि चुनाव आयोग एसआईआर क्यों कर रहा है? उसका (निर्वाचन आयोग) दायित्व है, इसलिए कर रहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग तटस्थता से चुनाव कराने वाली संस्था है। गृह मंत्री ने कहा कि अनर्गल आरोप लगाकर ▶▶| शेष पेज 7 पर

इंदिरा के समय महत्वपूर्ण पदों पर कम्युनिस्ट बैठे

शाह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि संगठन की विचारधारा देश के लिए मरने की है, वहीं उन्होंने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से सांठगांठ की वजह से देश में कम्युनिस्ट विचाराधारा को जगह मिली और सभी संस्थाओं पर वामपंथी लोग काबिज हुए। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा का समापन करते हुए शाह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण के हवाले से कहा कि सदन में सवाल उठाए ▶▶| शेष पेज 7 पर

1:30 घंटे का भाषण, विपक्ष के हर सवाल का जवाब

शाह ने 1:30 घंटे के भाषण में चुनाव सुधार, ईवीएम, मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, नेहरू, इंदिरा, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेशियों की घुसपैठ और कांग्रेस की वोट चोरी का जिक्र किया। राहुल गांधी के लोकसभा में पूछे 3 सवालों का जवाब भी दिया। इस दौरान सदन में 7 से ज्यादा बार हंगामा हुआ। आखिर में कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

चुनाव आयुक्त पर बनाया पैनल

कांग्रेस पर हमलावर अमित शाह ने कहा कि विपक्ष चुनाव आयुक्त के चुनाव के लिए बने पैनल पर सवाल उठा रहा है। पर हमने तो चुनाव आयुक्त के चुनाव के लिए पैनल को बहुसदस्यीय बनाया। शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने पुरानी परंपरा बनाई थी।

राहुल की चुनौती शाह का जवाब

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी कि वह 'वोट चोरी' से संबंधित उनके तीन संवाददाता सम्मेलनों पर चर्चा करा लें। सदन में चर्चा के दौरान शाह ने नेता प्रतिपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी ने 5 नवंबर 2025 को एक प्रेस वार्ता में एक 'परमाणु बम' फोड़ा। उस 'परमाणु बम' में उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में एक ही घर में 501 वोट हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि मकान नंबर 265 कोई छोटा मकान नहीं है, बल्कि एक एकड़ के पुश्तैनी भूखंड पर बने कई परिवारों का संयुक्त आवास है। लेकिन हर परिवार को अलग-अलग घर नंबर नहीं दिए गए हैं, इसलिए उनका मकान नंबर 265 ही लिखा है।

कैबिनेट का फैसला, जनविश्वास द्वितीय और अनुपूरक बजट का अनुमोदन भी

आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुकदमों से मुक्ति दिलाने बनेगी मंत्रियों की कमेटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में आत्मसमर्पित नक्सलियों के हक में बड़ा फैसला किया गया है। कैबिनेट ने तय किया है कि समर्पण करने वाले नक्सलियों पर चल रहे मुकदमे वापस लिए जाएंगे। इसके लिए आत्मसमर्पित नक्सलियों के विरुद्ध पंजीबद्ध आपराधिक प्रकरणों के निराकरण या वापसी संबंधी प्रक्रिया को अनुमोदित किया है।

मंत्रिपरिषद ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के विरुद्ध दर्ज प्रकरणों की समीक्षा एवं परीक्षण के लिए, जिन्हें न्यायालय से वापस लिया जाना है, मंत्रिपरिषद उप समिति के गठन को स्वीकृति दी है। यह समिति परीक्षण के बाद प्रकरणों को मंत्रिपरिषद के समक्ष प्रस्तुत करेगी। यह निर्णय छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के प्रावधानों के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत आत्मसमर्पित नक्सलियों के अच्छे आचरण तथा नक्सलवाद उन्मूलन ▶▶| शेष पेज 7 पर

समिति करेगी प्रकरण वापसी पर सिफारिश

आत्मसमर्पित नक्सलियों के प्रकरण वापसी की प्रक्रिया के लिए जिला स्तरीय समिति के गठन का प्रावधान किया गया है। यह समिति आत्मसमर्पित नक्सली के आपराधिक प्रकरणों की वापसी के लिए रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को प्रस्तुत करेगी। पुलिस मुख्यालय अभिमत सहित प्रस्ताव भेजेगा। शासन द्वारा विधि विभाग का अभिमत प्राप्त कर मामलों को मंत्रिपरिषद उप समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उपसमिति द्वारा अनुशंसित प्रकरणों को अंतिम अनुमोदन के लिए मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा जाएगा। केंद्रीय अधिनियम अथवा केंद्र सरकार से संबंधित प्रकरणों के लिए भारत सरकार से आवश्यक अनुज्ञा प्राप्त की जाएगी। अन्य प्रकरणों को न्यायालय में लोक अभियोजन अधिकारी के माध्यम से वापसी की प्रक्रिया के लिए जिला दण्डाधिकारी को प्रेषित किया जाएगा।

देश का पहला जनविश्वास द्वितीय

छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां जन विश्वास विधेयक का द्वितीय संस्करण लाया जा रहा है। इस विधेयक में छोटे उल्लंघनों के लिए प्रशासकीय शास्ति का प्रावधान रखा गया है, जिससे मामलों का त्वरित निपटारा होगा, न्यायालयों का बोझ कम होगा और नागरिकों को तेजी से राहत मिल सकेगी। साथ ही, कई अधिनियमों में दंड राशि लंबे समय से अपरिवर्तित होने के कारण प्रभावी कार्यवाही बाधित होती थी, इस विधेयक से वह कमी भी दूर होगी। इन संशोधनों से सुशासन को बढ़ावा मिलेगा। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के विभिन्न कानूनों को समयानुकूल और नागरिकों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से 14 अधिनियमों में संशोधन के लिए छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) (द्वितीय) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। उल्लेखनीय है कि कई अधिनियमों में उल्लंघन पर जुर्माना या कारावास के प्रावधान होने से न्यायिक प्रक्रिया लंबी हो जाती है, जिससे आम नागरिक और व्यवसाय दोनों अनावश्यक रूप से प्रभावित होते हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए इन प्रावधानों का सरलीकरण आवश्यक है। इससे पहले, राज्य सरकार द्वारा ▶▶| शेष पेज 7 पर

---

54 करोड़ का दुपट्टा घोटाला

तिरुपति मंदिर में सिल्क की जगह पॉलिएस्टर के दुपट्टे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। 2015 से 2025 के बीच मंदिर प्रशासन को सप्लाई किए गए सिल्क दुपट्टों में भारी फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है। सतर्कता विभाग की जांच में खुलासा हुआ कि 'सिल्क' के नाम पर पॉलिएस्टर दुपट्टे सप्लाई किए गए, जिनकी कीमत करोड़ों में वसूली गई। इस घोटाले की रकम लगभग 54 ▶▶| शेष पेज 7 पर

एसीबी को सौंपी गई जांच

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए टीटीडी चेयरमैन बी.आर. नायडू ने कहा हमें खरीद विभाग में कुछ अनियमितताएं मिली हैं। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेकर हमने जांच एसीबी को सौंप दी है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल दुर्ग के वार्षिक उत्सव समारोह में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव, हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, सात्विक सिंधु और प्रबंधक एचएस बत्रा

डीपीएस दुर्ग के वार्षिकोत्सव में बोले साव इतना बड़ा बनिए कि देश में आपका नाम हो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दिल्ली पब्लिक स्कूल जुनवानी दुर्ग में बुधवार को वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव अनुगूंज 25 गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव रहे। अपने संबोधन में श्री साव ने कहा कि इतना बड़ा बनिए कि देश में आपका नाम हो। उत्सव का प्रमुख आकर्षण युग यात्रा रहा, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने मोहनजोदड़ो सभ्यता से लेकर समकालीन नृत्य तक की विभिन्न नृत्य शैलियों को अत्यंत प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत ▶▶| शेष पेज 7 पर

डिप्टी सीएम ने अपने स्कूल के दिनों को किया याद

उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि जब मैं क्लास 3 में था तो बैठने के लिए टाटपट्टी नहीं थी, भवन कच्चा था। आज आपके अभिवावकों ने आपको डीपीएस जैसा कैम्पस दिया, जहां इतनी होनहार प्रिंसिपल हैं। छात्रों को चाहिए कि आप अपना 100 प्रतिशत देकर मेहनत से पढ़ाई करें। आप अपने हर एक मिनट का सदुपयोग करिये। मैं इतना कहूंगा कि ▶▶| शेष पेज 7 पर

नेतन्याहू-पीएम मोदी में साझेदारी पर चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। नेतन्याहू ने मोदी को टेलीफोन किया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की, जिसमें गाजा शांति योजना का शीघ्र कार्यान्वयन भी शामिल है।

खबर संक्षेप

घर में आग लगने से दो बहनें जिंदा जलीं

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में मंगलवार देर रात एक घर में आग लगने की घटना में दो बहनों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि दोनों बहनों की मौत जलने से गई। यह घटना मलारना डूंगर थाना क्षेत्र के पीपलवाड़ा नदी गांव में मंगलवार देर रात हुई।

तीन स्कूलों को मिली बम की धमकी फर्जी निकली

नई दिल्ली। दिल्ली के तीन निजी स्कूलों में बुधवार सुबह बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद तुरंत आपातकालीन कार्रवाई की गई, बाद में इसे बम की धमकी को 'फर्जी' घोषित कर दिया गया। लक्ष्मी नगर स्थित लवली पब्लिक स्कूल के नाम की पुष्टि की।

पढ़ने वाले बच्चों का पता नहीं, विभाग ने पदस्थ कर दिए दो शिक्षक

चार महीने से कारीमाटी के शिक्षक बैठकर गुजार रहे समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

अलग खबर

शासकीय विद्यालयों एवं शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करने के बावजूद स्कूलों की स्थिति नहीं सुधरी है। अभी भी कई ऐसे शासकीय स्कूल हैं जहां बच्चों की संख्या नगण्य है लेकिन विभाग ने पढ़ाई की खानापूर्ति के लिए दो-दो शिक्षकों को पदस्थ कर दिया है। शासकीय विद्यालयों की शिक्षा गुणवत्ता सुधारने की दृष्टि से शासन द्वारा कम दर्ज संख्या वाले शासकीय स्कूलों को बंद करने के साथ ही आवश्यकता से अधिक शिक्षकों को अन्यत्र पदस्थ किया गया था। इस युक्तियुक्तकरण के बाद भी ऐसे कई स्कूल हैं जहां पढ़ने वाले बच्चे नहीं हैं इसके बावजूद विभाग ने खानापूर्ति के लिए शिक्षक पदस्थ कर दिए हैं। सूरजपुर जिलांतर्गत विकासखण्ड भैयाथान के ग्राम पंचायत परसिया के अलग-अलग वार्डों में एक मिडिल स्कूल एवं तीन प्रायमरी स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। ग्राम ▶▶| शेष पेज 7 पर

नहीं है अधिकार

युक्तियुक्तकरण के बाद ट्रांसफर कराया पोस्टिंग संबंधी निर्णय शासन स्तर पर लिए जा रहे हैं। विकासखण्ड स्तर पर शिक्षकों को हटाने का अधिकार नहीं है। इस संबंध में डीईओ कार्यालय को अवगत कराया गया है।

-फूलसाय मराबी, बीईओ, भैयाथान

गांव के ही प्रधानपाठक

ग्रामीणों ने बताया कि प्राथमिक शाला कारीमाटी के प्रधानपाठक लखनलाल यादव गांव के ही निवासी हैं तथा खेती गृहस्थी में व्यस्त होने के कारण शैक्षिक गतिविधियों में रूचि नहीं लेते। जनशिक्षक होने के कारण हाजिरी लगाने के बाद वे गायब हो जाते हैं। सहायक शिक्षक दिलबर सिंह ग्राम सावारावां के निवासी हैं तथा वे भी खानापूर्ति कर घर चले जाते हैं। स्कूल में कक्षा 5वीं में पढ़ने वाले बच्चों को न तो अक्षर का ज्ञान है न ही गिनती-पहाड़ा ही आता है। स्कूल की बदहाल शिक्षण व्यवस्था से अपने बच्चों का भविष्य बिगड़ता देख ▶▶| शेष पेज 7 पर

शिक्षक बदलने पर पढ़ेंगे बच्चे

ग्राम पंचायत परसिया के सरपंच शिवकुमार आग्रे ने बताया कि स्कूल में पदस्थ शिक्षकों की मनमानी से बच्चों का भविष्य खराब हो रहा था इसलिए ग्रामीणों ने आपसी सहमति से अपने बच्चों को हटाया। इसके पूर्व मैंने स्वयं बीईओ से दोनों शिक्षकों को अन्यत्र हटाने की मांग की ताकि शिक्षण व्यवस्था को सुधारा जा सके। बीईओ युक्तियुक्तकरण होने के बाद ऐसी कोई भी कार्रवाई शासन स्तर पर होने का हवाला देते रहे। स्कूल की व्यवस्था नहीं सुधरने पर बच्चों को हटाना पड़ा। चार महीने बाद पिछले एक सप्ताह से स्कूल में दो-चार बच्चे आते-जाते दिख रहे हैं। ग्राम पंचायत के अन्य शासकीय स्कूलों में भी बच्चों की संख्या सामान्य है जबकि प्राइवेट स्कूल में बच्चों की संख्या लगातार बढ़ रही है। स्कूल के शिक्षकों को हटा दिया जाए तो गांव के बच्चों का नामांकन फिर से करा दिया जाएगा।

हमर-प्रदेश

रायपुर, गुरुवार,11 दिसंबर 2025 haribhoomi.com

हरिभूमि

एक ही परिवार के नाम पर कर दी गई 70 एकड़ भूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

विकासखंड में एक बड़ा भूमि घोटाला सामने आया है जिसमें कई ग्रामों की शासकीय एवं निजी भूमि को कथित रूप से अवैध तरीके से एक ही परिवार के नाम कर दिए जाने के मामले में कलेक्टर बलरामपुर ने कोदौरा पटवारी अजेन्द्र टोप्पो को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बता दें कि ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत कोदौरा, कोटडीह, भेण्डरी, परसवार खुर्द, करगडीहा और पकराडी में स्थित कुल लगभग 60 से 70 एकड़ भूमि जिसमें शासकीय एवं भू-स्वामियों की निजी भूमि शामिल है उसे कथित रूप से तहसीलदार राजपुर और संबंधित पटवारी की मिलीभगत से एक ही परिवार के सदस्यों के नाम पर दर्ज कर दिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूरा नामांतरण ऑनलाइन दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर किया गया है। महज कुछ सालों के भीतर बड़ी मात्रा में भूमि उक्त परिवार के नाम चढ़ा दी गई। ग्रामीणों ने बताया कि धान खरीदी पंजीयन के लिए जब

ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग पटवारी को किया गया निलंबित

उन्होंने ऑनलाइन खसरा-बी1 निकाला तो वास्तविक भूमि स्वामियों के नाम की जगह गुप्ता परिवार के नाम दर्ज मिले। ग्रामीणों ने कलेक्टर से इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच, दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई तथा आरोपी परिवार के विरुद्ध तत्काल अपराध पंजीबद्ध करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान लघु वनोपज संघ के जिला अध्यक्ष लालसाय मिंज, नीरज तिवारी अशोक रस्तोगी, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण थे।

पटवारी की आईडी से जोड़े गए नाम

इस मामले में ग्राम पंचायत पकराड़ी, सेमराकटरा, भेण्डरी, करमडीहा एवं कोटडीह के सरपंचों द्वारा 5 दिसंबर को तहसीलदार से शिकायत की गई थी कि विरेन्द्र गुप्ता एवं उसके परिवार के सदस्यों के नाम छत्तीसगढ़ शासन की बड़े झाड़ व छोटे झाड़ की जंगल भूमि पर फर्जी तरीके से दर्ज कर धान विक्रय हेतु उपयोग किया गया है। इस मामले की जांच तहसीलदार द्वारा कराई गई जिसमें पाया गया कि मैनुअल रिकॉर्ड में किसी भी प्रकार का संशोधन आदेश मौजूद नहीं है। इसके बावजूद ऑनलाइन कैफियत कॉलम में पटवारी आईडी से संबंधित व्यक्तियों के नाम जोड़ दिए गए।

बाल अधिकार संरक्षण विषय में डिप्लोमा कर सकेंगे पीजी छात्र, पढ़ाए जाएंगे बच्चों के अधिकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के 6 विश्वविद्यालयों में रक्षक पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। अब तक प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में अब तक ऐसा पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं था, जो युवाओं को बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित करते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। इस आवश्यकता को देखते हुए आयोग द्वारा बाल अधिकार संरक्षण पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम से युवाओं को सैद्धांतिक एवं विधिक ज्ञान, विभागीय योजनाओं, संस्थाओं और प्रायोगिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ, बाल संरक्षण इकाइयों आदि के संबंध में जानकारी उपलब्ध होगी।

यह एक वर्षीय स्नातकोत्तर पीजी डिप्लोमा इन चाइल्ड राइट्स एंड प्रोटेक्शन कोर्स पंडित रविशंकर

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का 6 विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू

शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर, एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर और श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई-दुर्ग में संचालित किया जाएगा।

मिलेंगे रोजगार के अवसर

सीएम साय की उपस्थिति में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं प्रदेश के छह विश्वविद्यालयों के मध्य इस पाठ्यक्रम के लिए एमओयू किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पाठ्यक्रम युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित करेगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, बाल अधिकार एवं संरक्षण पर आधारित यह अनूठा पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है।

खबर संक्षेप

अनुशासनहीनता पर दो प्रधान अध्यापक निलंबित

जगदलपुर। जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने कर्तव्य में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता बरतने के कारण जगदलपुर और दरभा ब्लॉक के दो प्रधान अध्यापकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिसके तहत जगदलपुर विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला-डुरकीगुड़ा के प्रधान अध्यापक कामेश राणा 27 नवम्बर को किए गए निरीक्षण के दौरान कर्तव्य से अनुपस्थित पाए गए। साथ ही बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से अभद्र व्यवहार करने सम्बन्धी शिकायत को गंभीर कदाचार मानते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दरभा विकासखंड के प्राथमिक शाला माँझीपारा केलाऊर के प्रधान अध्यापक सोनधर नाग को 20 जनवरी से लगातार लंबे समय तक कर्तव्य से अनुपस्थित रहने के कारण बीईओ द्वारा स्पष्टीकरण जारी कर जवाब माँगा गया था, लेकिन संबंधित प्रधान अध्यापक ने जवाब देना उचित नहीं समझा।

माओवादियों पर था 82 लाख का ईनाम, हथियार भी सौंपे

गढ़चिरौली में 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मोहला

छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान चलाए जाने के बाद नक्सलियों का आत्मसमर्पण जारी है। बुधवार को गढ़चिरौली में ग्यारह नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों पर कुल 82 लाख रुपए का ईनाम था। इन सभी ने डीजी रश्मि शुक्ला के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। समर्पण के दौरान चार हथियार भी साथ लाए और गढ़चिरौली पुलिस के समक्ष समर्पण किए हैं। इधर चार हार्डकोर नक्सलियों ने कांकेर में सरेंडर किए हैं, जो मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के कोरकोट्टी-मदनवाड़ा में शामिल थे। सभी लंबे समय से छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय रहे है।

कांकेर एसपी आई. कल्याण एलिसेला ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहे है। जिसमें कई जवानों की शहादत हुई थी। ये नक्सली कांकेर जिले के अलावा महाराष्ट्र, मोहला-मानपुर क्षेत्रों में भी सक्रिय रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति और फोर्स के बढ़ते दबाव के कारण लगातार नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। कांकेर जिले में अब बहुत सीमित संख्या में नक्सली शेष बचे हैं, जो जल्द ही आत्म समर्पण कर सकते हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50-50 हजार की सहायता राशि भी पुलिस की तरफ से प्रदान की गई है।

कांकेर में चार ने किया सरेंडर

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले से सटे कांकेर जिले को नक्सल मोर्चे पर पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। मदनवाड़ा-कोरकोट्टी हमले में शामिल रही महिला नक्सली समेत 4 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2009 में हुए मदनवाड़ा-कोरकोट्टी हमले ने पूरे देश को हिला दिया था। जिसमें राजनांदगांव के तत्कालीन एसपी विनोद चौबे समेत 29 जवान शहीद हो गए थे।

इतने लाख के थे ईनामी

बुधवार को आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में बड़ी घटना में शामिल रही मंजुला उर्फ लक्ष्मी पोटाई भी शामिल है, जिस पर 5 लाख का ईनाम घोषित था। इसके अलावा काजल उर्फ रजिता कंपनी नंबर 10 की सदस्य जिस पर 8 लाख का ईनाम घोषित था। विलास उर्फ चैतु उसेंडी ईनामी 5 लाख और रामसाय उर्फ लखन ईनामी 5 लाख ने भी आत्मसमर्पण किया है।

गढ़चिरौली में घातक नक्सली

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में 11 माओवादी कैडर बाजू गुट्टी लेकामी डीवीसीएम-भमरगढ़ एलओएस 57 वर्ष निवासी एडासगोंडी, तालुका एटापल्ली जिला गढ़चिरौली, किरण हिदामा कोवासी डीवीसीएम वेस्ट बस्तर डिवीजन के सदस्य 35 वर्ष निवासी चिंतगुफा जिला सुकमा, लकी अदामा गोटा पीपीसीएम सेक्शन कमांडर पीएलजीए बटालियन नंबर 1 उम्र 41 वर्ष निवासी चेरपल्ली भोपालपट्टनम जिला बीजापुर, सना मासू ओयम पीपीसीएम कंपनी नंबर 7 उम्र 32 वर्ष टेकलगुडा उसुर जिला बीजापुर, रागो इरिया वेलाडी पीपीसीएम कंपनी नंबर 7 उम्र 30 वर्ष निवासी एडापल्ली भोपालपट्टनम जिला बिजापुर, कुमारी भीमा वेलाडी एसीएम कान्हा भोरमदेव 36 वर्ष निवासी चेरपल्ली भोपालपट्टनम जिला बीजापुर, मुरा लछू पुंगाती एसीएम कुटुल एरिया कमेटी 35 वर्ष निवासी कुमनार तालुका मामरागगढ़ जिला गढ़चिरौली, सोनू पोदियाम प्लाटून नंबर 2 उम्र 19 वर्ष निवासी बेरेवाड़ा पखानजुर जिला कांकेर, प्रकाश उर्फ कुंद्रा पुंगाती सदस्य प्लाटून नंबर 32 आयु 22 वर्ष निवासी गट्टेकल ओराछा जिला नारायणपुर, जैनी टोंडे पल्लो सदस्य प्लाटून नंबर 32 आयु 22 वर्ष निवासी पडगुंडा ओराछा नारायणपुर, साईनाथ शंकर मेड सदस्य एओबी आंध-उड़ीसा बॉर्डर 23 वर्ष निवासी सैंड्रा भोपालपट्टनम जिला बीजापुर शामिल हैं।

सुकमा जिले में था पदस्थ

हार्टअटैक से सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सुकमा जिले में 218 बटालियन में पदस्थ हेड कांस्टेबल की बीती रात को अचानक से हार्ट अटैक आ गया। उन्हें बेहतर उपचार के लिए पास के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी आला अधिकारियों को दी गई, जहां शव का पीएम के बाद एम्बोमिंग करने के लिए एम्बुलेंस के माध्यम से मेकाज लाया गया। एम्बोमिंग के बाद शव अधिकारियों को सौंप दिया गया, उसके बाद मृतक के शव को गृहग्राम के लिए रवाना कर दिया गया। बताया जा रहा है कि माजर झज्जर हरियाणा निवासी 45 वर्षीय जयवीर सिंह सुकमा जिले के 218 बटालियन में हेड कांस्टेबल के पद पर पदस्थ थे। मंगलवार की रात को अपने दोस्तों के साथ खाना खाने के बाद सोने के लिए चले गए। देर रात को जोर से आवाज लगाने के बाद पलंग से नीचे गिर पड़े, साथ सो रहे साथियों ने आवाज सुन जयवीर के पास पहुंचे। उसे तत्काल उठाकर अपने साथ पास के अस्पताल ले गए, जहां उपचार से पहले ही उनकी मौत हो गई।

बस्तर ओलंपिक 2025

11 से 13 दिसंबर 2025

उद्घाटन कार्यक्रम

11 दिसंबर 2025 | प्रातः 11:00 बजे | इंदिरा प्रियदर्शनी स्टेडियम, जगदलपुर

मुख्य अतिथि
श्री विष्णु देव साय
मान. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

अध्यक्षता
श्री अरुण साव
मान. उप-मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

अति विशिष्ट अतिथि
श्री विजय शर्मा
मान. उप-मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

विशिष्ट अतिथि

श्री केदार कश्यप — मान. मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन
श्री महेश कश्यप — मान. सांसद, बस्तर
श्री भोजराज नाग — मान. सांसद, कांकेर
सुश्री लता उसेण्डी — मान. उपाध्यक्ष बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण एवं विधायक, कोंडागांव
श्री किरण सिंह देव — मान. विधायक, जगदलपुर
श्री विक्रम उसेंडी — मान. विधायक, अंतागढ़
श्री विनायक गोयल — मान. विधायक, चित्रकोट
श्री नीलकंठ टेकाम — मान. विधायक, केशकाल
श्री आशाराम नेताम — मान. विधायक, कांकेर
श्री चैतराम अटामी — मान. विधायक, दंतेवाड़ा
श्री लखेश्वर बघेल — मान. विधायक, बस्तर
श्री विक्रम मंडावी — मान. विधायक, बीजापुर
श्री सावित्री मनोज मंडावी — मान. विधायक, भानुप्रतापपुर
श्रीमती वेदवती कश्यप — मान. अध्यक्ष, जिला पंचायत बस्तर
श्री संजय पाण्डे — मान. महापौर, नगर निगम जगदलपुर
श्री श्रीनिवास राव मद्दी — मान. अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य बेवरेजेस कॉर्पोरेशन
श्री विश्व विजय सिंह तोमर — मान. अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग
श्री रूपसिंह मंडावी — मान. अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग
श्री भरत मटियारा जी — मान. अध्यक्ष, मछुआ कल्याण बोर्ड छत्तीसगढ़
श्रीमती शालिनी राजपूत जी — मान. अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड
श्री रूपसाय सलाम जी — मान. अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित

एवं समस्त जिला पंचायत सदस्य, पार्षदगण, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच, पंचगण, जन-प्रतिनिधिगण के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित है, जिसमें

आपकी गरिमामयी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर

रायपुर
गुरुवार, 11 दिसंबर 2025
पौष कृष्ण पक्ष सप्तमी
वर्ष : 24, अंक : 143
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 29.1
न्यून. 12.2

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

3 मशहूर क्रिकेट होस्ट को कर रहीं डेट...

विचार पेज
4 वंदे मातरम् से जन्मा तुष्टिकरण...

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तिरुपति के टीटीडी को एक करोड़ रुपए दान

तिरुपति। तमिलनाडु की एक श्रद्धालु ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् (टीटीडी) के 'श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट' को एक करोड़ रुपए का दान दिया है। यह ट्रस्ट जीवनघातक बीमारियों से पीड़ित गरीब मरीजों को मुफ्त उपचार प्रदान करता है।

खड़ी कार को मारी टक्कर पांच की मौत, चार घायल

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के हैदरगढ़ पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर स्थित ग्राम डीह के निकट हुए भीषण सड़क हादसे में एक महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई। चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय दोनों कारों में कुल नौ लोग सवार थे। दुर्घटना में मरने वालों की पहचान गुलिस्ता (49), समरीन (22), इलमा खान (12), इश्मा खान (6) और जियान (10) के तौर पर हुई है।

ट्रेन में 5.53 करोड़ के सोने के आभूषण चोरी

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर से ट्रेन से मुंबई जाते समय एक सोना कारोबारी के 5.53 करोड़ रुपए के आभूषण चोरी हो गए। यह घटना छह-सात दिसंबर की रात हुई जब कारोबारी सिद्धेश्वर एक्सप्रेस ट्रेन में सोलापुर से मुंबई जा रहा था। कारोबारी ने दो ट्रॉली बैग एक चेन से बांधकर अपनी सीट के नीचे रख दिए जिनमें 4,456 ग्राम सोने के आभूषण रखे हुए थे।

आयुर्वेदिक इलाज के नाम पर 48 लाख की ठगी

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु शहर के एक निवासी को उच्च गुणवत्ता वाली आयुर्वेदिक दवाएं उपलब्ध कराने के बहाने उससे 48 लाख रुपए ठगने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान विजय प्रधान चित्तौड़िया (42) और मनोज सिंह (29) के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के पास से 17 तरह की आयुर्वेदिक दवाएं, टेंपो ट्रैवलर और 19.50 लाख रुपये नकदी जब्त की गई है।

केंद्र से इंडिगो संकट पर पूछे कई सवाल, नौवें दिन 220 से ज्यादा उड़ानें रद्द

हाईकोर्ट ने पूछा- हवाई किराया 39000 रुपए तक कैसे पहुंच गया, कौन जिम्मेदार?

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

इंडिगो ने बुधवार को दिल्ली और मुंबई सहित तीन प्रमुख हवाई अड्डों पर लगभग 220 उड़ानें रद्द कर दीं। इधर, इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया कि अराजकता के बीच एयरलाइनों को किराया बढ़ाने की अनुमति क्यों दी गई, न्यायमूर्ति गेडेला ने पूछा, अगर कोई संकट था, तो अन्य एयरलाइनों को फायदा उठाने की अनुमति कैसे दी जा सकती है? यह 35,000 से 39,000 तक कैसे जा सकता है? अन्य एयरलाइंस कैसे चार्ज करना शुरू कर सकती हैं? यह कैसे हो सकता है?

हाईकोर्ट ने कहा कि स्थिति को संभालने में उनके प्रयासों की सराहना करते हुए सरकार को यह बताना चाहिए कि संकट कैसे शुरू हुआ। व्यापक आर्थिक प्रभाव पर जोर देते हुए न्यायमूर्ति गेडेला ने टिप्पणी की, कौन जिम्मेदार है? यह हवाई अड्डों पर फंसे हुए व्यक्तिगत यात्रियों का सवाल नहीं है। सवाल अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का है।

हाईकोर्ट ने पूछा, हमने कहा है कि हम आपके प्रयासों की सराहना करते हैं। सवाल यह है कि ऐसी स्थिति क्यों आई? कौन जिम्मेदार है? यह व्यक्तिगत यात्रियों के हवाई अड्डों पर फंसे होने का सवाल नहीं है। सवाल अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का है। यह यात्रियों के लिए उत्पीड़न और परेशानी है। यात्रियों को मुआवजा देने के लिए क्या कदम उठाए गए? सेवा प्रदाताओं के कर्मचारियों को जिम्मेदारी से ⏭शेष पेज 7 पर

हरिभूमि फॉलोअप

जनहित में लिया संज्ञान

हाईकोर्ट की पीठ ने कहा, हमने यह मामला जनहित के तहत संज्ञान में लिया है, लेकिन यह स्पष्ट कर देते हैं कि हमारी टिप्पणियों का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सरकार और विमानन कंपनी जनहित को सर्वोपरि रखें। कोर्ट ने यह निर्देश भी दिया कि स्थिति जल्द सामान्य की जाए और सभी विमानन कंपनियां पर्याप्त संख्या में पायलटों की नियुक्ति सुनिश्चित करें।

डीजीसीए ने बनाया निगरानी दल

राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली एयरलाइन इंडिगो पर निगरानी कड़ी करते हुए विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने चालक दल की कमी के कारण बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के बाद आठ सदस्यीय निगरानी दल का गठन किया है। डीजीसीए द्वारा बुधवार को जारी आदेश के अनुसार, इस दल में एक उपमुख्य उड़ान संचालन निरीक्षक, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक और दो अन्य उड़ान संचालन निरीक्षक शामिल होंगे।

तीन महानगरों में उड़ानें रद्द

इंडिगो ने बुधवार को दिल्ली और मुंबई सहित तीन प्रमुख हवाई अड्डों पर लगभग 220 उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने दावा किया था कि एयरलाइन का परिचालन फिर से पटरी पर आ गया है। संकटग्रस्त एयरलाइन ने दिल्ली हवाई अड्डे पर 137 उड़ानें और मुंबई हवाई अड्डे पर 21 उड़ाने रद्द कर दीं। इंडिगो ने बेंगलुरु हवाई अड्डे पर 61 उड़ानें रद्द कर दीं, जिनमें 35 आगमन और 26 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं।

संसद में गूंजा इंडिगो संकट

माकपा सदस्य ए ए रहीम ने राज्यसभा में हालिया इंडिगो संकट के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह हालात अंधाधुंध निजीकरण और नियमन में ढील का नतीजा हैं, जिनकी वजह से देश का विमानन क्षेत्र 'डुओपोली (ऐसी स्थिति जब बाजार में दो ही कंपनियों का दबदबा रहता है) में बदल गया है। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए रहीम ने सरकार से अनुरोध किया कि 'उड़ान ड्यूटी समय सीमा' नियमों को शिथिल न किया जाए।

खुद बताई अपनी तकलीफ

सिंधिया भी फंसे, एयरपोर्ट पर किया डेढ़ घंटे इंतजार

ग्वालियर। इंडिगो संकट के कारण आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इंडिगो फ्लाइट के कैंसिल का असर अब केंद्रीय मंत्री के दौरे पर भी दिखा है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को ग्वालियर पहुंचे लेकिन देशभर में जारी इंडिगो फ़्लाइट संकट का असर उनकी यात्रा पर भी साफ दिखाई दिया। दिल्ली से ग्वालियर आने वाली उनकी फ्लाइट देरी से पहुंची। ग्वालियर एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर लगभग डेढ़ घंटे तक इंतज़ार करना पड़ा।

पीएम मोदी के विजन की तारीफ

सिंधिया ने बताया कि वे ग्वालियर प्रवास के दौरान निर्धारित सभी कार्यक्रमों में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वंदे मातरम् पर की गई प्रस्तुति की जोरदार प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत व्यक्तित्व ने देश के नागरिकों को नई ऊर्जा और प्रेरणा दी है। सिंधिया ने कहा कि भारत अब अमृत काल से शताब्दी काल की यात्रा की ओर अग्रसर है और यह आने वाला समय भारत का स्वर्णिम काल होगा।

16 साल पहले हुआ था चरित्र पर संदेह, 75 साल के बुजुर्ग ने 74 साल की पत्नी को मार डाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

- चल रहा था चरित्र शंका को लेकर विवाद, टांगी से वार कर की हत्या

सोलह साल पहले शुरू हुए एक विवाद और चरित्र शंका को लेकर बुजुर्ग ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने विवाद के दौरान पत्नी के सिर पर टांगी से वार किया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी ने अपनी बेटी को फोन कर हत्या की जानकारी दी। अब इस मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर ⏭शेष पेज 7 पर

यहां से विवाद

अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि खनिज विभाग में सर्वेयर के पद पर कार्य करते हुए 19 दिसम्बर 2009 को वह विभाग में कार्यरत एक मार्शल चालक के साथ ग्राम ठरकी आया था। इसी दौरान पत्नी से करीबी का शक हुआ और विवाद करने लगा, तब से दोनों के बीच विवाद चल रहा था और इसी चरित्र शंका को लेकर विवाद के कारण उसने गुस्से में आकर बुजुर्ग पत्नी की टांगी ⏭शेष पेज 7 पर

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने पं. कीर्ति नारायण द्विवेदी को दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बुधवार शाम को हरिभूमि व आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के घर पहुंचे और उनके पिता पं. कीर्ति नारायण द्विवेदी के निधन पर शोक संवेदनाएं जताईं और परिजनों को ढांढस बंधाया।

पीएम मोदी बोले-भारत और दुनिया के लोग रोमांचित

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में दीपावली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

गुड न्यूज

भारत के प्रमुख उत्सव दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया। दिल्ली में लाल किले पर आयोजित यूनेस्को की एक अहम बैठक में यह फैसला लिया गया। यह पहली बार है कि भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर ⏭शेष पेज 7 पर

कुंभ से दिवाली तक 15 परंपराएं

दुनिया भर में दीपावली का प्रभाव

यूनेस्को की सूची में दीपावली का स्थान भारत के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के उन देशों के लिए गर्व का कारण है, जो इस त्योहार को मनाते हैं।

भारत की 15 सांस्कृतिक परंपराएं वर्तमान में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हैं, जिनमें कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला - महाकाव्य 'रामायण' का पारंपरिक प्रदर्शन शामिल हैं। प्रकाश का उत्सव दीपावली भारत के उन चिरस्थायी त्योहारों में से एक है जो अब दुनिया के कई अन्य हिस्सों में भी मनाया जाता है।

भारत का स्वागत और नई जिम्मेदारी

दीपावली को इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल करने के निर्णय पर भारत ने खुशी और गर्व का इजहार किया है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह एक अहम कदम है, जो न केवल भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच पर सम्मानित करता है, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी देता है। शेखावत ने कहा कि यह उत्सव भारतीयों के लिए भावनात्मक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है और यह पीढ़ियों से चलता आ रहा है।

थरूर को 'वीर सावरकर' पुरस्कार, सम्मान लेने से किया इंकार

भड़के कांग्रेस नेता ने कहा- बिना पूछे किया मेरे नाम का चयन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस नेता शशि थरूर को 'वीर सावरकर' पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला किया गया है। इस खबर के बाद माना जा रहा था कि कांग्रेस पार्टी और तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर के बीच फिर से तनातनी हो सकती है। लेकिन थरूर ने ये पुरस्कार लेने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इसके आयोजक के बारे में कोई जानकारी नहीं है और ये बिना उनकी सहमति के दिया जा रहा था। थरूर ने राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से कहा कि उन्हें इस पुरस्कार के बारे में मंगलवार को ही पता चला और वे समारोह में नहीं जा रहे हैं। उन्होंने पुरस्कार समारोह में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर जवाब दिया कि मुझे इसके बारे में कल ही पता चला, मैं नहीं जा रहा हूं।

आयोजक एचआरडीएस इंडिया के रवैये को बताया गैर-जिम्मेदाराना

वीर सावरकर पर अवॉर्ड

तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद को बुधवार को नई दिल्ली में एचआरडीएस इंडिया द्वारा पहला 'वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवार्ड 2025' देने का ऐलान किया गया था। थरूर ने मंगलवार को यहां पत्रकारों से कहा था कि उन्हें इस पुरस्कार के बारे में मीडिया से पता चला और उन्हें यह नहीं पता कि इसे कौन दे रहा है। उन्होंने कहा था, "मुझे पुरस्कार से संबंधित किसी भी बात की जानकारी नहीं है।

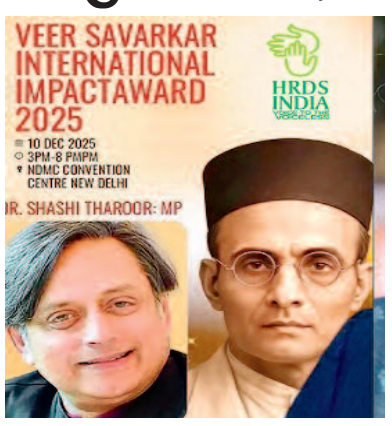

यह कांग्रेस का अपमान

थरूर के इनकार करने के बाद कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने बुधवार को कहा कि सांसद शशि थरूर समेत पार्टी के किसी भी सदस्य को वीर सावरकर के नाम पर कोई पुरस्कार स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि उन्होंने अंग्रेजों के सामने सिर झुकाया था। मुरलीधरन ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं होता कि थरूर यह पुरस्कार स्वीकार करेंगे क्योंकि ऐसा करना कांग्रेस का अपमान और शर्मिंदगी की बात होगी।

बीजेपी के रोल मॉडल हैं सावरकर

मालूम हो कि वीर सावरकर को बीजेपी अपना रोल मॉडल मानती है, वहीं कांग्रेस इसका विरोध करती है। यही वजह है कि शशि थरूर का नाम वीर सावरकर अवॉर्ड के लिए सामने आने के बाद चर्चाओं का दौर शुरू था। हालांकि, अब सांसद थरूर ने स्पष्टीकरण जारी कर दिया है।

'वीर सावरकर पुरस्कार' : समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवॉर्ड 2025 का आयोजन 10 दिसंबर को नई दिल्ली में होना था। इसमें यह भी बताया गया था कि यह कार्यक्रम एनडीएमसी कन्वेंशन हॉल में होगा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी समारोह में मौजूद रहेंगे।

कांग्रेस से तल्खी भाजपा से नजदीकी

बता दें, हालिया दिनों में कांग्रेस व थरूर के बीच रिश्ते तल्खी भरे रहे हैं। कई मुद्दों पर उन्होंने पार्टी लाइन से हटकर मोदी सरकार का समर्थन किया है। उन्हें सरकार ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में शुक्रवार रात को राष्ट्रपति भवन में भव्य डिनर का न्योता भेजा था, जिसमें वे शामिल भी हुए थे, जबकि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को कोई न्योता नहीं भेजा गया था। कांग्रेस ने इस पर प्रतिक्रिया भी दी है। इसके पहले भी मोदी सरकार के साथ उनकी नजदीकी सुर्खियां पाती रही हैं।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड

पिछले रविवार हादसे में गई थी 25 लोगों की जान

4 मालिकों में से एक पकड़ा गया बोला- मैं सिर्फ बिजनेस पार्टनर

इधर, थाईलैंड भागे लूथरा ब्रदर्स ने कहा- 'हम भी पीड़ित हैं'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड में गुनहगारों की धरपकड़ जारी है। बुधवार सुबह दिल्ली क्राइम ब्रांच ने 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के तीसरे मालिक अजय गुप्ता को दिल्ली के अस्पताल से धर दबोचा। पुलिस ने अजय गुप्ता के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था। पुलिस टीम दिल्ली स्थित गुप्ता के घर पर पहुंची थी, लेकिन वह नहीं मिले थे। क्लब के दो और मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा थाइलैंड भाग चुके हैं। उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इस मामले में अब तक छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। गोवा पुलिस इस चौकड़ी के एक और किरदार सुरिंदर कुमार खोसला को भी तलाश रही है। उसके खिलाफ भी सर्कुलर जारी है। खोसला क्लब का चौथा मालिक है या फिर साझेदार अभी यह क्लियर नहीं है।

खुद को बताया बेकसूर : पुलिस ने बताया, गुप्ता को गोवा लाया जाएगा, जहां उससे आगजनी की घटना के संबंध में पूछताछ की जाएगी। मीडिया के सवाल पर गुप्ता खुद को बेकसूर बताते नजर आए। गुप्ता ने कहा कि मैं सिर्फ क्लब में पार्टनर था, बाकी इससे मेरा कुछ संबंध नहीं है। इस बीच, दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को गुप्ता की 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड की अनुमति दे दी।

गोवा के अरपोरा इलाके में रविवार सुबह नाइट क्लब में लगी भीषण आग ने 25 लोगों की जान ले ली थी। इनमें 5 पर्यटक और 20 स्टाफ मेंबर शामिल हैं। इस हादसे के बाद सरकार, पुलिस और प्रशासन हरकत में आया और तीन बड़े अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि क्लब में फायर सेफ्टी के नियमों का पालन नहीं किया गया था, हालांकि, बाद में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने दावा किया कि बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में आग लगने की वजह इलेक्ट्रिक पटाखे थे।

कई बड़े अफसर किए गए सस्पेंड

अब तक ये लोग गिरफ्तार

इस मामले में अब तक अजय गुप्ता: क्लब के को-ओनर, राजीव मोदक: नाइट क्लब के मुख्य महाप्रबंधक (चीफ जनरल मैनेजर), विवेक सिंह: क्लब के महाप्रबंधक (जनरल मैनेजर), राजीव सिंघानिया: बार प्रबंधक (बार मैनेजर), रियांशु ठाकुर: गेट प्रबंधक (गेट मैनेजर), भरत कोहली: कर्मचारी गिरफ्तार हुए हैं।

लूथरा बंधुओं को कोर्ट से नहीं मिली अंतरिम राहत

गोवा के 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा बुधवार को दिल्ली की एक अदालत से अंतरिम राहत पाने में असफल रहे। रोहिणी कोर्ट ने गिरफ्तारी से तुरंत अंतरिम सुरक्षा देने से मना कर दिया। अदालत ने उनकी ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई अगले दिन के लिए स्थगित कर दी। दोनों भाइयों ने चार सप्ताह की अग्रिम जमानत का अनुरोध किया है, ताकि थाईलैंड से दिल्ली लौटने के तुरंत बाद उन्हें गिरफ्तार न किया जाए। उन्होंने कोर्ट से कहा, 'हम भी पीड़ित हैं।' लूथरा ब्रदर्स ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों द्वारा उनके खिलाफ बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। अदालत में उनकी ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता और उनके पार्टनर दिल्ली से काम करते हैं और रोजाना का कामकाज नहीं देखते, रेस्टोरेंट का रोजाना का काम ऑन-ग्राउंड मैनेजर और रेस्टोरेंट मैनेजर संभालते हैं।

सूचना आयुक्त, और एक सतर्कता आयुक्त की नियुक्तियों पर चर्चा

मोदी, शाह के साथ राहुल की हुई मीटिंग, लिखित में दी आपत्ति!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संसद में प्रधानमंत्री के कक्ष में मुलाकात की। यह मीटिंग मुख्य सूचना आयुक्त और केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) में सतर्कता आयुक्त के चयन के लिए हुई। इस बैठक में केंद्रीय सूचना आयोग में खाली चल रहे आठ पदों पर नियुक्ति पर भी चर्चा हुई। जानकारी के मुताबिक, गांधी ने बैठक में सीआईसी की नियुक्ति पर डिसेंट नोट सौंपा। उन्होंने सभी 8 नियुक्तियों पर आपत्ति दर्ज कराई है।

पहले भी दर्ज कराई है

प्रधानमंत्री कक्ष में हुई इस बैठक में क्या फैसला लिया गया, अभी इसकी डिटेल्स सामने नहीं आई है। लेकिन सूत्रों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस नेता ने लिखित में अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। इससे पहले जब भी इन नियुक्तियों को लेकर बैठक हुई है तो विपक्ष का नेता होने के नाते चाहे खड़गे हो या राहुल, उन्होंने अपनी आपत्तियां दी हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ है।

सूचना आयोग में अभी 8 पद खाली

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में मुख्य सूचना आयुक्त सहित अभी 8 पद खाली है। कुछ महीनों पहले तक हीरालाल सामरिया भारत के मुख्य सूचना आयुक्त थे, लेकिन 13 सितंबर, 2025 को सामरिया के रिटायर होने के बाद से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली है। दरअसल बुधवार को पीएमओ में हुई इस बैठक की लंबी टाइमिंग को लेकर चर्चाओं का दौर चल रहा है। क्योंकि जानकारी केवल मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की थी।

मोरक्को में दर्दनाक हादसा

दो रिहायशी इमारतें गिरीं 19 लोगों की हुई मौत

एजेंसी ▶▶| मस्सिरा-जौआघा

उत्तरी अफ्रीकी देश मोरक्को में बीते मंगलवार एक दर्दनाक हादसे में 19 लोगों की जान चल गई है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक मस्सिरा-जौआघा जिले में दो रिहायशी इमारतें अचानक भर-भराकर ढह गई, जिसके मलबे में कई लोग फंस गए। रातभर चले रेस्क्यू ऑपरेशन में कई लोगों को मलबे से निकाल लिया गया, लेकिन मृतकों की संख्या भी बढ़कर 19 तक पहुंच गई है, मृतकों में चार बच्चे शामिल हैं। यह घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे हुई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की भी खबर है, जिनका इलाज किया जा रहा है।

हादसे की वजह

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, इमारतों का डिजाइन कमजोर था, इस वजह की पुष्टि अभी तक नहीं की गई है। मंगलवार रात हुआ ये हादसा कोई पहली बार की घटना नहीं है। इससे पहले भी मोरक्को में हाल के वर्षों में कई इमारतें ढह चुकी हैं। इसी वर्ष अक्टूबर में कैसाब्लांका के पुराने मदीना में हुई एक दर्दनाक घटना में कई लोगों ने जान गंवाई। वहीं मई, 2025 में फेस में हुई एक अन्य घटना में नौ लोगों की मौत हो गई थी। सरकार ने असुरक्षित इमारतों को ठीक करने का बार-बार वादा किया है और पिछले साल माराकेश और आसपास के क्षेत्रों में 12,000 से अधिक कमजोर इमारतों की पहचान की थी, जिनमें से कई सितंबर 2023 में आए अल हौज भूकंप से और भी कमजोर हो गई थीं।

रैगिंग पर एक्शन : 97 छात्र सस्पेंड

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। प्रथम वर्ष के छात्रों की शिकायत पर एंटी रैगिंग सेल ने त्वरित कार्रवाई की। जांच में द्वितीय वर्ष के 97 छात्रों को दोषी पाया गया, जिन्हें कॉलेज प्रशासन ने एक माह के लिए निलंबित कर दिया है और उन पर ₹5-5 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है।

पुलिस ने लिया हिरासत में, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

बिना इजाजत लद्दाख के संवेदनशील इलाकों में चीनी

नई दिल्ली। चीन से भारत आए एक 29 साल के युवक को श्रीनगर पुलिस ने सोमवार को हिरासत में लिया। जांच में पता चला है कि वह बिना किसी ऑफिशियल परमिशन के लद्दाख और कश्मीर के सेंसिटिव इलाकों में घूम रहा था। भारतीय सिक्योरिटी एजेंसियां इस मामले में अलर्ट हो गई हैं और श्रीनगर में टूरिस्ट पर कड़ी नजर रखी जा रही है। द्दाख-कश्मीर जैसे सेंसिटिव इलाकों में चीनी युवक का घूमना एक गंभीर सिक्योरिटी मुद्दा बन गया है। हिरासत में लिए गए युवक का नाम हू कोंगताई है – वह चीन के ग्वांगडोंग प्रांत का रहने वाला है। यह पता लगाने के लिए पूरी जांच की जा रही है कि कोंगताई इस इलाके में कहां-कहां घूमा, उसने किससे कॉन्टैक्ट किया और उसके आने का मकसद क्या था।

पुलिस से कैसे बच निकला?

कोंगताई 20 नवंबर को लेह के लिए फ्लाइट से गया था। उस समय, वह एयरपोर्ट पर लोकल यात्रियों के साथ घुल-मिलकर पुलिस से बच निकला। 1 दिसंबर को वह श्रीनगर पहुंचा और एक बिना रजिस्ट्रेशन वाले गेस्टहाउस में रुका। इस दौरान कहा जाता है कि उन्होंने कश्मीर में कई संवेदनशील जगहों का दौरा किया, जिनमें हरवान बौद्ध मठ, शंकराचार्य हिल, हजरतबल, डल झील क्षेत्र में मुगल गार्डन और अवंतीपुर शामिल हैं।

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें : एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें : मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

NMH निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:- 7987119756, 9303508130

मशहूर क्रिकेट होस्ट को कर रहीं डेट...

एजेंसी ⏭ मुंबई

वो कहते हैं न कि धुआं वहीं से उठता है, जहां कोई चिंगारी लगी होती है। पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री कृतिका कामरा और टेलीविजन प्रजेंटेटर गौरव कपूर के रिलेशनशिप को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। अब अंततः कृतिका ने इन चर्चाओं पर मोहर लगा दी और गौरव कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल कर दिया। कृतिका ने एक पोस्ट के जरिए अपने रिश्ते को कंफर्म किया है। बुधवार को कृतिका ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में कृतिका और गौरव दोनों नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों साथ में ब्रेकफास्ट करते और कॉफी पीते भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कृतिका ने कैप्शन में सिर्फ 'ब्रेकफास्ट विद' लिखा है।

जाहिर है कि गौरव कपूर का यूट्यूब पर एक शो भी है 'ब्रेकफास्ट विद गौरव कपूर', जिसमें वो क्रिकेट सेलेब्स के साथ बातचीत करते हैं। इन तस्वीरों में कृतिका और गौरव की सेल्फी भी है। साथ ही एक वीडियो भी है, जिसमें दोनों के कॉफी मग पर बेबी लिखा हुआ है। कृतिका और गौरव के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर महीनों से अफवाहें चल रही हैं। खासकर मुंबई में दोनों को साथ देखे जाने के बाद, इनके अफेयर की चर्चाएं बी-टाउन के गलियारों में जोरों पर थीं। लेकिन कपल अपने रिश्ते को छिपाए हुए था। कई बार कपल को बांद्रा के मशहूर रेस्टोरेंट में खाना खाते और अपने दोस्तों के साथ समय बिताते देखा गया था।

शाहरुख ने दुबई में मचाई धूम 'झूमे जो पठान' पर किया डांस

मुंबई। शाहरुख खान इन दिनों अपनी फिल्म 'किंग' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। बहरहाल, इन दिनों शाहरुख दुबई में हैं। दुबई के एक्सपो सिटी सेंटर में शाहरुख खान की शानदार एंट्री हुई। 6,000 से ज्यादा लोग उनके स्वागत में जमा हो गए और पूरा हॉल कॉन्सर्ट जैसा लगने लगा। शाहरुख की विनम्रता ने दुबई में सभी का दिल जीत लिया। दुबई के इस इवेंट के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें शाहरुख अपनी फिल्मों के मशहूर डायलॉग बोलते नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपना प्रसिद्ध डायलॉग 'क क क किरन' बोला। एक दूसरे वीडियो में उनकी किंग स्टाइल एंट्री दिखी। तीसरे वीडियो में शाहरुख 'झूमे जो पठान'गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं, जिसमें उनके साथ पूरा हॉल झूमता नजर आ रहा है। शाहरुख ने वहां मौजूद फैंस से दिल खोलकर बात की। उन्होंने कहा, 'यहां तो ऐसा लग रहा है जैसे कोई कॉन्सर्ट चल रहा हो।' शाहरुख ने अपने फैंस का दिल से शुक्रिया अदा किया और कहा, 'मुझे स्टार बनाने के लिए धन्यवाद।' वहां पर मौजूद लोगों

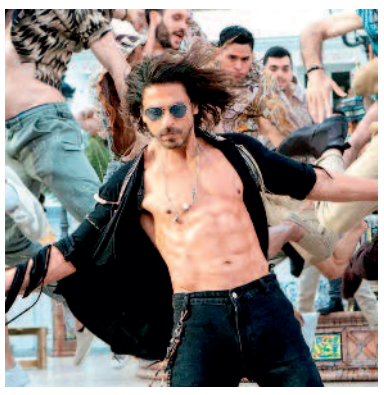

को शाहरुख ने खास सलाह देते हुए कहा, 'जिंदगी में अगर कुछ बदलना है- पैसा, खुशी या भावनाएं तो इसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। अपना बेस्ट दीजिए।' शाहरुख ने अपनी कामयाबी का राज बताते हुए कहा, 'मैं अल्लाह पर पूरा यकीन रखता हूं। मेरी सारी सफलता कड़ी मेहनत की वजह से है। पैसा कभी मकसद नहीं रहा।' शाहरुख जल्द ही फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे।

छावा-कांतारा को पछाड़ नंबर 1 पर सैयारा

2025 आईएमडीबी की लिस्ट में इन फिल्मों ने बनाई जगह...

नई दिल्ली। साल 2025 जाने को है। इस साल कई फिल्में रिलीज हुई हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की है। कई फिल्मों ने बॉक्स को फाड़कर रख दिया तो कई फिल्में ऐसी रहीं जो कब आई और कब चली गई पता ही नहीं चला। आईएमडीवी ने साल 2025 की टॉप 10 फिल्मों की लिस्ट जारी कर दी है।

सैयारा : इस लिस्ट में सबसे पहले नंबर पर सैयारा है। मोहित सूरी की ये फिल्म के साथ अहान पांडे और अनीत पड्डा ने डेब्यू किया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई की।

महावतार नरसिम्हा : साल 2025 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक महावतार नरसिम्हा है। आईएमडीबी की लिस्ट में ये दूसरे नंबर पर है। एनिमेटेड माइथोलॉजिकल फिल्म है। इसे आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

छावा : विकी कौशल की फिल्म 'छावा' तीसरे नंबर पर है। इस मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाया।

कांतारा: अ लेजेंड चैप्टर 1 : ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 1' ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा तूफान मचाया कि कई

बड़ी फिल्में इसके आगे फीकी नजर आईं। ये फिल्म आईएमडीबी की लिस्ट में चौथे नंबर पर है। इसे आप ओटीटी प्लेटफॉर्म **Prime Video** पर देख सकते हैं।

कूली : सुपरस्टार रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'कूली' 400 करोड़ के बजट में बनी है। इस मूवी ने लिस्ट में पांचवें नंबर पर जगह बनाई है। ये फिल्म प्राइम वीडियो पर तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ (फिलहाल हिंदी नहीं) में स्ट्रीम हो चुकी है।

ड्रैगन : अनुपमा परमेश्वरन और प्रदीप रंगनाथन स्टारर रिटर्न ऑफ द ड्रैगन फिल्म बड़े पर्दे पर धमाल मचा रही है. अश्वथ मारिमुथु के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 21 फरवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी । लिस्ट ये मूवी छठे नंबर पर है।

सितारे जमीन पर : आमिर खान की सितारे जमीन पर एक शानदार फिल्म में है। निर्देशक आर एस प्रसन्ना की सितारे जमीन पर आईएमडीबी की लिस्ट में सातवें नंबर पर है।

देवा : शाहिद कपूर की फिल्म 'देवा' लिस्ट में आठवें पर है। इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है।

12 दिसंबर को रिलीज होगी अखंडा-2

मुंबई। 'अखंडा 2: थांडवम' मूल रूप से एक तेलुगू फैंटेसी एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसे बोयापति श्रीनु ने डायरेक्ट किया है। यह 2021 में आई 'अखंडा' का सीक्वल है, जिसमें नंदमुरी बालकृष्ण, और हर्षाली मल्होत्रा के साथ संयुक्ता मेनन, आदी पिनिसेट्टी और कबीर दुहन सिंह प्रमुख भूमिकाओं में हैं। नंदमुरी बालकृष्ण की यह फिल्म, जो पहले 5 दिसंबर को रिलीज से कुछ घंटे पहले पोस्टपोन हो गई थी, अब 12 दिसंबर को रिलीज होगी!

पिछले गुरुवार को, मेकर्स ने पोस्टपोन होने की खबर देते हुए फैंस से माफी मांगी थी। भले ही मेकर्स ने पोस्टपोन होने का कारण नहीं बताया, लेकिन समझा जा रहा है कि यह कोर्ट केस के कारण हुआ। दरअसल, इरोस इंटरनेशनल मीडिया लिमिटेड ने 14 रील्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर 11 साल से बकाया आर्बिट्रेशन मनी के संबंध में मद्रास हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जो ब्याज के साथ 28 करोड़ रुपए है।

दादामुनि के नाम हुए मशहूर, हिंदी सिनेमा के कहे जाते हैं पहले सुपरस्टार

अशोक कुमार के फैंस को हटाने के लिए किया जाता था लाठीचार्ज

नई दिल्ली। दादामुनि के नाम मशहूर हुए अभिनेता अशोक कुमार हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार कहे जाते हैं। लेकिन स्टारडम की राह अचानक ही उनके लिए खुली। 13 अक्टूबर 1911 को भागलपुर (बंगाल प्रेसीडेंसी, ब्रिटिश इंडिया) में अशोक कुमार का जन्म हुआ। उनका असल नाम कुमुदलाल गांगुली था। गायक किशोर कुमार, अशोक कुमार के छोटे भाई थे। अशोक के पिता एक वकील थे। एक सामान्य परिवार में जन्मे अशोक का मायनागरी में आना कैसे हुआ? कैसे उन्हें स्टारडम मिला।

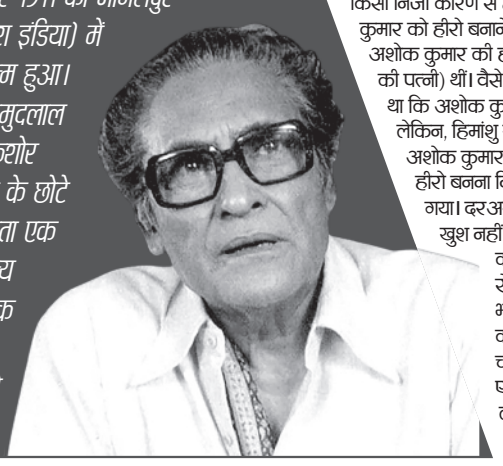

सामने से मिला हीरो बनने का ऑफर

बॉम्बे टॉकीज में लैबोरेटरी असिस्टेंट का काम करते हुए अचानक एक दिन अशोक कुमार को फिल्म में अभिनय करने का मौका मिला। बॉम्बे टॉकीज के मालिक हिमांशु राय ने फिल्म 'जीवन नैया'से एक्टर नज़म-उल-हसन को किसी निजी कारण से हटा दिया। उनकी जगह अशोक कुमार को हीरो बनाने का फैसला लिया। इस फिल्म में अशोक कुमार की हीरोइन देविका रानी (हिमांशु राय की पत्नी) थीं। वैसे फिल्म के डायरेक्टर का मानना था कि अशोक कुमार का चेहरा हीरो वाला नहीं है। लेकिन, हिमांशु राय नहीं माने और इस तरह अशोक कुमार फिल्मों में हीरो बन गए। लेकिन, हीरो बनना निजी जीवन में उन्हें भारी पड़ गया। दरअसल, परिवार वाले इस बात से खुश नहीं थे, वह फिल्मों में अभिनय करने को सही नहीं मानते थे। इसी वजह से अशोक कुमार की तय हुई शादी भी टूट गई, लड़की वालों ने शादी करने से इंकार कर दिया। पिता भी चाहते थे कि अशोक कुमार एक्टिंग छोड़कर नौकरी करें, लेकिन बॉम्बे टॉकीज के मालिक हिमांशु राय ने उन्हें मना लिया।

पिता चाहते थे वकील बने

पिता वकील थे तो अशोक कुमार को भी वकील ही बनाना चाहते थे। अशोक भी पिता के बताए हुए रास्ते पर चल पड़े थे। लेकिन वकालत करने के पहले ही साल में वह फेल हो गए। इस बात से अशोक डर गए। उन्हें लगा कि पिता ना जाने इस बात पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे। ऐसे में वह अपनी बड़ी बहन सती देवी के मुंबई वाले घर रहने चले आए। अशोक कुमार के जीजा उन दिनों बॉम्बे टॉकीज में काम करते हैं। अशोक ने उनसे नौकरी लगवाने की गुजारिश, जीजा ने भी उन्हें बॉम्बे टॉकीज में लैबोरेटरी असिस्टेंट का काम दिलवा दिया। इस काम के अशोक कुमार को 75 रुपए मिलते थे, वह भी अपने काम से काफी खुश थे।

ये बातें भी जानें

जन्मदिन मनाना बंद कर दिया : *अशोक कुमार को अपनी जिंदगी में गहरा सदमा तक लगा, जब उनके जन्मदिन वाले दिन छोटे भाई किशोर कुमार का निधन हो गया। इसके बाद उन्होंने कभी अपना जन्मदिन नहीं मनाया।*

न्यूड पेंटिंग बनाते थे : *अभिनय के अलावा अशोक कुमार अच्छी पेंटिंग्स भी बनाते थे। खासकर वह न्यूड पेंटिंग बनाते थे। उन्होंने लगभग 300 से अधिक पेंटिंग बनाई थीं। इसमें कुछ पेंटिंग उनकी पत्नी की भी थीं।*

अभिनेता ही नहीं सिंगर भी थे : *अशोक कुमार ने अपने अभिनय से जहां दर्शकों का दिल जीता, वहीं अपनी सिंगिंग से भी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। अशोक कुमार ने हिंदी फिल्मों में कई हिट गाने गाए थे।*

बने एंटी-हीरो, फिल्म ने की छप्परफाड़ कमाई

कॅरियर की शुरुआत में अशोक कुमार ने पॉजिटिव, हीरो वाले रोल किए। वह स्टारडम की बुलंदियों को छूने लगे। फिर साल 1943 में उन्होंने फिल्म किस्मत में एंटी-हीरो का रोल किया। एक हीरो के लिए यह कदम उठाना बड़ी बात थी। फिल्म रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर 1 करोड़ रुपए कमाने वाले पहली हिंदी फिल्म बनी।

दर्शकों के बीच था गजब का क्रेज

अशोक कुमार की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमा रही थीं। दर्शकों के बीच भी उनका गजब का क्रेज बन चुका था। उनका स्टारडम ऐसा था कि जब अशोक कुमार कहीं जाते थे तो हजारों की संख्या में फैंस जमा हो जाते थे। भीड़ इतनी हो जाती थी कि पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ता था। आज शायद ऐसा स्टारडम किसी एक्टर के पास हो।

ALLEN

हर प्रतिभा को पहचान, सफलता की नई उड़ान

आज ही शुरू करें JEE, NEET & Foundation में अपनी सफलता की तैयारी

ADMISSIONS OPEN

NEET | JEE | Olympiads | Class 8th to 12th & 12th pass

CLASS 11th
Nurture Course
JEE (Main+Adv.) : 5 Dec. '25 & 23 March '26
NEET (UG) : 5 Dec. '25 & 23 March '26

CLASS 12th
Enthusiast Course
JEE (Main)+Board : 8 Jan. '26
NEET (UG) : 8 Jan. & 3 April '26
JEE (Main+Adv.) : 3 April '26

CLASS 8th to 10th
Pre-Nurture & Career Foundation
8th to 10th: 26 March & 23 April '26

New Course Launch for class 12th students : JEE (MAIN)+BOARD

CBSE Board Test Series & Guidance Session
For Class 10th
Starting from 22 Dec. '25
for more details visit
workshop.allen.ac.in

National Mathematics Talent Contest (NMTC) Workshop
For Class 7th to 10th
Starting from 22 Dec. '25
for more details contact
70082 04339

Don't Miss Your Special Fee Benefit!
VALID TILL 20 DEC. 2025
TALLENTEX or ASAT winner receive a dual advantage: Scholarship + SFB

ASAT SCHOLARSHIP TEST
TEST DATE 14 & 21 DEC.
GET UP TO 90% SCHOLARSHIPS*
SCAN TO REGISTER

*Subject to the scholarship rules and the T&Cs.

ALLEN RAIPUR +91 8951395440 www.allen.ac.in/raipur

Regd. & Corporate Office ALLEN KOTA
0744-3556677 allen.ac.in

Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment for the students to prepare for their target examinations. Studying at a coaching institute does not guarantee selection in the examinations. Selection also depends on other factors like preparation, available admission seats in the competitive exam, and the number of applicants appearing. The students mentioned here were enrolled on full-time paid courses.

चिंतन

दीपावली को मिला ग्लोबल सम्मान

भारत के प्रमुख त्योहार दीपावली को यूनेस्को द्वारा अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया जाना देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस फैसले से दीपावली को ग्लोबल सम्मान मिला है। यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने से दीपावली को विश्वभर में संरक्षण मिलेगा। इससे भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को और मजबूती मिलेगी, साथ ही यह युवा पीढ़ी के बीच पारंपरिक उत्सवों की महत्ता समझने में भी मदद करेगा। इस दिन घर-घर दीप जलाकर, रंगोली सजाकर और खुशियां मनाकर यह उत्सव पूरे देश में बड़े हर्ष उल्लास से मनाया जाता है। यह पहली बार है जब भारत इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज (आईसीएच) के संरक्षण के लिए इंटर गवर्नमेंटल कमेटी के सत्र की मेजबानी कर रहा है। इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में 8 से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित लिस्ट में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे हवा में गूंज उठे। अब भारत की 16 चीजें यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हो गई हैं। इनमें वेद पठन, कुटियट्टम, रामलीला, राम्मन, मुदियेडु, कालबेलिया लोक गीत और नृत्य, छाऊ नृत्य, लद्दाख में बौद्ध पाठ, मणिपुर का संकीर्तन, जंडियाला गुरु के ठठेरा बर्तन निर्माण, योग, नवरोज, कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा और अब दीपावली शामिल हैं। दीपावली भारत के उन चिरस्थायी त्योहारों में से एक है जो अब दुनिया के कई अन्य हिस्सों में भी मनाया जाता है। यूनेस्को ने संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन की इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज यानी अमूर्त विश्व धरोहर की सूची में दीपावली के अलावा घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल किए हैं। यूनेस्को के इस ऐलान के बाद भारत सरकार ने कहा कि दीपावली को इस सूची में शामिल करके यूनेस्को ने नवीकरण, शांति और अच्छाई की जीत के लिए शाश्वत मानवीय अभिलाषा का सम्मान किया है। दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह फैसला न सिर्फ भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मान्यता देता है, बल्कि हमारी परंपराओं को संरक्षित करने की जिम्मेदारी भी बढ़ाता है। इसी मौके को देखते हुए केंद्र सरकार ने 10 दिसंबर को विशेष दीपावली समारोह रखने का फैसला किया है, ताकि दुनिया के सामने भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत तरह से पेश किया जा सके। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही एक जीवंत परंपरा है। यह अंधकार पर प्रकाश, अज्ञानता पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। हिंदू, जैन, सिख और बौद्ध समुदायों के लिए इसका अलग-अलग धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। दीपक, पटाखे, मिठाइयां और घर की सफाई जैसी प्रथाएं इस त्योहार को एक सामाजिक समारोह बनाती हैं, जो परिवारों और समुदायों को जोड़ती हैं। इसके यूनेस्को की सूची में शामिल होने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि संस्कृति का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा। यह हमारे युवाओं को अपनी जड़ों से जुड़ने और परंपराओं को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगा। यह हमारे लिए एक गर्व का क्षण है, लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ाता है। हमें इस त्योहार की मूल भावना प्रकाश, ज्ञान और एकता को बनाए रखना होगा।

राष्ट्रीय गीत

प्रमोद भार्गव

वंदे मातरम् से जन्मा तुष्टिकरण विभाजन

मुस्लिम तुष्टिकरण की बुनियाद पर भारत को जितनी हानि उठानी पड़ी है, दुनिया के अन्य किसी देश ने नहीं उठाई। इसकी शुरुआत अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन से की। इसी कड़ी में वंदे मातरम् गीत के टुकड़े किए गए और फिर देश का भी बंटवारा जिन्ना की अलग मुस्लिम राष्ट्र बनाने की जिद के चलते हो गया। जबकि संपूर्ण वंदे मातरम् गीत भारत की शाश्वत संकल्पना है। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में हुई चर्चा के दौरान गीत के विभाजन के लिए पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सीधे जिम्मेवार ठहराया। कहा, 'नेहरू ने जिन्ना की सांप्रदायिक चिंताएं दोहराकर वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात किया, गीत के टुकड़े करवाए।

इससे देश तुष्टिकरण की राजनीति की राह पर चल पड़ा, जो विभाजन पर जाकर थमा।' इसी तुष्टि के चलते 1875 में रचित इस गीत के केवल दो पद राष्ट्रीय गीत के रूप अपनाए गए। मोदी के इस कथन ने इतिहास के इस काले पन्ने पर जमा धूल को हटाने का काम नए सिरे से कर दिया है। जबकि आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम् की भावना ने पूरे राष्ट्र का जागरण किया था, लेकिन दुर्भाग्य से 1937 में इस गीत के महत्वपूर्ण पदों को उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। जिस भाव से वंदे मातरम् के टुकड़े किए गए थे, कालांतर में उसी भाव ने विभाजन के बीज बो दिए थे। जबकि यह ठोस और निर्विवाद सच्चाई है कि देश को आजादी दिलाने में इस गीत की अहम् भूमिका रही है। बंकिमचंद्र चटर्जी के बांग्ला भाषा में लिखे गए उपन्यास 'आनंद मठ' में यह गीत दर्ज है। राष्ट्रगान के रूप में स्वीकारा गया यह गीत कोई मामूली गीत नहीं है।

भारत को उसकी व्यापक राष्ट्रीयता की पहचान और स्वाभिमान इसी गीत से प्राप्त हुए। नागरिक सभ्यता की विरासत, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानव सेवा के मूल्यों के उत्स इसी गीत के समवेत स्वर की उपज हैं। अंग्रेजों के विरुद्ध भिन्न जातीय और धर्म-समुदायों को संगठित करने के अभियान में इसी गीत की भूमिका बुलंद थी। तय है, वंदे मातरम् क्रांति के स्वरों में नींव का पत्थर था। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की रक्त धमनियों में विद्रोह की उग्र भावना इसी गीत की देन है। 1942 में महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन को देशव्यापी धरातल इसी गीत के बूते मिला था। वह यही आंदोलन था, जिसमें गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था। यह नारा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करने वाला भी माना जाता है। सुभाषचंद्र बोस की आजाद हिन्द फौज के फौजियों ने भी इसी गीत को गाते हुए मातृभूमि की बलिवेदी पर प्राण न्यौछावर किए थे। हालांकि महात्मा गांधी 1905 में ही लिख चुके थे कि वंदे मातरम् इतना लोकप्रिय हो गया है कि वह राष्ट्रगान जैसा बन गया है। 14 अगस्त 1947 की मध्य-रात्रि में जब देश आजाद हो रहा था, तब इस मंत्र-गीत का गायन सुचेता कृपलानी ने किया और वहां उपस्थित लोग इस गीत के सम्मान में गीत खत्म न हो जाने तक खड़े रहे थे। 15 अगस्त 1947 को जब स्वतंत्रता का सूर्योदय हो रहा था, तब आकाशवाणी पर पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने इसे बड़े ही रोचक ढंग से गाया। आखिरकार 24 अगस्त 1948 को जन-गण-मन के साथ इस गीत को भी राष्ट्र गीत की प्रतिष्ठा मिली। लेखक और दार्शनिक युगदृष्टा होते

हैं, इसलिए बंकिम बाबू ने इस गीत को लिखे जाने के वक्त ही अपनी दिव्य-दृष्टि से अनुभव कर लिया था कि यह गीत राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा बनकर लोकप्रियता के शिखर चूमेगा, इसीलिए उन्होंने इसे बांग्ला भाषा में न लिखते हुए संस्कृत में लिखा। मूल और संपूर्ण गीत की केवल नौ पंक्तियां बंगाली में हैं। इस गीत का जो संपादित अंश राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया गया है, वह केवल दो पद और आठ पंक्तियों में है। वंदे मातरम् को इस्लाम विरोधी जताया जाता रहा है। जब कांग्रेस ने इसे प्रार्थना गीत के रूप में स्वीकार किया था, तब भी इसकी खिलाफत शुरू हो गई थी। 15 अक्टूबर 1937 को लखनऊ में मोहम्मद अली जिन्ना ने वंदे मातरम् का विरोध किया। वस्तुतः नेहरू ने इस विरोध के पांच दिन बाद ही सुभाष बोस को लिखे एक पत्र में कहा कि 'आनद मठ में उल्लेखित वंदे मातरम् की पृष्ठभूमि मुसलमानों को उकसा सकती है।' इसी के बाद कांग्रेस कार्यकारिणी ने आचार्य नरेन्द्र देव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। इसमें मौलाना आजाद, पंडित नेहरू और सुभाष चन्द्र बोस जैसे प्रखर संस्कृति मर्मज्ञ सदस्य थे। समिति को जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वे रवीन्द्रनाथ ठाकुर से विचार-विमर्श कर वंदे मातरम् के संबंध में दो टूक सलाह दें। समिति ने जो प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, उसके उपरांत कांग्रेस कार्यकारिणी ने फैसला लिया कि हरेक राष्ट्रीय सार्वजनिक सभा में वंदे मातरम् के केवल दो पद गाये जाएं। यानी कांग्रेस मुस्लिम लीग के समक्ष झुकी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राह पकड़ ली। तुष्टि का यही रास्ता देश को विभाजन के द्वार तक ले गया। बावजूद देश-विभाजन के लिए जिम्मेदार मुस्लिम लीग के नेता वंदे मातरम् को बुतपरस्ती, अर्थात मूर्ति पूजा मानते हुए इसका विरोध लगातार करते रहे। इस बहाने लीगियों ने अल्पसंख्यकों को खूब उकसाया। नतीजतन 1938 तक कांग्रेस के जो प्रमुख मुस्लिम नेता इस गीत की राष्ट्रीय गरिमा का ख्याल रखते चले आ रहे थे, वे भी दबी जुबान से इसका विरोध करने लगे। बाद में साझा सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के नजरिये से उर्दू के उदारवादी कवियों व राजनीतिकों ने वंदे मातरम् का अनुवाद 'ऐ मादर, तुझे सलाम करता हूं' किया, अर्थात हे माता, तुझे प्रणाम करता हूं करके किया,लेकिन कट्टरपंथियों के भाव उतरा नहीं। जबकि मुल्क को गुलामी से आजाद कराने की इस इबादत में गलत कुछ भी नहीं था। अरबी-फारसी के अनेक कवियों ने भी देश को 'मां' कहकर संबोधित किया है।

लिहाजा राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाओं व उद्गारों को प्रचलित रूपकों अथवा प्रतीकों में प्रकट करना मूर्ति पूजा या बुतपरस्ती कतई नहीं थी। वंदे मातरम् एक मौलिक रचना है, इसकी व्याख्या धर्म नहीं, केवल साहित्य के संदर्भ में होनी चाहिए थी। इसे यदि कोई सांसद या विधायक इस्लाम विरोधी जताता है, तो उसका मकसद धर्म के बहाने राजनीतिक रोटियां सेंकना भर था, जो अलगाववादी राजनीति की संकीर्ण मानसिकता का प्रतीक है। जिन्ना और अन्य लीगी इसी विभाजनकारी मानसिकता से काम करते रहे और देश दो टुकड़ों में बंट गया। स्वतंत्र भारत में निर्वाचित कुछ मुस्लिम सांसद और विधायक संविधान की शपथ लेने के बाद भी सदन में इस गीत का अनादर करते रहते हैं। ऐसे ही चंद सिरफिरे मुस्लिमों ने आजाद हिंद फौज के नारे, 'जय हिंद' का भी विरोध किया था। दैनिक अखबार 'डान' ने वंदे मातरम् की आलोचना की थी, तब गांधी को कहना पड़ा था, 'वंदे मातरम् कोई धार्मिक नारा नहीं है, यह विशुद्ध राजनीतिक नारा है।' यही नारा था, जिसने सोये हुए भारत को जगाने का काम करके, आजादी हासिल कराई थी। अतएव संसद में इस गीत के इतिहास में झांकने की बहस को एक सबक के रूप में लेना चाहिए,जिससे भविष्य में देश की संप्रभुता एवं अखंडता से खिलवाड़ की गुंजाइश ही नहीं रह जाए?

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

> मुस्लिम तुष्टिकरण की बुनियाद पर भारत को जितनी हानि उठानी पड़ी है, दुनिया के अन्य किसी देश ने नहीं उठाई। इसकी शुरुआत अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन से की। इसी कड़ी में वंदे मातरम् गीत के टुकड़े किए गए और फिर देश का भी बंटवारा जिन्ना की अलग मुस्लिम राष्ट्र बनाने की जिद के चलते हो गया, जबकि संपूर्ण वंदे मातरम् गीत भारत की शाश्वत संकल्पना है। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में हुई चर्चा के दौरान गीत के विभाजन के लिए पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सीधे जिम्मेवार ठहराया। अतएव संसद में इस गीत के इतिहास में झांकने की बहस को एक सबक के रूप में लेना चाहिए।

दिवस विशेष

डॉ. लोकेन्द्र सिंह

भाषा जोड़ती है, तोड़ती नहीं

जब कहीं से यह समाचार पढ़ने/सुनने को मिलता है कि मराठी, तमिल या अन्य कोई भाषा नहीं बोलने के कारण व्यक्ति के साथ मारपीट कर दी गई, तो दुःख होता है कि संकीर्ण राजनीति हमें किस दिशा में ले जा रही है। हम अपनी ही भाषाओं का सम्मान क्यों नहीं कर रहे हैं? जो भाषाएं आपस में जुड़ी हैं, उनके नाम पर हम एक-दूसरे से दूर क्यों हो रहे हैं? भारत की सभी भाषाओं के शब्द भंडार एक-दूसरे के शब्दों से समृद्ध हैं। हमें तो भाषायी विविधता का उत्सव मनाना चाहिए। भारत की संस्कृति की विशेषता है कि वह विविध रूपों में प्रकट होती है। हम सब मिलकर 11 दिसंबर को महान तमिल कवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती प्रसंग पर 'भारतीय भाषा दिवस' मनाते हैं। यह प्रसंग ही हमें भाषाओं के प्रति संवेदनशील होने की ओर संकेत करता है और बताता है कि भाषाएं मानवीय संबंधों में सेतु का कार्य करती हैं। एक-दूसरे से जोड़ती हैं। सुब्रह्मण्यम भारती ने तमिल को शास्त्रीय स्वरूप से बाहर निकालकर सरल और आम बोलचाल की तमिल का प्रयोग किया ताकि उनके विचार और तमिल साहित्य का ज्ञान आम लोगों तक पहुंच सके। तमिल को प्राथमिकता देने के बावजूद भारती ने हिन्दी और तेलुगु सहित अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति भी सम्मान दिखाया। वह चाहते थे कि सभी भारतीय भाषाओं के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान हो, जिससे भारत एक सशक्त राष्ट्र बन सके। उनका स्पष्ट दृष्टिकोण था कि भारत की विभिन्न भाषाएं उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी शक्ति और सुंदरता हैं। भाषा मनुष्यों के बीच विचारों, भावनाओं और सूचनाओं के सुचारु आदान-प्रदान को संभव बनाती है। यदि भाषा न हो, तो यह सब संभव नहीं हो सकता। भाषा को लेकर अगर हम किसी संकीर्ण विचार से ग्रसित नहीं है, तब यह हमें एक अलग दुनिया की सैर कराती है, जहां एक-दूसरे के प्रति सम्मान है, अपनत्व है, एक-दूसरे से जुड़ने की ललक है। आपने कभी सोचा है कि कितना अपनापन लगता है जब कोई हमारी मातृभाषा में बात करता है या फिर हम सामने वाले की मातृभाषा में बात करने की कोशिश करते हैं। सच, मानिए यह पहल हृदयों को मिलाने का काम करती है। भारतीय राजनीति में इसका उदाहरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में हमारे सामने है। संपूर्ण देश में उनकी लोकप्रियता का कारण है कि वे जिस स्थान पर और जिन लोगों के बीच भाषण दे रहे होते हैं, उनके साथ संवाद स्थापित करने के लिए अभिवादन उनकी ही भाषा में करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के अलग-अलग देशों के राष्ट्राध्यक्षों को सोशल मीडिया पर बधाई-शुभकामना एवं अन्य विषयों से जुड़े महत्वपूर्ण पोस्ट भी उनकी ही भाषा में करते हैं। यानी देश-दुनिया को जोड़ने के लिए भाषा को बेहतरीन उपयोग हम प्रधानमंत्री मोदी से सीख सकते हैं। अनुवाद और बहुभाषावाद के माध्यम से भाषाएं सांस्कृतिक दूरियों को कम करती हैं। एक भाषा सीखना दूसरे समुदाय के विचारों और जीवनशैली को समझने का द्वार खोलता है, जिससे हमारे पूर्वाग्रह भी कम होते हैं। इसलिए व्यक्ति को अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा सीखने का प्रयास भी करना चाहिए। 'भाषा जोड़ती है, तोड़ती नहीं', यह आदर्श विचार इस दृष्टिकोण पर आधारित है कि भाषा लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने, भावनाएं साझा करने और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में सहायता करती है। भाषा के नाम पर भारतीय समाज को तोड़ने की साजिश का हिस्सा बन रहे लोगों को यह बात भली प्रकार से समझनी चाहिए। उन्हें अपनी ऊर्जा भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने में लगाना चाहिए। विशेषकर, संकीर्ण राजनीति के प्रभाव में आकर हिन्दी का विरोध करने वाले बंधुओं को यह देखना चाहिए कि हिन्दी का विकास एवं विस्तार अहिन्दी भाषी महानुभावों ने अधिक किया है, जिनमें प्रमुख हैं- स्वामी दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, माधवराव सप्रे, विनोबा भावे, गोपालस्वामी अय्यंगर, डॉ. चलसानि सुब्बाराव, काका कालेलकर, आर. वेंकटरमण, ज्योतिराव फुले इत्यादि। हिन्दी की पहली कहानी 'एक टोकरी भर मिट्टी' के रचनाकार प्रख्यात पत्रकार माधवराव सप्रे संदेश देते हैं कि "मैं मराठी हूँ लेकिन हिन्दी के विषय में मुझे उतना ही अभिमान है, जितना किसी हिन्दी भाषी को हो सकता है"। वहीं, स्वामी दयानंद सरस्वती मानते थे कि "हिन्दी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है"। इस प्रकार के राष्ट्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो भाषा के वास्तविक उद्देश्यों को स्थापित करता है। स्मरण रखें कि जब भाषा को सम्मान, समावेश और समझ के साथ प्रयोग किया जाता है, तो यह निश्चित रूप से 'जोड़ती' है। हमारे पुरखों ने ऐसा करके दिखाया है। संपूर्ण भारत में इसके अनुकरणीय उदाहरण हमें मिलते हैं। इसलिए हमें अपनी भाषाई विविधता का उत्सव मनाना चाहिए और हर भाषा को सम्मान देना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक भाषा एक अनमोल सांस्कृतिक खजाना है। हम एक-दूसरे की भाषा को सीखें, समझें और भावनाओं से लेकर शाब्दिक आदान-प्रदान करें।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी विवि में सहायक प्राध्यापक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन को स्थिर रखना ही है जीवन का सूत्र

संकलित

दर्शन

काम, क्रोध, लोभ और मोह की स्वाभाविक वृत्तियों से घिरा हुआ मनुष्य जब अपनी असत दृष्टि से इनमें आनंद का अनुभव करने लगता है, तो उसे यह संसार खुशनुमा लगने लगता है। काम अर्थात इच्छा। जब भी किसी व्यक्ति के मन में उठी इच्छा की पूर्ति होती है, तो वह परम आनंद को प्राप्त होता है, पर वह यह भूल जाता है कि उसकी यह इच्छापूर्ति उसी तरह से उसके मन में एक और इच्छा जागृत करके उसके चित्त को अव्यवस्थित कर देगी, जिस तरह से जलती हुई अग्नि पूरी मात्रा में घी पाने पर भी बुझती नहीं है, अपितु और वेग से जलने लगती है। इसी भांति से यदि अन्य किसी व्यक्ति के साथ विचार भिन्नता होती है तो वे दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की हानि करने के लिए तत्पर हो जाते हैं और अपने चित्त की सहज शांति खो बैठते हैं। इस स्थिति में जिसकी हानि होती है वह तो दुखी होता ही है, जो लाभ में रहता है वह भी हारे हुए पक्ष की ओर से आने वाली संभावित प्रतिक्रिया से हर दम चिंता में डूबा रहता है। और इस तरह से क्रोध भी व्यक्तियों को पीड़ित करने का कारण ही बनता है। वहीं लोभ और मोह की असीमित शक्ति का तो यह हाल है कि हम अपना पूरा का पूरा जीवन इसमें लगा देते हैं कि हमारे पास इतनी अथाह संपत्ति हो, जिसकी बराबरी धरती का कोई भी दूसरा व्यक्ति कभी न कर सके और हमारी अपनी संतान भी ऐसी हो, जिसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता का कोई मुकाबला न हो सके। रावण से लेकर कंस आदि के उदाहरण हमारे सामने हैं, जो अपने जीवन में अपनी ऐसी ही मानसिक विकृतियों से कभी भी पार नहीं पा सके।

भगवान को धन की कोई आवश्यकता नहीं

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ के पास एक व्यक्ति काम करता था। सेठ उस व्यक्ति पर बहुत विश्वास करता था। वो व्यक्ति भगवान का बहुत बड़ा भक्त था। वह सदा भगवान के चिंतन भजन कीर्तन स्मरण सत्संग आदि का लाभ लेता रहता था। एक दिन उस ने सेठ से श्री जगन्नाथ धाम यात्रा करने के लिए कुछ दिन की छुट्टी मांगी सेठ ने उसे छुट्टी देते हुए कहा- भाई! मैं तो हूं संसारी आदमी हमेशा व्यापार के काम में व्यस्त रहता हूं, तुम जा ही रहे हो तो यह लो 100 रुपए मेरी ओर से श्री जगन्नाथ प्रभु के चरणों में समर्पित कर देना। भक्त सेठ से सौ रुपए लेकर श्री जगन्नाथ धाम यात्रा पर निकल गया। वह श्री जगन्नाथ पुरी पहुंचा। मंदिर की ओर प्रस्थान करते समय उसने रास्ते में देखा कि बहुत सारे संत, भक्त जन, वैष्णव जन, हरि नाम संकीर्तन बड़ी मस्ती में कर रहे हैं। भक्त भी वहीं रुक कर हरिनाम संकीर्तन का आनंद लेने लगा। उसने सोचा क्यों ना सेठ के सौ रुपए से इन भक्तों को भोजन करा दूँ। सबको भोजन कराने में उसे कुल 98 रुपए खर्च करने पड़े। उसके पास दो रुपए बच गए उसने सोचा चलो अच्छा हुआ दो रुपए जगन्नाथ जी के चरणों में सेठ के नाम से चढ़ा दूंगा। भक्त ने श्री जगन्नाथ जी के दर्शन किए और अंत में उसने सेठ के दो रुपए श्री जगन्नाथ जी के चरणो में चढ़ा दिए। भगवान को आपके धन की कोई आवश्यकता नहीं है। भगवान को वह 98 रुपए स्वीकार है जो जीव मात्र की सेवा में खर्च किए गए और उस दो रुपए का कोई महत्व नहीं जो उनके चरणों में नगद चढ़ाए गए।

अंतर्मन

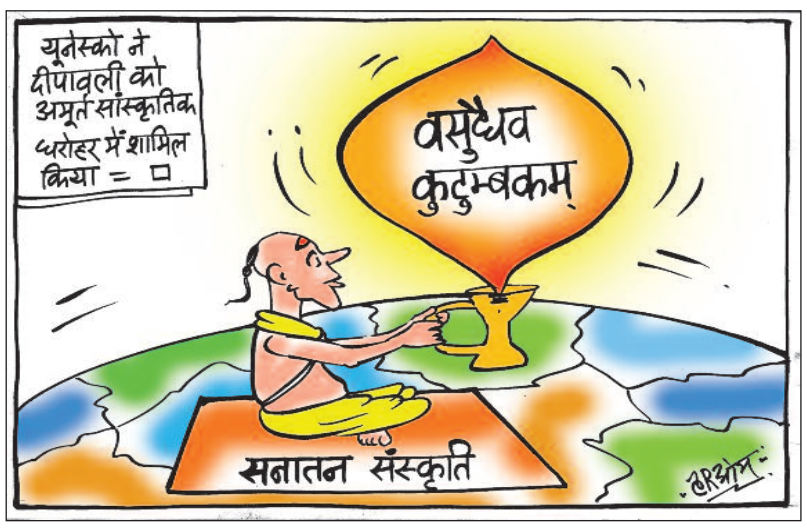

आज की पाती

मानवाधिकार दिवस का औचित्य

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 को पेरिस में एक घोषणा पत्र जारी किया था। इसमें मानवाधिकारों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पहल की गई थी। इसमें यह चीजें थी कि दुनियाभर में किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव न करते हुए सभी लोगों को बराबर अधिकार उपलब्ध करवाए जाएं। आज दुनिया में बहुत से देश ऐसे भी हैं जहां के नागरिक स्वतंत्रता, समानता और न्याय के अधिकारों से वंचित होंगे। इसका मुख्य कारण यह है कि वहां लोकतंत्र मजबूत नहीं है। खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और मजदूरों को इससे वंचित रखा जाता है। मानवाधिकार आयोग को दुनिया में होने वाले युद्धों के लिए भी कोई ऐसे कदम उठाने चाहिए कि किसी भी देश में कोई युद्ध न छेड़े। तभी इस दिवस का औचित्य है। - *सतीश उपाध्याय, अंबिकापुर*

ट्रेंड

सभ्यता की आत्मा

हमारे लिए, दीपावली हमारी संस्कृति और लोकाचार से बहुत गहराई से जुड़ी हुई है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में दीपावली के शामिल होने से इस त्यौहार की वैश्विक लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गौरव का क्षण

दीपावली का यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का क्षण है। यह हमारी सनातन संस्कृति, प्रकाश, सत्य और धर्म के शाश्वत मूल्यों की वैश्विक स्वीकार्यता है। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विश्व मंच पर उत्सव है।

-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री

वोट चोरी बड़ा देशद्रोह

वोट चोरी सबसे बड़ा देशद्रोह है। भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा बल्कि सबसे महान लोकतंत्र है। भाजपा और चुनाव आयोग हमारे लोकतंत्र को नष्ट करने और लोगों की आवाज़ छीनने के लिए मिलीभगत कर रहे हैं।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

इंडिगो घटनाक्रम शर्मनाक

इंडिगो एयरलाइंस का पूरा घटनाक्रम बेहद शर्मनाक रहा। पूरी दुनिया भारत की तरफ़ देख रही थी कि हम अपनी एयरलाइंस तक संभाल नहीं पा रहे। एक निजी कंपनी ने भारत सरकार को घुटनों पर ला दिया।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम,नई दिल्ली

करंट अफेयर

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी ने जेल के अनुभव किए साझा

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी ने अपनी एक किताब में उस जेल का वर्णन किया है, जहां उन्होंने 20 दिन बिताए थे। सरकोजी ने जेल को शोरगुल वाली जगह, कठोर और अमानवीय हिंसा से भरी दुनिया बताया है। सरकोजी की इस पुस्तक का बुधवार को विमोचन किया गया जिसमें इस बारे में राजनीतिक सलाह भी दी गई है कि उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को धुर दक्षिणपंथी मतदाताओं को कैसे आकर्षित करना चाहिए।

'डायरी ऑफ ए प्रिजनर' नामक इस पुस्तक में 70 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति ने कहा है कि अपराध के प्रति उनके अपने सख्त रुख ने एक नया रूप ले लिया है। सरकोजी को 2007 के अपने विजयी चुनावी अभियान को लीबिया से प्राप्त धन से वित्तपोषित करने के मामले में आपराधिक साजिश का दोषी पाया गया था। अदालत ने सितंबर में सरकोजी को पांच साल की जेल की सजा सुनाई, जिसके खिलाफ उन्होंने अपील की। करीब 20 दिन जेल में बिताने के बाद उन्हें न्यायिक निगरानी में रिहा कर दिया गया। यह पुस्तक पेरिस की ला सैंटे जेल के अंदर की दुर्लभ झलक पेश करती है, जहां सरकोजी को एकांत कारावास में रखा गया था और सुरक्षा कारणों से उन्हें अन्य कैदियों से सख्ती से अलग रखा गया था।

ऑफ बीट

बीएमआई नहीं बता सकता कि हम स्वस्थ हैं या नहीं

हम जानते हैं कि 'बॉडी मास इंडेक्स' (बीएमआई) किसी के वजन और उससे जुड़े स्वास्थ्य के आकलन के लिए उपयुक्त प्रक्रिया नहीं है, लेकिन यह चिकित्सकों, जनसंख्या शोधकर्ताओं और निजी प्रशिक्षकों के लिए यह उपयोगी उपकरण बना हुआ है। बीएमआई लोगों को चार वजन श्रेणियों में वर्गीकृत करने की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त जांच विधि है : कम वजन (बीएमआई 18.5 से कम), सामान्य वजन (18.5 से 24.9), अधिक वजन (25.0 से 29.9) या मोटापा (30 या अधिक)। किसी के वजन को उसकी लंबाई के वर्ग से विभाजित करके इसका पता लगाया जाता है। बेल्जियम के गणितज्ञ लैम्बर्ट एडोल्फ जैकस क्यूटलेट (1796-1874) ने औसत पश्चिमी यूरोपीय व्यक्ति की शारीरिक विशेषताओं का पता लगाने के लिए 1832 में एक गणितीय मॉडल 'बीएमआई' को इजाद किया था। इसे शुरू में क्यूटलेट इंडेक्स कहा गया और इसे कभी भी चिकित्सकीय आकलन का उपकरण नहीं माना गया। 1972 में क्यूटलेट इंडेक्स को 'बॉडी मास इंडेक्स' कहा गया। गणितीय सूत्र का उपयोग करके किसी के स्वास्थ्य का पूरा आकलन करना संभव नहीं है। बीएमआई शरीर की अतिरिक्त चर्बी को नहीं मापता, यह केवल 'अतिरिक्त' वजन को मापता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

कार्यालय नगर पंचायत बोड़ला, जिला कबीरधाम (छ.ग.)

cmobodla@rediffmail.com Pho. 07740253505

क्रमांक / 1376/ लो.नि.वि./न.प./2025-26 बोड़ला, दिनांक 09/12/2025

मैन्युअल (आफलाईन) पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में ठेकेदारों / फर्म से CG PWD/PHE Buliding 2015, Road S.O.R. 2025 कम, अधिक या समान दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक के माध्यम से मैन्युअल (आफलाईन) निविदा त्रि - लिफाफा पद्धति से निविदा पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड किया जावेगा

प्रथम निविदा आमंत्रण

1. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि एवं समय - दिनांक 19.12.2025 समय शाम 5:00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र प्रदाय करने की तिथि एवं समय - दिनांक 23.12.2025 समय शाम 5:00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय - दिनांक 31.12.2025 समय दोपहर 3:00 बजे तक
4. निविदा खोले जाने की तिथि एवं समय - दिनांक 31.12.2025 समय शाम 4:30 बजे

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं आवेदन शुल्क	निविदा प्रपत्र
1	वार्ड क्र - 10 में सामुदायिक भवन के पास प्रवेशद्वार निर्माण कार्य।	6.00	5000.00	750+100/-	"A"
2	नगर पंचायत क्षेत्रांतर्गत शेड निर्माण कार्य।	4.62	5000.00	750+100/-	"A"
3	नगर पंचायत क्षेत्रांतर्गत पेवर ब्लॉक (फुटपाथ) निर्माण कार्य।	8.90	7000.00	750+100/-	"A"
4	वार्ड क्र -10 में विवेकानंद तालाब के पास हॉल निर्माण कार्य।	6.40	5000.00	750+100/-	"A"
5	हाई मास्ट लाईट।	9.27	7000.00	750+100/-	"A and B"

टीपः- उपरोक्त कार्यो की निविदा की विस्तृत विवरण, सामान्य शर्ते धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधी में कार्यालय के संबंधित विभाग से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही जानकारी विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बोड़ला

भारतीय वैज्ञानिकों ने बनाया खास क्रिस्पआर प्रोटीन, सुरक्षित जीन थेरेपी में बहुत मददगार

एजेंसी ▶▶ कोलकत्ता

कोलकाता के बोस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने एक नया क्रिस्पआर प्रोटीन बनाया है, जिसका नाम ग्लोकास9 है। यह प्रोटीन जीन एडिटिंग करते समय चमकता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि यह नई खोज वंशानुगत (जेनेटिक) रोगों और कैंसर के इलाज को बेहतर बनाने में मदद करेगी। क्रिस्पआर-कास9 तकनीक डीएनए को सटीकता से काटती और ठीक करती है, लेकिन

वैज्ञानिक अब तक कास9 एंजाइम (जो कि एक आणविक सर्जन की तरह काम करता है) को जीवित कोशिकाओं के अंदर काम करते हुए वास्तविक समय में नहीं देख पा रहे थे। पुराने तरीकों में कोशिकाओं को खोलना या नष्ट करना पड़ता था, जिससे प्रक्रिया को होते हुए देखना असंभव था।

कोशिकाओं को नुकसान किए बगैर होगा काम

शोधकर्ताओं ने बताया कि ये निष्क्रिय एंजाइम के टुकड़े तब फिर से जुड़ जाते हैं जब कास9 सही ढंग से फोल्ड होता है, जिससे प्रकाश उत्पन्न होता है। यह प्रक्रिया जुगनू की हल्की रोशनी की तरह दिखती है। यह चमकने वाली गतिविधि वैज्ञानिकों को जीवित कोशिकाओं, ऊतकों और यहां तक कि पौधों की पत्तियों में भी क्रिस्पआर के काम को बिना नुकसान पहुंचाए ट्रैक करने की अनुमति देती है।

5,000 रु. जुर्माना, 3 साल की कैद या दोनों सजाएं होंगी

बेंगलुरु। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने बेलगावी में चल रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कर्नाटका हेट स्पीच और हेट क्राइम (रोकथाम और नियंत्रण) बिल, 2025 को पास कर दिया। यह बिल हेट स्पीच और हेट क्राइम, और व्यक्तियों, समूहों और समाजों पर उनके बुरे असर को प्रभावी ढंग से रोकने और कंट्रोल करने का प्रस्ताव करता है। इस बिल के पास होने के बाद अब कानून बन जाएगा जिसके तहत सजा के प्रावधान किए गए हैं।

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव

क्रमांक /5922 /स्टोर/ 2025 अम्बिकापुर, दिनांकः 09/12/2025

ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम निविदा आमंत्रण सूचना

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) की ओर से इम्प्लांट के निविदा हेतु फर्मो/अभिकरणों से राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) में इम्प्लांट हेतु ऑनलाईन निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी हेतु वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा का नाम	सी. जी. ई. प्रोक्यो. निविदा क्रमांक	ऑनलाईन जमा करने की प्रारंभिक तिथि एवं समय	ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	भौतिक रूप से जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय
1	इम्प्लांट	181427	15.12.2025 10:00 AM	05.01.2026 02:00 PM	05.01.2026 03:00 PM	05.01.2026 04:00 PM

स्थान :- कार्यालय, संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव,
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध
चिकित्सालय, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

G-252605354/3

Nava RaipurAtal NagarVikas Pradhikaran

Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar, Raipur- 492 002, Chhattisgarh. Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400.Website: www.navaraipuratalnagar.com

Notice Inviting Tender

9396/ 6(2)/548B/2661/737/Estate/Nava Raipur Atal Nagar, Dated 05.12.2025

Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran invites tender for allotment of Residential plots at various locations in Nava Raipur Atal Nagar. The location and Reserve Premium details are as provided below:-

S.N.	Location	Plot No.	Area (Sq.m.)	Reseve land Premium (INR/Sq.mt.)
1	Sector - 15	B12/29	312.50	16,695.00
2	Sector - 12	U7	506.23	19,020.00
3	Sector - 30	D2/10, B5/A11	915.75, 130.50	14,080.00

The detailed allottment schedule is as below:-

Last Date of online Tender Document Filling	Tender document can be filled online till 5:00 p.m. ▪ On 22nd December 2025 of the month Qr next working day in case of holiday on 22nd December 2025
Date for Hard Copy Submission and opening of Tender and Financial Proposal	Last date for submission of Hard copy of filled Tender Document ▪ 2:00 p.m till 24th December 2025 of month or next working day in case of holiday on 24th December 2025 ▪ Opening: 3:30 p.m on 24th December 2025 of month or next working day in case of holiday on 24th December 2025.
	Financial Proposals shall be opened immediately after opening of Tender.

The above schedule shall continue till 28th February 2026 or till further order. Units which will be allotted in one cycle will be removed from property list for sale in next cycle and the process will continue till the validity of the Tender process i.e. 28th February 2026 or till further order. Future information shall be only available on website.

(Approved by CEO) S-46193/1

Manager(Estate)
NRANVP, Nava Raipur

कोर्ट ने दिया सुनवाई का आदेश

लड़कियों पर अभद्र टिप्पणी में अनिरुद्धाचार्य पर चलेगा केस

» ***याचिकाकर्ता मीरा राठौर ने मिठाई बांटकर खुशी***

एजेंसी ▶▶ मथुरा

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य

मथुरा में कथावाचक अनिरुद्धाचार्य की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लड़कियों पर अभद्र टिप्पणी मामले में मथुरा की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) गौरव उत्सव राज की अदालत ने उनके खिलाफ केस चलाने का आदेश दिया है। अदालत ने इस संबंध में दायर याचिका स्वीकार कर ली है।

याचिकाकर्ता मीरा राठौर मथुरा पहुंची और उनके द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। जिसके बाद उन्होंने मामले की विस्तृत जानकारी दी है और मिठाई वितरण करते हुए खुशी जताई है। अदालत ने अगली सुनवाई 1 जनवरी 2026 को निर्धारित की है, जिसमें याचिकाकर्ता पक्ष के बयान दर्ज किए जाएंगे। यह मामला अक्टूबर 2025 का है। उस समय कथावाचक अनिरुद्धाचार्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में उन्होंने बेटियों के चरित्र को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। अनिरुद्धाचार्य ने कहा था कि आजकल बेटियों की शादी 25 साल की उम्र में होती है और तब तक वे कई जगह मुंह मार चुकी होती हैं।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal : http://eproc. cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO: 824/PWD/Zone -09/2025 **RAIPUR, DATED : 09/12/2025**

Online bids are invited for the following works of works up to Date 02/01/2026 at 17:30 hours.

Sl. No.	System Tender No.	Name of work	Amount of the Estimate	Earnest Money Deposit	Eligible class of contract or/firm	Time allowed for Completion	SOR Applicable
1	181532	लाल बहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक 51 अंतर्गत जोरा मुक्तिधाम का सौंदर्यीकरण कार्य।	6094000/-	45800/-	Class- D & above	06 माह	लोक निर्माण विभाग के भवन एवं सड़क एस.ओ.आर. दिनांक 01.01.2025 से प्रभावशील तथा निविदा तक संशोधित

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh. e-Procurement Portal https: //eproc.cgstate.gov.in from 10/12/2025, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Note:- 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal. 2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. **1800 419 9140** or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in 3. कार्य के लिए निविदा शुल्क देना होगा। कार्य क्रमांक-01 के लिए निविदा शुल्क राशि रु. 3000.00 मात्र देय डिमांड ड्राफ्ट अथवा बैंकर्स चेक आयुक्त, नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से होगा तथा वापसी अयोग्य होगी।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

ZONE COMMISSIONER
ZONE-9
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Bhilai : 6267136903

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, मार्केटिंग ऑफिसर 3, योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, सुरक्षा गार्ड 66, वेतन 13000, 10000/- **संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019.** (RO-348)

कृषि कार्य/लेबर/ठेकेदार

आवश्यकता है- नया रायपुर परसदा स्थित कृषि फार्म में कार्य करने हेतु महिला, पुरुष एवं तेलीबांधा रायपुर में कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु लेबर, मिस्त्री, ठेकेदार, सुपरवाइजर की आवश्यकता है दोनों जगह रहने की सुविधा उपलब्ध है। **सम्पर्क करे- 9826415569.** (RO-6591)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक, गोल बाजार के पास कार्य हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है **संपर्कः- रायपुर 9827918086, 9685688086.** (RO-410)

आवश्यकता है- हार्डवेयर नट बोल्ट दुकान में काम हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है योग्यता पांचवी, बारहवीं वेतन 14000 से योग्यतानुसार **बॉम्बे मार्केट राज टॉकीज के सामने - 83491 29778.** (RO-4046)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने हेतु युवक एवं युवतियो की आवश्यकता है । **संपर्क करें- 96853-63113, 94255-65705.** (आरो नं.-10323)

हरिभूमि क्लासीफाईड

टीचर

आवश्यकता है- साई शिक्षा पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल में नर्सरी से 8वी तक पढ़ाने के लिए टीचर कि आवश्यकता है। **हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सेक्टर 05 सेजबहार रायपुर 9406250678.** (RO-105)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10,000/- +कमीशन +बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री **संपर्कः- 7870192397, 7796880121.** (RO-385)

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000 रहना खाना फ्री , ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना **8871422576, 9981576163** (Ro-515)

आवश्यकता है- Ocean कम्पनी में ऑफिस हेतु 18-28 वर्ष के लड़के, लड़कियां चाहिए योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट आय 10500 से 18000, रहना, खाना **पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752337082.** (RO-39365)

इंजीनियर

आवश्यकता है- डिप्लोमा/ बीई मैकेनिकल इंजीनियर, आईटीआई फिटर, स्टोर कीपर (टैली अनुभवी) चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार **सम्पर्क करें- रायपुर हाइड्रोलिक्स प्राइवेट लिमिटेड मेटल पार्क रायपुर** Email - raipurhyd@gmail.com 8871739555, 8770949941. (RO-39358)

ऑफिस/फील्ड कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस एवं फील्ड में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है (1) जिसे कंप्यूटर चलाना आता हो, एवं अपनी गाड़ी हो पेमेंट- योग्यतानुसार कार्य समय 11 से 8 रविवार छुट्टी **संपर्क 8103507377 स्टेशन रोड रायपुर** (RO-107)

सेल्समैन/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित सोना चांदी शोरूम में कार्य हेतु सेल्समेन एवं ऑफिस बॉय की आवश्यकता है **संपर्कः- राय सोनी ज्वेलर्स राम मंदिर के पास गांधी चौक दुर्ग** MO. **9425557772.** (आरो नं.-10321)

ऑपरेटर/दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में स्टाफ की आवश्यकता है कम्प्युटर पर बिलिंग के लिए कम्प्युटर ऑपरेटर तथा दुकान कार्य हेतु 10 से 15 लड़के चाहिए। मिलने का समय दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30 **प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर संपर्कः 9425506658, 9424200658, 9425206658.** (RO-7265)

क्लिनिक कार्य

आवश्यकता है- डेंटल क्लिनिक में कार्य करने के लिये 8वीं, 10वीं, पास लड़की की आवश्यकता है। मिलने का समय सुबह 10 से 2, शाम 5 से 8। दांत का दवाखाना, प्रथमतल, **समता शॉपिंग आर्केड मेनरोड समताकॉलोनी रायपुर** (RO-0094)

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग एवं हेल्पर कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है गांव के लड़कों को रहने की सुविधा उपलब्ध- **पता - अशोक इंटरप्राइजेस आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 9:00 से 8:00 मो. 8770676924.** (RO-108)

वेल्डर चाहिए

वेल्डर चाहिये- किराया भंडार में काम करने के लिए वेल्डर की आवश्यकता है। **संपर्क करें- 9827140068.** (RO-6594)

टेलर

आवश्यकता है- टेलर की आवश्यकता हैः- बुटीक में लेडिज ड्रेसेस/ कपड़ों की सिलाई हेतु फूल टाइम अनुभवी टेलरो आवश्यकता हैं, जिन्हें कटिंग आती हो। आकर्षक पारिश्रमिक। **कान्हा कलेक्शन, कृष्णा टॉकीज के पास, समता कॉलोनी, रायपुर फोन 9302305800.** (RO-6597)

शॉप/सेल्समैन वर्क

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) में काम करने के लिए लड़का/ लड़की की आवश्यकता एवं अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है **मोबाइल 7067048454.** (RO-6596)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट- 02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4, सर्विस टेक्नीशियन- 2, ऑफिस बॉय- 1 **संपर्क करेः- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर मोबाइल नंबरः- 9826652461.** (RO-406)

हरिभूमि

आवश्यकता

आवश्यकता है- क्लिनीक/दवा कंपनी में कार्य हेतु, 10वीं/12वीं, पढ़े लड़की/लड़के की आवश्यकता है, दुर्ग निवासी को प्राथमिकता। मिलने का समय-शाम 5से 7बजे, **संपर्क- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फायनेंस के पीछे दुर्ग, डॉ . एच. सी .अग्रवाल- 94255-55659 ,96177-89223.** (आरो न.-4123)

सर्वे कार्य

आवश्यकता है- N.S.N. कंपनी में सर्वे कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता हैं, उम्र 18 से 35 वर्ष, सैलरी 10 से 15 हजार, रहना फ्री **संपर्क करेंः- रायपुर- 9993929100, भिलाई- 9827622050.** (RO-411)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर , रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर,कप्तान .जानकार को प्राथमिकता। **संपर्क -होटल अपना केशरी ,होटल शिव- प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.- 98932-15251,89669-81590.** (आरो न.-694)

अन्य

आवश्यकता है- Realince Jio 5-G कंपनी मे पार्ट टाईम / फुल टाईम SMS करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए घर बैठे (21500-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS **करें- 9798544556, 9296821428.** (RO-1255)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- शुअवसर 3000/- से 5000/- घर बैठे कमाएं। कच्चा माल हमसे लेकर तैयार माल दे। **संपर्क करें- 9977376616 पता- गोल्डन मार्बल के पीछे लक्ष्मी नगर, पचपेड़ी नाका के पास रिंग रोड़ नंबर-1, रायपुर** (RO-6587)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्कशीट, आधारकार्ड, प्रॉपर्टी, कृषि, होमलोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे, नोट- धोखेबाजों से सावधान, **हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट हेल्पलाइन नंबरः- 9817098991, 9817098991.** (RO-412)

फाइनेंस- रोजगार योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधारकार्ड पर (50,000/- से 25 लाख तक) (1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, दुकानदारी, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए, **संपर्कः- 9311830460.** (RO-414)

फाइनेंस- विजया फाइनेंस कंपनी द्वारा सभी प्रकार के लोन आधारकार्ड लोन, बिजनेस, पर्सनल, होम, कृषि, महिला ग्रुप लोन, 40% छूट, आसानी से घर बैठे लोन, 2% ब्याज दर पर **संपर्कः- 7750826959, 9424164185.** (RO-413)

Property प्रापर्टी

मकान

बेचना है- अमलीडीह सेंट जोसेफ स्कूल रोड पर ईस्ट फेसिंग 1060 वर्गफीट प्लॉट एरिया में सर्वसुविधायुक्त 3 BHK डुप्लेक्स मकान 2000 वर्गफीट कंस्ट्रक्शन (पानी बोर सहित) अतिशीघ्र बेचना है **संपर्क करें मोबाइल नंबरः- 9301690016.** (RO-401)

क्लासीफाईड

जमीन

सर्वसुविधायुक्त जमीन (कृषि फार्म हाउस) तत्काल बिकाऊ है।
✓31 एकड़ फार्म हाउस बिकाऊ है। 50 लाख की बंगला 3 ट्यूबवेल ट्रांसफार्मर राजमार्ग से 3 किलोमीटर दूर मेन रोड से लगा हुआ है पीछे नदी सर्व सुविधा युक्त फार्म हाउस कारखाना, हॉस्पिटल, विद्यालय, फैक्ट्री, खेती एवं कृषि कार्य हेतु कीमत 55लाख प्रति एकड़। ग्राम सिंघनपुरी तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा।
✓राजमार्ग से 1 किलोमीटर मेन रोड से लगा हुआ 55 एकड़ फार्म हाउस 50लाख रुपए का नव निर्मित घर पीछे नदी 9 बोर, ट्रांसफार्मर जमीन के अन्दर काटा तार से घिरा हुआ। सुज्जित फार्म हाउस 75लाख प्रति एकड़। पता अंधियारखोर, तहसील- नवागढ़, जिला- बेमेतरा।
खरीददार व्यक्ति ही सम्पर्क करें- जय महाकाल प्रापर्टी डिलिंग पण्डित चौक, कुण्डा रोड़, तालम सैतगंगा, जिला मुंगेली 9238210014
दलाल सम्पर्क ना करी तुरन्त रजिस्ट्री सामान्य ब्राहण

प्लाट

बेचना है- गौरेला- पेंड्रा- मरवाही जिले में कलेक्ट्रेट वाली मेन रोड पर 200×100= 20000 वर्गफुट 200 फुट रोड फेसिंग कमर्शियल प्लॉट बेचना है। ब्रोकर क्षमा करें। सक्षम खरीदार **सम्पर्क करें- 9850815691.** (RO-39370)

For Rent किराया

दुकान/ गोडाऊन किराए से देना है- दुकान किराए से देना है महावीर टावर उरला मेन रोड (बिरगांव रायपुर) में 11x28 साइज 12 दुकान उपलब्ध है। और साथ ही 1000ft, 2000ft, 5000ft, गोडाऊन किराए पर देना है। **मेन रोड उरला में संपर्क करें - 7566677048** (RO-6593)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें **62638-18152**

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

RAIPUR Smart BUSINESS
GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में (व्हाट्सएप पर बनवाएं) www.onlytds.com
GST-Return | प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TDS रिफंड | CMA DATA | MSME रजिस्ट्रेशन | Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क **जे.जे. अहमद दवाखाना**
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

इन उपायों से कंट्रोल रहेगी थायरॉइड की प्रॉब्लम

अस्त-व्यस्त जीवनशैली और खान-पान से आजकल अनेक लोग थायरॉइड संबंधी समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपनी जीवनशैली सुधारने के साथ आयुर्वेदिक उपचार करवाएं तो आपको काफी राहत मिल सकती है। इस बारे में जानिए।

रोगोपचार

संध्या रानी

हालांकि थायरॉइड ग्रंथि की कम या अधिक सक्रियता कोई गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन इससे निकलने वाले हार्मोन कई शारीरिक क्रियाओं को संतुलित रखते हैं। जब हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं, तो कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होती है। थायरॉइड गले में मौजूद तितली के आकार की एक ग्रंथी होती है, जो जरूरी हार्मोन बनाती है। इसके असंतुलन होने से ही यह समस्या पैदा होती है। आजकल थायरॉइड संबंधी समस्या तेजी से बढ़ रही है। हर दूसरे-तीसरे घर में कोई न कोई इसका रोगी मिल जाता है। खास बात यह है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं इससे ज्यादा प्रभावित होती हैं, क्योंकि महिलाओं के शरीर में कई अन्य हार्मोन उनके पीरियड्स, गर्भावस्था संबंधी प्रक्रियाओं को कंट्रोल करते हैं।

दो प्रकार की समस्याः थायरॉइड की समस्या दो तरह की होती है। एक हाइपरथायरॉइडिज्म और दूसरा हाइपोथायरॉइडिज्म। दोनों ही स्थितियों में शरीर का हार्मोन स्तर प्रभावित होता है।

हाइपरथायरॉइडिज्मः इसमें सबसे पहले रोगी का वजन कम होने लगता है, घबराहट बढती है, चिड़चिड़ापन होता है, दिल की धड़कन तेज हो जाती है, पसीना अधिक आता है, गर्मी ज्यादा लगती है, हाथ-पैर कांपने लगता है, नींद कम होने लगती है। जब इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगे तब जांच जरूर कराना चाहिए।

हाइपोथायरॉइडिज्मः इसमें लगातार थकान रहती है, वजन बढ़ने लगता है, दिल की धड़कन धीमी हो जाती है, ठंड ज्यादा लगती है और कभी-कभी मूड भी स्विंग करता है। इसके अलावा बालों का झड़ना, त्वचा का रूखा होना, डिप्रेशन होना आदि लक्षण दिखाई दें, तो ऐसी स्थिति में डॉक्टर से जरूर कंसल्ट करें।

आयुर्वेद उपचार में यह देखा जाता है कि रोगी की उम्र क्या है? यह बीमारी कितने साल से है? वह नौकरी किस तरह की करते हैं? इनकी जीवनशैली कैसी? इनका पेट साफ रहता है या नहीं, तनाव में तो नहीं रहते हैं? इनके आधार पर रोगी की जांच की जाती है।

क्या खाएं-क्या न खाएंः इस समस्या से राहत पाने के लिए यह जानना बेहद आवश्यक है कि भोजन में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं? थायरॉइड संबंधी रोग में मेटाबॉलिज्म कमजोर हो जाता है, इसलिए वही चीजें खानी चाहिए, जो आसानी से पच जाएं। खाने में गेंहू की रोटी की जगह जौ की रोटी खाएं। इससे पेट भी हल्का रहेगा और यह आसानी से पच भी जाता है। सफेद चावल की जगह भूरे चावल खाएं। टोफू और सोयाबीन न खाएं। इसके साथ ही पनीर, चीज, मोयोनेज से दूरी रखें। जहां तक हो सके तला, भुना खाने से परहेज करें। भोजन के लिए समय जरूर निश्चित करें और हमेशा समय पर ही भोजन कर लें। भोजन हमेशा हल्का लें। इसके अलावा अपनी दिनचर्या को नियंत्रित रखें। रात में 10 बजे तक सोने की आदत डालें।

योग को अपनाएंः अपनी दिनचर्या में योग को जरूर जगह दें, ताकि शरीर के साथ आपका मन भी स्वस्थ रहे, क्योंकि मन और शरीर एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। अगर आपका मन मजबूत है, तो आप किसी भी बीमारी से आसानी से उबर सकते हैं। जीवन में चाहे जितनी भी व्यस्तता हो, पर अपने लिए दस मिनट का समय निकालना मुश्किल नहीं होना चाहिए। थायरॉइड में उज्जयी, भस्त्रिका, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम बहुत मदद करते हैं। इसके अलावा हलासन भी करें। अपने को स्वस्थ रखने के लिए जीवन में कुछ संयम और नियम रखना बेहद जरूरी होता है।

मौसमी फल-सब्जियां खाएंः हमेशा मौसम के अनुसार ही पके फल और पकी सब्जियां खाएं। कच्ची सब्जियां और सलाद पाचन पर अधिक जोर डालते हैं, इसलिए इन्हें खाने से जहां तक हो सके बचें। दही की जगह छाछ का प्रयोग करें। इसके अलावा घी को अपने भोजन में जरूर शामिल करें, क्योंकि इसमें कई विटामिन होते हैं और यह आसानी से पच भी जाता है। इसके साथ ही सौंफ, पिपली और काली मिर्च को बराबर मात्रा में मिलाकर पीस लें और थोड़ी मात्रा में लेते रहें, यह पाचन के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। *

(आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. अमृता शर्मा से बातचीत पर आधारित)

पंचकर्मा उपचार

इसे मानस प्रकृति परीक्षण भी कहा जाता है। सात प्रकार की प्रकृति होती है। आयुर्वेद में यह एक डिटॉक्स थेरेपी है। इस उपचार के द्वारा शरीर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल कर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जाता है। जब मौसम बदलता है तब यह क्रिया की जाती है। यह उपचार कोई भी करवा सकता है।

बरकरार है वायु प्रदूषण का संकट कारगर उपायों से मिलेगी राहत

जाड़े के मौसम में देश के अनेक शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। एक्यूआई इतना खराब हो जाता है कि सांस लेने में परेशानी होने लगती है। ऐसे में केवल बच्चे, बूढ़े और बीमार लोगों को ही नहीं स्वस्थ लोगों को भी कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी है। यहां बताए जा रहे उपायों को अपनाकर आप वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से काफी हद तक बचे रह सकते हैं।

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

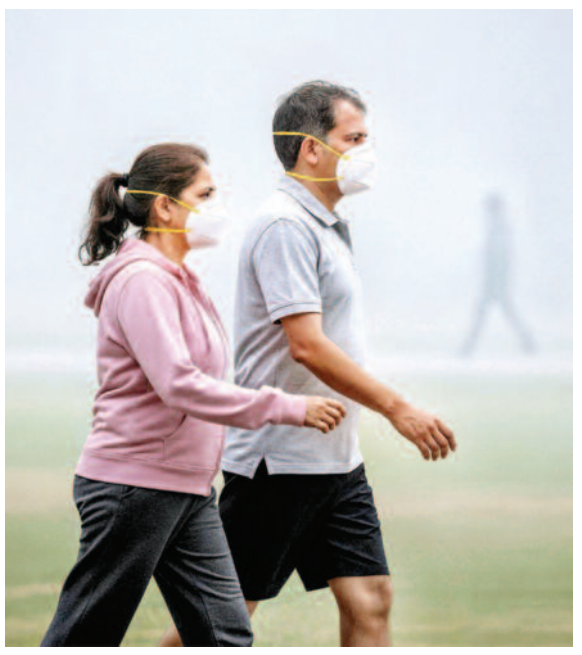

दमघोंटू हवा, इन दिनों देशभर के कई राज्यों में स्वास्थ्य से जुड़ा बड़ा संकट बनी हुई है। प्रदूषण की मार बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी झेल रहे हैं। सेहत से जुड़ा हर पहलू हवा की गुणवत्ता से प्रभावित होता है। तकलीफदेह है कि सर्दियों में तो एयर क्वालिटी और खराब हो जाती है। हमें चारों ओर से घेरते धूल और धुएं के गुबार को काबू करने के लिए कई मोर्चों पर प्रभावी कदम उठाने की दरकार है, पर ठंड के इस मौसम में प्रदूषण के वार से अपनी सेहत को बचाने के लिए छोटे-छोटे सहज से तौर-तरीके जरूर कारगर साबित हो सकते हैं।

स्वच्छता का रखें ध्यान

घर के बाहर सांस लेने लायक हवा को बनाए रखना मुश्किल है। लेकिन घर के भीतर साफ-सफाई का ध्यान रखकर हवा को शुद्ध रखा जा सकता है। इसके लिए इन दिनों जितना अधिक संभव हो अपने घर की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखने चाहिए। इससे बाहर की धूल, धुआं और प्रदूषक तत्व घर में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। साथ ही सफाई के लिए ज्यादा झाड़-पोंछ भी न करें। ठंड से राहत पाने के लिए घर के भीतर कोयला आदि जलाने से भी बचें। घर के भीतर हवा शुद्ध करने वाले पौधे यानी एयर प्यूरीफाइंग प्लांट्स लगाना भी काफी कारगर उपाय हो सकता है।

इन उपायों पर भी करें अमल

बार-बार अच्छे से हाथ भी धोते रहें। खासकर जब घर के बाहर से आएं तो अच्छे से हाथ धोना जरूरी है। हाथों को साफ रखने की यह सजगता स्किन पर जमे प्रदूषण के कण यानी पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) को हटाने के लिए बहुत जरूरी है। असल में पीएम कण हवा में मौजूद सूक्ष्म ठोस कण या तरल बूंदें होती हैं। ये कण सांस के जरिए तो शरीर में जाते ही हैं, गंदे हाथों से खाना खाने और शरीर के दूसरे अंगों को छूने पर भी नुकसानदेह साबित होते हैं। यहां तक कि स्किन इंफेक्शन होने का भी खतरा रहता है। इन दिनों गरम पानी से गरारे कर गले को साफ करने की एक्टिविटी को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। इससे भी हवा में मिले धूल और धुएं के कणों के शरीर में पहुंचने पर बहुत हद तक काबू पाया जा सकता है।

रेग्युलर एक्सरसाइज करना है बहुत फायदेमंद

ठंड के मौसम में शारीरिक सक्रियता से दूरी न बनाएं। हालांकि स्मॉग से ढंकी सुबह या शाम कसरत करने के लिए सही नहीं पर घर के अंदर योगाभ्यास, ट्रेडमिल, इंडोर साइक्लिंग आदि के जरिए खुद को एक्टिव रखें। विशेष रूप से सुबह और शाम के समय हवा की गुणवत्ता अनहेल्दी हो तो स्वास्थ्य जोखिम बढ़ाने वाली होती है। ऐसे में प्रदूषण के समय घर के बाहर जाकर एक्सरसाइज करने के बजाय, घर के अंदर ही व्यायाम, योग या किसी भी तरह की कसरत करना सही रहता है।

ये एक्टिविटीज करने से बचें

प्रदूषित हवा में तेज दौड़ने या हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज जैसे जंप स्क्वैट्स, माउंटेन क्लाइंबर्स, स्प्रिंट्स और पुश-अप्स जैसे व्यायाम करने से बचें। असल में हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज करते हुए व्यक्ति बहुत तेज और गहरी सांस भरता है। इस कंडीशन में समझना मुश्किल नहीं कि सामान्य की तुलना में फेफड़ों में ज्यादा प्रदूषक तत्व पहुंचते हैं। तकनीकी सुविधाओं के इस दौर में कसरत के लिए बाहर निकलने से पहले अपने क्षेत्र की एयर क्वालिटी यानि एक्यूआई को भी जांचें। पार्क में सैर या सहज रूप से वॉक पर जाने के लिए अच्छी क्वालिटी के मास्क का उपयोग करना भी आपकी सेहत सहेजने में मददगार बनेगा।

खान-पान भी हो पौष्टिक

शरीर की अच्छी रोग प्रतिरोधक क्षमता, प्रदूषण से लड़ने में भी मदद करती है।

इसीलिए इन दिनों फल और सब्जियों का भरपूर मात्रा में सेवन करें। परंपरागत रूप से भी इन दिनों खाया जाने वाला भोजन इम्यूनिटी बढ़ाने वाला ही लेना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां, मोटे अनाज, घी, आंवला आदि का सेवन अधिक करें। ऐसी सभी चीजें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती हैं। खासकर विटामिन-सी के सेवन से शरीर को मिलने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाते हैं। इसके लिए संतरा, गाजर और आंवला जैसे फल जरूर खाएं। इससे आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होगी और प्रदूषण के दुष्प्रभावों का सामना करने की शक्ति आपके भीतर उत्पन्न होगी।

इनका सेवन है लाभकारी

ठंड के मौसम में तुलसी, अदरक, कच्ची हल्दी या दूसरी हर्बल चीजों से बनी चाय भी गले को साफ रखने में मदद करती हैं। साथ ही सूप, दूध और नीबू-शहद का गर्म पानी जैसे गर्म पेय प्रदूषण और स्मॉग के असर को कम करने में मददगार बनते हैं। इन ड्रिंक्स के साथ दालचीनी, काली मिर्च और सोंठ जैसे मसालों का संतुलित मात्रा में उपयोग करना तो इन्हें स्वास्थ्य रक्षा करने वाले पेय पदार्थ बना देता है। साथ ही इनके नियमित सेवन से आपका शरीर हाइड्रेटेड भी रहता है। यहां बताए गए परंपरागत तौर-तरीकों और मौजूदा समय की जरूरत के अनुसार जागरूकता का यह मेल प्रदूषण के घेरे में भी बहुत हद तक आपका स्वास्थ्य सहेजने में सहायक होगा। *

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. दीपक भंगाले

गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई

पाचन तंत्र के बिगड़ने से कब्ज की समस्या होती है। इससे बचाव के लिए जीवनशैली और खान-पान की आदतों में सुधार करना जरूरी है। कब्ज जागरूकता माह (दिसंबर) के अवसर पर आपको इस बारे में दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

कब्ज की समस्या से ऐसे मिलेगा छुटकारा

वास्तव में कब्ज अपने में कोई बीमारी नहीं है लेकिन यह पाचन तंत्र संबंधी कई स्वास्थ्य समस्याओं को बुलावा दे सकती है।

कभी-कभार होने वाली कब्ज की समस्या विभिन्न उपायों पर अमल करने से दूर हो जाती है, लेकिन अगर कब्ज की समस्या काफी दिनों तक लगातार बनी रहती है तो उसे पुराना कब्ज (क्रॉनिक कॉन्स्टिपेशन) कहा जाता है। ऐसा कब्ज व्यक्ति के स्वास्थ्य और उसके जीवन की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर डालता है। इसलिए कब्ज को हल्के में लेना सही नहीं है।

इसलिए होता है कब्जः कब्ज होने की कई वजहें हो सकती हैं। भोजन में साबुत अनाजों के स्थान पर मैदा निर्मित खाद्य पदार्थों को वरीयता देना, जीवनशैली में शारीरिक श्रम और व्यायाम को महत्व न देना और जंक फूड्स और चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थों को आहार में वरीयता देना, पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना, फाइबर युक्त डाइट (जैसे- फल, ड्राई फ्रूट्स, हरी सब्जियां और बींस आदि) कम लेना या फिर न लेना, एक निश्चित समय पर भोजन न करना, देर रात खान-पान। अकसर तनावग्रस्त या चिंतित रहने वाले लोग कब्ज के शिकार होते हैं, क्योंकि तनावपूर्ण स्थिति में जो हार्मोन रिलीज होते हैं, वे आंतों के मूवमेंट पर प्रतिकूल असर डालते हैं। उम्र बढ़ने के साथ खासकर वृद्धों में आंतों का मूवमेंट स्वाभाविक रूप से कम होने लगता है। हाइपर थायरॉइडिज्म होना या फिर शरीर में हार्मोंस का असंतुलन। लिवर या पेट से संबंधित किसी बीमारी से ग्रस्त होना। मधुमेह की समस्या भी कब्ज उत्पन्न कर सकती है। गर्भवती महिलाएं और ऐसी महिलाएं जिनकी गायनेकोलॉजिकल सर्जरी हो चुकी है, उनके पेट की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिसके कारण वे अकसर कब्ज की समस्या से ग्रस्त हो सकती हैं। रक्त में कैल्शियम की मात्रा कम होना, धूम्रपान, मद्यपान या फिर अन्य मादक पदार्थों का सेवन करना, रोज लगभग 6 से 8 घंटे की गहरी नींद न लेना, कुछ एंटीबायोटिक्स और पेनकिलर्स लेने वालों में कब्ज की समस्या उत्पन्न कर सकते हैं। भूख से कम मात्रा में खाना। स्वाद के फेर में भूख न होने के बावजूद कई बार खाना-पीना। डाइटिंग करना। रात में खाने के तुरंत बाद सोना।

कब्ज के लक्षणः ये लक्षण कब्ज के हो सकते हैं।

- पेट का फूलना और पेट दर्द।
- भूख न लगना।
- पेट में गैस बनना या भारीपन होना।
- मल के बहुत कड़ा हो जाने के कारण टॉयलेट सीट पर बैठकर पेट पर बहुत ज्यादा जोर लगाना।
- आलस्यग्रस्त होना।
- किसी कार्य में मन न लगना।
- 7 से 8 घंटे की नींद न ले पाना।
- सिर दर्द होना या सिर भारी होना।
- जीभ के ऊपर सफेद या मटमैली परत होना, छाले पड़ना।
- थकान या कमजोरी महसूस करना।
- चक्कर आना या जी मिचलाना।
- सीने में जलन महसूस करना।

पुराने कब्ज से होने वाली जटिलताएंः इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कब्ज की पुरानी समस्या (क्रॉनिक कॉन्स्टिपेशन)बवासीर के अलावा गुदा संबंधी अन्य रोगों जैसे भगंदर और फिसर के जोखिम को बढ़ा देती है। इससे आंतों में एक विशेष प्रकार का उभार (बल्ज) बन जाता है, जिसे मेडिकल भाषा में 'आउटपाउचिंग' कहते हैं। ऐसी स्थिति में आंतों में संक्रमण हो सकता है या फिर ये सिकुड़ सकती हैं। कई लोग डॉक्टर के परामर्श के बगैर कब्ज दूर करने वाली दवाएं लैक्सेटिव्स या जुलाब लेने लगते हैं। ऐसी दवाओं के साइड या आफ्टर इफेक्ट्स हो सकते हैं। अकसर लोग लैक्सेटिव्स के आदी बन जाते हैं। पुराने कब्ज की समस्या आंतों या कोलन कैंसर का कारण बन सकती है।

ऐसे होगी रोकथामः उपरोक्त जिन कारणों से कब्ज उत्पन्न होता है, उन कारणों को दूर करना ही कब्ज की रोकथाम करना है। जैसे- जंक फूड्स से परहेज करें। अपने आहार में फाइबर्स (मौसमी फलों, हरी पत्तेदार सब्जियों और बींस) को वरीयता दें।

अपनी शारीरिक क्षमता और उम्र के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करें। व्यायाम करने से पूर्व अपने डॉक्टर और फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लेना हितकर है। प्यास लगने के अलावा भी पानी पीने की आदत डालें। कोई भी मौसम हो लगभग 2 लीटर पानी और तरल पदार्थ जैसे सूप आदि लें। कब्ज दूर करने में पपीता किसी वरदान से कम नहीं। इसके अलावा अमरूद, संतरा और सेब पौष्टिक होने के साथ कब्ज दूर करने में भी सहायक हैं। भूख से कम भी न खाएं और भूख से ज्यादा भी न खाएं। भोजन को अच्छी तरह चबाकर तरल रूप में निगलें। देर रात भोजन से परहेज करें। रात में भोजन करने के बाद तुरंत न सोएं। सोने से पूर्व लगभग 200-250 कदम टहलें। मैदा और अत्यधिक चिकनाईयुक्त आहार के स्थान पर साबुत अनाजों को वरीयता दें।

उपचारः कब्ज की गंभीर और जटिल स्थिति में डॉक्टर कुछ समय के लिए दवाएं, लैक्सेटिव्स देते हैं। प्रत्येक रोगी की समस्या के मद्देनजर उसके लक्षणों के आधार पर इलाज सुनिश्चित किया जाता है। जैसे पेटदर्द और सिरदर्द आदि के लिए अलग-अलग दवाएं देते हैं। लेकिन कभी भी कोई दवा अपने मन से नहीं लेनी चाहिए। कब्ज खासकर पुराने कब्ज की समस्या दूर करने में एनिमा लेना अत्यंत लाभप्रद है। आंतों में एकत्र मल की सफाई करने में एनिमा काफी कारगर है, लेकिन एनिमा लेने से पहले चिकित्सक से परामर्श लें। कब्ज की समस्या का स्थाई इलाज सकारात्मक जीवनशैली में निहित है। सकारात्मक जीवनशैली के अंतर्गत प्रमुख तौर पर समुचित शारीरिक श्रम, नियमित व्यायाम और उपयुक्त खानपान को शामिल किया जाता है। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

Sure Cure REMEDIES (P) LTD.
॥ सर्वे सन्तु निरामयाः ॥
A JOURNEY OF TRUST & CARE SINCE 1998
श्योर क्योर रेमेडीज़ प्राइवेट लिमिटेड
आयुरमहोत्सव 2025™
में पधारे गणमान्य मुख्य अतिथियों का हार्दिक स्वागत करता है

प्रो. अशिम कुमार घोष जी
(माननीय राज्यपाल हरियाणा प्रदेश)

श्री नायब सिंह सैनी जी
(माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा प्रदेश)

श्योर क्योर रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड के उत्पादों की जानकारी के लिए आयुरमहोत्सव 2025, इंद्रधनुष ऑडिटोरियम, पंचकूला में स्टॉल नं. E-27 पर दिनांक 12-13 एवं 14 दिसंबर को संपर्क करें
प्रोटीन बिना सब सून, इम्युनिटी भी न उभरे चाहे जनवरी हो या जून
आज ही अपनाएं हर्बल प्रोटीन युक्त
पौरुष प्राश
स्वाद भी शक्ति भी
स्वर्ण, रजत, केसर एवं मुक्ता युक्त
पुरुषों एवं महिलाओं में समान रूप से असरकारक

श्योर क्योर

जैकेट के शेष

बस्तर, कोंडागांव के ....

और आंध्रप्रदेश से लगती है, इनमें कई बॉर्डर पर नक्सली सक्रिय हैं, जिनका खात्मा करने के लिए फोर्स के जवान लगातार सर्चिंग कर रहे हैं। बस्तर संभाग में वर्ष 2024 में 120 मुठभेड़ हुए तथा 217 माओवादियों के शव एवं 286 हथियार बरामद कि गए। इसी प्रकार 792 माओवादियों द्वारा शासन के समक्ष समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के लिए आत्मसमर्पण तथा सुरक्षा बलों द्वारा 930 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इसी क्रम में वर्ष-2025 में लगातार कार्रवाई करते हुए 9 दिसम्बर 2025 की अवधि में सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए 96 मुठभेड़ में 252 माओवादियों के शव एवं 628 हथियार बरामद किए गए हैं एवं 1514 माओवादियों द्वारा आत्मसमर्पण किया गया है तथा 866 माओवादियों की गिरफ्तारी की गई है।

शाह का राहुल ....

निर्वाचन आयोग की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, आपको ऐसा लगता है कि आप सरकार की छवि को धूमिल कर रहे हैं, लेकिन असल में आप पूरी दुनिया में भारत के लोकतंत्र की छवि धूमिल कर रहे हैं। शाह ने कहा कि यह नयी परंपरा शुरू हुई है कि चुनाव नहीं जीते तो निर्वाचन आयोग को बदनाम करो, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कई चुनावों में विपक्षी दलों की जीत का उल्लेख **करते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची खराब थी तो शपथ क्यों ली?** : गृह मंत्री ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ईवीएम की दलील गले नहीं उतरती तो अब वोट चोरी का मुद्दा लेकर आए। वोट चोरी का मुद्दा लेकर पूरे बिहार में यात्रा निकाली। फिर भी हार गए। हारने का कारण आपका नेतृत्व है, हारने का कारण ईवीएम और मतदाता सूची नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता एक दिन इनका हिसाब मांगेंगे कि इतने चुनाव कैसे हार गए। उन्होंने कहा कि भाजपा कई चुनाव हारी, लेकिन कभी किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े नहीं किए। शाह ने कहा कि भाजपा को कभी सत्ता विरोधी लहर का सामना नहीं करना पड़ता है। उन्होंने कहा, सत्ता विरोधी लहर का सामना तो उन्हें करना पड़ता है जो जनहित के विरुद्ध काम करते हैं।

इंदिरा के समय ....

गए कि इस सरकार में देश में महत्वपूर्ण पदों पर आरएसएस के लोग क्यों हैं? शाह ने कहा, अगर प्रमुख पदों पर आरएसएस के लोग हैं तो क्या परेशानी है। महत्वपूर्ण पदों पर आरएसएस की विचारधारा के लोगों को रखने के खिलाफ कोई कानून है क्या।

आत्मसमर्पित नक्सलियों को ....

में दिए गए योगदान को ध्यान में रखकर उनके विरुद्ध दर्ज प्रकरणों के निराकरण पर विचार का प्रावधान है।

देश का पहला ....

8 अधिनियमों के 163 प्रावधानों में संशोधन करते हुए छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2025 अधिसूचित किया गया है। अब 11 विभागों के 14 अधिनियमों के 116 प्रावधानों को भी सरल और अधिक प्रभावी बनाने के लिए यह विधेयक लाया जाएगा। मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रथम अनुपूरक अनुमान वर्ष 2025-2026 का विधानसभा में उपस्थापन बावत छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक, 2025 का अनुमोदन किया गया।

तिरुपति मंदिर में ....

करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एक ठेकेदार ने करीब 15,000 दुपट्टे प्रति पीस 1,389 रुपए की दर से दिए और दावा किया कि ये 'सिल्क दुपट्टे' हैं। लेकिन जांच के दौरान सैंपल जब सेंट्रल सिल्क बोर्ड सहित दो लैब्स में भेजे गए, तो रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि दुपट्टे असली रेशम से नहीं, बल्कि पूरी तरह पॉलिएस्टर से बने थे।

पहले भी विवादों से घिर चुका है टीटीडी : सितंबर 2024 में तब हड़कंप मच गया था जब आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तिरुपति के पवित्र लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाला घी शुद्ध गौघृत न होकर मिलावटी हो सकता है। इसके बाद **CBI** की निगरानी में एक एसआईटी गठित की गई और पूरे सप्लाई चेन की जांच शुरू हुई। 29 अप्रैल 2023 को परकामानी विभाग से जुड़े एक क्लर्क सी.वी. रवि कुमार को गिरफ्तार किया गया था। आरोप था कि वह श्रद्धालुओं द्वारा श्रीवारी हुंडी में डाले गए दान की रकम चोरी कर रहा था।

डीपीएस दुर्ग के ....

किया। ऐतिहासिक कालखंडों की झलक और आधुनिक कलात्मक अभिव्यक्तियों का यह अनूठा संगम दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि डीपीएस दुर्ग में आया हूं, ये मेरे लिए गर्व की बात है। डॉ. हिमांशु द्विवेदी का धन्यवाद करुंगा कि उन्होंने मुझे यहां आने का मौका दिया। इस विद्यालय का सौभाग्य है की कि इतनी होनहार और संवेदनशील प्रिंसिपल पुनिता नेहरू यहां सेवा दे रही हैं। इस अवसर पर दैनिक हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, सात्विक सिंधु, वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, प्रबंधक एचएस बत्रा, पूर्व प्राचार्य परवीन रशीद विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने विद्यालय की शैक्षणिक व सांस्कृतिक उपलब्धियों की प्रशंसा की।

डिप्टी सीएम ने अपने ....

रोता हुआ निराश दुखी व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता है। इसलिए आप हमेशा आत्मविश्वास, जोश से भरे रहिये, आपका चेहरा हमेशा खिला रहे, उसमें आत्मविश्वास की चमक रहे। सब कहते हैं कि आप इतनी मेहनत करो कि आप अपनी मंजिल पा लें, लेकिन मैं ये नहीं मनाता, क्योंकि अगर आप आईएएस बनाना चाहते हैं। अगर बन गए तो क्या आप का लक्ष्य खत्म हो गया। आप डॉक्टर बनाना चाहते थे, बन गए तो क्या आपका लक्ष्य खत्म हो गया। मैं ये कहूंगा की आप आईएएस बनिए, डॉक्टर बनिए, उस दिशा की ओर मेहनत से चलिए कि आईएएस और डॉक्टर बनाने के बाद भी इतना बड़ा बनिए कि देश में आपका नाम हो। आप सबसे बड़ा कोई ना हो। डॉ. अब्दुल कलाम जब साइंटिस्ट बने तो वो उसके बाद भी अपनी दिशा की ओर बढ़ते रहे। इससे वो देश के सबसे बड़े साइंटिस्ट बने और उन्हें देश का राष्ट्रपति बनाया गया।

चार महीने से ....

पंचायत के कारीमाटी वार्ड में संचालित प्राथमिक शाला में 10 बच्चे अध्ययन कर रहे थे। शिक्षकों की मनमानी से परेशान अभिभावकों ने कई बार विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों को अन्यत्र हटाने एवं दूसरे शिक्षकों को पदस्थ करने की मांग विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी से की लेकिन उन्होंने पूर्व में हुए युक्तियुक्तकरण का हवाला देकर इंकार कर दिया। बीईओ द्वारा मामले में संज्ञान नहीं लेने पर अभिभावकों ने अपने बच्चों की टीसी ले ली तथा उनका नाग गांव में ही संचालित प्रायवेट स्कूल में दर्ज करा दिया। शाला में एक भी बच्चे का नाम दर्ज नहीं होने के बावजूद कागजों में इसका संचालन होता रहा। विद्यालय में पदस्थ दोनों शिक्षक अपनी सुविधानुसार पहुंचते एवं मध्याह्न भोजन का स्वाद चखकर घर चले जाते। जुलाई से नवम्बर तक कई बार विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी फूलसाय मराबी भी स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे एवं शिक्षकों के साथ मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण कर वापस चले गए। नवम्बर के अंत तक इसी तरह विद्यार्थी विहीन शाला का संचालन होता रहा। ग्रामीणों की नाराजगी बढ़ने पर पिछले एक सप्ताह से विद्यालय में चार बच्चे पहुंच रहे हैं। जिन्हें पढ़ाने दोनों शिक्षक कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। विभाग की इस बड़ी लापरवाही का खुलासा होने के बाद विभाग के अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। ग्रामवासी अधिकारियों की मिलीभगत से शिक्षकों पर मध्याह्न भोजन की सामग्री में भी हेराफेरी करने की संभावना जता रहे हैं।

गांव के ही ....

अभिभावकों ने अपने बच्चों की टीसी ले ली तथा गांव के ही एक निजी स्कूल में उनका एडमिशन करा दिया। इतना सबकुछ होने के बाद भी न तो शिक्षकों पर कोई असर पड़ा न ही अधिकारियों पर और विद्यार्थी विहीन शाला का संचालन चार महीनों तक होता रहा।

भाजपा बोली- वे विपक्ष के नहीं पर्यटन के नेता

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस में शामिल होने सत्र के बीच राहुल जाएंगे जर्मनी

कांग्रेस ने किया पलटवार-प्रधानमंत्री भी आधे समय विदेश में रहते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपने विदेशी दौरे को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वे संसद की शीतकालीन सत्र के बीच जर्मनी जाने वाले हैं। राहुल 17 दिसंबर को जर्मनी की राजधानी बर्लिन में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां वे यूरोप के विभिन्न देशों से आए आईओसी नेताओं से मुलाकात करेंगे। आईओसी के ऑस्ट्रिया के अध्यक्ष ऑसफ खान ने कहा, 'हम राहुल गांधी का स्वागत करने में सम्मानित महसूस कर रहे हैं। वह 17 दिसंबर , 2025 को बर्लिन में भारतीय प्रवासी समुदाय से संवाद करेंगे। इसमें पूरे यूरोप के आईओसी अध्यक्ष एकत्र होंगे और कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे।'

भाजपा ने साधा निशाना : इसे लेकर भाजपा ने निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि राहुल के लिए 'एलओपी' यानी 'लीडर ऑफ अपोजिशन' का मतलब 'लीडर ऑफ पर्यटन' है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला समेत सांसद कंगना रनोट और संजय जायसवाल ने इसे लेकर राहुल को निशाने पर लिया है। भाजपा प्रवक्ता पूनावाला ने कहा, 'राहुल गांधी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि '**LoP**' का मतलब 'लीडर ऑफ पर्यटन' है। लोग वर्क मोड में हैं, राहुल गांधी का वैकेशन मोड चल रहा है। राहुल गांधी की प्राथमिकताएं साफ हैं। मुझे नहीं पता कि वो जर्मनी क्यों जा रहे हैं। हो सकता है कि भारत के खिलाफ जहर उगलने जा रहे हों। वे छुट्टी मनाने और भारत को बदनाम करने के लिए विदेश जा रहे हैं।'

'पार्ट-टाइम' राजनेता

*केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'राहुल गांधी हमेशा संसद सत्र के दौरान अधिकांश समय विदेश में रहते हैं और बाद में कहते हैं कि उन्हें बोलने का मौका नहीं मिलता। बिहार चुनाव के दौरान भी वह विदेश में थे। वह पार्ट टाइम हैं, गंभीर राजनेता नहीं हैं।' राहुल के चुनाव आयोग पर भाजपा के साथ मिलीभगत के आरोप पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस जब हारती है, तब **EVM** और चुनाव आयोग को दोष देती है।*

प्रधानमंत्री भी आधे समय विदेश में रहते हैं : प्रियंका

राहुल पर हमले के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने काम का आधा समय विदेश में बिताते हैं। फिर भाजपा की ओर से विपक्ष के नेता की विदेश यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं?' भाजपा नेता संजय जायसवाल ने कहा, 'बिहार में चुनाव चल रहे थे और वे कहीं घूम रहे थे। अब भी वे यूरोप जा रहे हैं। कांग्रेस में अब कुछ बचा ही नहीं है।'

विवादों में रहे हैं राहुल के विदेश दौरे

राहुल हर थोड़े समय में विदेश दौरे करते रहते हैं। इनमें वे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों को संबोधित करते हैं। हालांकि, कथित भारत विरोधी टिप्पणियों के कारण इन दौरों पर विवाद होता रहता है। इसी साल सितंबर में राहुल ब्राजील, कोलंबिया, पेरू और चिली गए थे। तब कोलंबिया में उन्होंने भारतीय लोकतंत्र पर एक बड़ा बयान दिया था, जिसपर बवाल मचा था। उनके अमेरिका और ब्रिटेन के दौरे भी विवादित रहे थे।

सिर्फ 199 रुपए में जेमिनी 3 प्रो और 200जीबी स्टोरेज का एक्सेस

भारत में गूगल का नया प्लान लॉन्च

नई दिल्ली। गूगल ने भारत में अपना लेटेस्ट और किफायती सब्सक्रिप्शन प्लान गूगल एआई प्लस लॉन्च कर दिया है। दिग्गज टेक कंपनी अभी तक यूजर्स के लिए फ्री टियर के अलावा गूगल एआई प्रो और गूगल एआई अल्ट्रा प्लान ऑफर करती थी। दूसरे बेनेफिट्स के अलावा, गूगल एआई प्लस प्लान में यूजर्स को नैनो बनाना प्रो का एक्सेस भी मिलता है। नैनो बनाना प्रो लेटेस्ट जेमिनी 3 प्रो मॉडल द्वारा पावर्ड है। इस प्लान में सब्सक्राइबर्स को हर महीने 200 एआई क्रेडिट भी मिलते हैं जिन्हें फ्लो और विस्क ऐप्स पर वीडियो और कंटेंट बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। गूगल एआई प्लस प्लान के साथ आपको जीमेल, डाक्यूमेंट और फोटो जैसे आपके रोजमर्रा के ऐप्स में भी आपको एआई का मैजिक देखने को मिलेगा।

गूगल एआई प्लस प्लान प्राइज

नए गूगल एआई प्लस प्लान में ग्राहकों को जेमिनी एप में अब तक के सबसे पावरफुल जेमिनी 3 प्रो मॉडल का एक्सेस मिलता है। इसकी कीमत 6 महीनों के लिए 199 रुपये रखी गई है। 6 महीने बाद कीमत बढ़कर 399 रुपये हो जाएगी। कंपनी के जेमिनी 3 प्रो पावर्ड नैनो बनाना प्रो टेक्स्ड-बेस्ड इमेज जेनरेशन और एडिटिंग के लिए भी यूजर्स को उपलब्ध कराया जाएगा। यह विस्क और फ्लो ऐप्स के लिए हर महीने 200 एआई क्रेडिट ऑफर करता है जो वीडियो और दूसरे कॉन्टेन्ट को बनाने के लिए वीईओ 3.1 फास्ट एआई मॉडल का इस्तेमाल करते हैं।

न्यायालय तहसीलदार, बोड़ला जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./202511080200021 /अ-19(3) / वर्ष 2024-2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कार्यपालन अभियंता (स./स.) संभाग, छ.ग. स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड कवर्धा, जिला-कबीरधाम छ.ग. ने अपने पत्र क्रमांक 054/4600/ सामा/ 4094 कवर्धा दिनांक 17.11.2025 के माध्यम से ग्राम-जैतपुरी प.ह.न. 37 रा.नि.मं.- राजानवागांव तहसील-बोड़ला जिला-कबीरधाम स्थित शासकीय भूमि ख.न. 11 रकबा 6.584 हे. मे से रकबा 0.809 हे. को 33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र निर्माण हेतु आबंटित किये जाने के संबंध मे श्रीमान कलेक्टर महोदय कबीरधाम के समक्ष आवेदन पेश किया गया है जो विधिवत जांच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

तद्संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से लिखित में नियत तिथि 05.01.2026 तक दावा/आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 04.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक :- 04.12.2025
पेशी दिनांकः- 05.01.2026
मुहर

तहसीलदार
बोड़ला

पेज एक के शेष

हाईकोर्ट ने पूछा- हवाई...

व्यवहार करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है? : अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने केंद्र द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण दिया, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट संतुष्ट नहीं हुआ। अदालत ने टिप्पणी की, ये सब आपके द्वारा संकट आने के बाद उठाए गए हैं। सवाल यह नहीं है। यह स्थिति क्यों उत्पन्न हुई? और आप क्या कर रहे थे? सरकार ने बेंच को बताया कि एक वैधानिक तंत्र पूरी तरह से मौजूद है और इंडिगो को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जिसने माफी मांगी है। अदालत ने केंद्र पर इस बात के लिए भी दबाव डाला कि पायलटों से अधिक काम क्यों कराया गया और भविष्य में ऐसे संकटों से बचने के लिए क्या निवारक कार्रवाई की जा सकती है।

16 साल पहले हुआ था...

लाश को पीएम उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है और घटना की जांच चल रही है। बताया जा रहा है कि ग्राम ठरकी निवासी 75 वर्षीय ठिभू केरकेट्टा खनिज विभाग में सर्वेयर के पद पर सेवानिवृत्त हुआ था और पत्नी 74 वर्षीया महेश्वरी केरकेट्टा के साथ रहता था। बुजुर्ग दम्पति का पुत्र सुनील घर से लगभग 150 मीटर दूर स्थित अपने दूसरे घर में रहता है जबकि उसकी बेटी बेटी अनीता तिर्की अंबिकापुर में रहती है। 10 दिसंबर की सुबह वृद्ध ने अपनी बेटी अनीता तिर्की को फोनकर बताया कि उसने महेश्वरी केरकेट्टा की हत्या कर दी है। ऐसे में महिला ने घटना की जानकारी अपने भाई को दी। सूचना मिलने के बाद जब सुनील मौके पर पहुंचा तो उसकी मां घर के अंदर परछी में पलंग से नीचे खून से लथपथ मृत पड़ी हुई थी। महिला के बाएं कान के नीचे टांगी से वार करने के निशान थे। ऐसे में सुनील केरकेट्टा ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा मर्ग पंचनामा उपरान्त लाश को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द किया गया।

यहां से विवाद....

से वारकर हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस द्वारा आरोपी को हिरासत में लिया गया है और घटना की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी राजपुर भारद्वाज सिंह ने बताया कि सूचना के बाद पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है। इसके साथ ही आरोपी को हिरासत में लिया गया है।

यूनेस्को की अमूर्त...

रहा है। इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में आठ से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित सूची में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे हवा में गूंज उठे। विभिन्न पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने मुख्य मंच के सामने प्रस्तुति दी और एक बड़ी स्क्रीन पर दीपावली उत्सव के चित्र प्रदर्शित किए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और वृद्धि होगी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत और दुनिया भर के लोग रोमांचित हैं। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के 20वें सत्र के दौरान दीपावली के इस सूची में शामिल होने की घोषणा के तुरंत बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की ओर से एक बयान दिया। यह मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने वाली भारत की 16वीं सांस्कृतिक परंपरा है।

'हर एक राज्य रंगीन कपड़ा, धागा और सुई वंदे मातरम'

नई दिल्ली। सांसद सुधा मूर्ति ने राज्यसभा में कहा, इंडिया एक रजाई जैसा है। हर राज्य एक रंगीन कपड़े का टुकड़ा है और धागा और सुई वंदे मातरम, राष्ट्रीय गीत है, जो यह सब सिलता है और एक सुंदर रजाई बनाता है। अथर्ववेद में एक कहावत है, जिसका मतलब है कि हमारी मां हमारी जमीन है और हम अपनी मातृभूमि के बच्चे हैं और यह अब बहुत पुराना समय नहीं है।' उन्होंने सरकार से प्राइमरी और हाई स्कूल में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गाना अनिवार्य करने का आग्रह किया।

राशिफल

मेष कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा संख्याः- सीपीएम-इंजी-जीएसयु-बीएसपी-10-25-26, दिनांकः 05.12.2025

कार्यः "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर डिवीजन के अधीन, उप मुख्य अभियंता/जीएसयू/बीएसपी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत गैर-एलसी स्थान मरही माता मंदिर में किमी 796/7-11 पर एलएचएस (आकार 6 मीटर x 3 मीटर और बैरल लंबाई 30 मीटर) का निर्माण।"
निविदा मूल्य (रू.): 13,98,09,725.55/-, **अमानत राशि (रू.):** 8,49,100.00/-, **कार्य पूर्णता की अवधिः** 18 माह।
निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः दिनांक 12.12.2025 से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः** दिनांक 26.12.2025 के 15:30 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

सहायक मंडल अभियंता (गतिशक्ति)
सीपीआर/10/525 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे

शुद्धिपत्र सं.-01

निविदा सूचना सं.EPC-CECONIIIBBS2025035
दिनांक : 27.08.2025

उपरोक्त निविदा सूचना में निम्नलिखित परिवर्तनीय सुधार कर दिये गये हैं, जिसे कृपया नोट किया जाना चाहिए।

विषय : निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :-

प्रकाशित अनुसार	अब पढ़ा जाना चाहिए
24.12.2025 को 1200 बजे	23.01.2026 को 1200 बजे

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/भुवनेश्वर
PR-184/CI/25-26

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

कब्जा सूचना

संदर्भः सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के अंतर्गत कब्जा सूचना

चूंकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम संख्या 54, 2002) के अंतर्गत तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दिए गए संबंधित तिथियों पर जारी किए गए मांग नोटिस के अनुसरण में, आप से/ऋणधारकों से, नीचे नामित, संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। तथापि, आप/उधारकर्ता सभी निर्धारित समय के भीतर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड** ने सरफेसी एक्ट, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, इसके तहत नियमों को पढ़ते हुए, नीचे उल्लिखित सुरक्षित परिसंपत्तियों को अपने **कब्जे** में ले लिया है :

क्र. सं.	ऋणधारक (ओं)/ सह ऋणधारक (ओं)/ जमानतदारों के नाम	बंधक रखी गयी संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की तिथि को कुल बकाया राशि (रू. में)	कब्जा की तिथि
1.	मनप्रीत सिंह, निर्जन सिंह	प्लॉट-पुराना ख.नं.- 2358/1, नया ख.नं.- 2358/5 व प.ह.नं.12 धौर, रा.नि.मं. दुर्ग, तहसील एवं जिला- दुर्ग (छ.ग.), धौर, छत्तीसगढ़-490024 चौहद्दी: उत्तर - बिमला तकरी का प्लॉट, दक्षिण - सड़क, पूरब- अन्य प्लॉट, पश्चिम - सड़क।	03-10-2025	7,29,955	08-12-2025
2.	गिरवरलाल बंजारे, चन्द्रशेखर बंजारे	मकान - छत्तीसगढ़ हाऊसिंग बोर्ड अटल आवास योजना मुंगी, चरण-1, मकान नं. 344, ख.नं. 66/1, 631/1 भाग, प.ह.नं.13, मौजा- मुंगी, रा.नि.मं.- मंदिरहसौद, तहसील- आरंग, जिला - रायपुर, छत्तीसगढ़-493225 चौहद्दी - उत्तर - सड़क, दक्षिण - मकान नंबर 343, पूर्व - सड़क, पश्चिम - मकान नंबर 345।	03-10-2025	5,64,923	08-12-2025
3.	मुस्तकीम के, समा परवीन	फ्लैट-खसरा नं. 129/4, जिसका पुन: क्रमांकन खसरा नं. 129/52 किया गया है, खसरा नं.129/4 का भाग, नया खसरा नं. 129/52, प.ह.नं. 100/28, मौजा- अछोली, हरि ठाकुर वार्ड संख्या 08, रा.नि.मं.- धरसीवां, तहसील/जिला- रायपुर, छत्तीसगढ़- 492003 चौहद्दी: उत्तर - विक्रेता का शेष प्लाट, दक्षिण - सड़क, पूर्व - गुड्डू खान का प्लाट, पश्चिम - विक्रेता का शेष प्लाट।	03-10-2025	6,53,125	08-12-2025
4.	चंदन देवांगन, बिटावन	प्लॉट-नया खसरा नं.-269/337; प.ह.नं. - 86, खसरा नं. 269/3 का भाग, जिसका पुन: क्रमांक ख.नं. 269/337 क्षेत्रफल 1000 वर्ग फुट या 0.0093 हेक्टेयर है। संपत्ति स्थित - मौजा रावाभाठा, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, वार्ड नं. 12, प.ह.नं. 100/28/86, आर.आई.सी. रायपुर-21-रावाभाठा, तहसील धरस., रायपुर, छत्तीसगढ़-492003 में स्थित है। चौहद्दी: उत्तर: पटेल के स्वामित्व वाली भूमि, दक्षिण - बालाजी पॉलीप्लास्ट और अग्रवाल के स्वामित्व वाली भूमि, पूर्व- खसरा नं. 269 का भाग, पश्चिम: - खसरा नं.308 का भाग।	03-10-2025	22,19,937	08-12-2025
5.	राणा प्रताप संधू, हरदीप कौर	फ्लैट -फ्लैट नं. एस-302, दूसरी मंजिल, ब्लॉक-एस, खसरा नं. 238/10, संपत्ति स्थिति - मौजा जरवे उर्फ हीरापुर, आरडीए कॉलोनी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवास योजना के अंतर्गत, हीरापुर, प.ह.नं. 103/35, आर.आई.सी. रायपुर-2, हीरापुर, तहसील रायपुर (छ.ग.), रायपुर, छत्तीसगढ़-492001 चौहद्दी: उत्तर- उपयोगी क्षेत्र, दक्षिण-फ्लैट नं. 301, पूर्व - फ्लैट नं. 303, पश्चिम - खुला क्षेत्र।	03-10-2025	5,77,739	08-12-2025

ऋणधारक द्वारा राशि वापस करने में असफल रहने के कारण, ऋणधारक/जमानतदार और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के साथ उक्त नियम के नियम 8 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऊपर उल्लिखित तिथि को नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्जा ले लिया है।
ऋणधारकों/जमानतदारों और **आम जनता** को एतद्द्वारा आगाह किया जाता है कि वे ऊपर उल्लिखित संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों या उसके किसी भाग के साथ लेन-देन न करें और उक्त संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के साथ कोई भी लेन-देन होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा, जो संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के विरुद्ध ऊपर उल्लिखित राशि के लिए है, **जो पूर्ण भुगतान होने तक**

ऋणधारक का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

स्थानः रायपुर, भिलाई
दिनांकः 11-12-2025

प्राधिकृत अधिकारी,
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

शब्द पहेली - 6074

बाएँ से दाए
1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यिशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे
1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली - 6073 का हल

सूडोकु नवताल - 6084

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6083 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

खबर संक्षेप

एयरपे को सीमापार भुगतान 'एग्रीगेटर' की मंजूरी मिली

मुंबई। एयरपे पेमेंट सर्विसेज को सीमापार भुगतान 'एग्रीगेटर' के रूप में काम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी मिल गई है। ऑनलाइन, भौतिक एवं सीमापार श्रेणियों में भुगतान 'एग्रीगेटर' के रूप में काम करने का लाइसेंस मिल गया है। यह उपलब्धि एयरपे को घरेलू एसएमई के लिए एक पूर्ण भुगतान रूप में स्थापित करती है। एयरपे पेमेंट सर्विसेज के संस्थापक कुणाल झुनझुनवाला ने कहा, ''भारतीय व्यापार की वृद्धि अब केवल घरेलू नहीं रह गई है।

अमेजन भारत में करेगी 35 अरब डॉलर का निवेश, मिलेगी 10 लाख नौकरियों की सौगात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने भारत में 2030 तक अपने सभी व्यवसायों में 35 अरब अमेरिकी डॉलर का भारी निवेश करने की योजना की बुधवार को घोषणा की। कंपनी का मकसद कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना है।

अमेजन ने यह घोषणा माइक्रोसॉफ्ट द्वारा भारत में 2030 तक डेटा सेंटर, एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिज्ञा जताने के एक दिन की है। इससे पहले गूगल ने अगले पांच वर्षों में एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

कंपनी का भारत से निर्यात 80 अरब डॉलर करने का लक्ष्य

अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने भारत से निर्यात को चौगुना कर 80 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है जो अभी करीब 20 अरब डॉलर है। साथ ही 2030 तक अतिरिक्त 10 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य रखा है। अग्रवाल ने कहा, ''अमेजन ने 2010 से अब तक भारत में 40 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। अब हम 2030 तक भारत में अपने सभी व्यवसायों में 35 अरब अमेरिकी डॉलर का और निवेश करेंगे।''

अमेजन भारत में 3.7 अरब डॉलर का कर चुकी निवेश

कंपनी 2016 और 2022 के बीच भारत में पहले ही 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर चुकी है। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है जिसमें पूर्ति केंद्र, परिवहन नेटवर्क, डेटा केंद्र, डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचा एवं प्रौद्योगिकी विकास शामिल हैं।

कंपनी ने 2024 में 28 लाख नौकरियां की है सृजित

'कीस्टोन' रिपोर्ट के अनुसार अमेजन ने 1.2 करोड़ से अधिक छोटे व्यवसायों का डिजिटलीकरण किया है और 20 अरब अमेरिकी डॉलर के संचयी ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाया है जबकि 2024 में भारत में विभिन्न उद्योगों में लगभग 28 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरियां सृजित की हैं।

लॉजिस्टिक्स जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ेगा

अमेजन ने कहा कि 2030 तक कृत्रिम मेधा और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में उसके निवेश से भारत में अतिरिक्त 10 लाख नौकरियां उत्पन्न करने में मदद मिलेगी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन..वॉलमार्ट समर्थित फ्लिपकार्ट के साथ-साथ अरबपति मुकेश अंबानी की घरेलू कंपनियों और इंटर्नल लिमिटेड की ब्लिंकट, स्विगी लिमिटेड की इंस्टामार्ट एवं जेप्टो जैसी तुरंत 'डिलीवरी' करने वाली कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए निवेश बढ़ा रही है।

बिजनेस साइट

क्लासिक ग्रुप के 'प्राइस हाइक का क्लासिक रिलीफ' ऑफर को मिला शानदार रिस्पॉन्स

रायपुर। रियल एस्टेट की अग्रणी कंपनी क्लासिक ग्रुप ने 'प्राइस हाइक का क्लासिक रिलीफ' नाम से विशेष ऑफर की पेशकश की है। रजिस्ट्री चार्जेस में हाल ही में हुई बढ़ोतरी के बीच लांच किया गया यह ऑफर घर खरीदने वालों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है। इस लिमिटेड पीरियड ऑफर के तहत क्लासिक ग्रुप के किसी भी प्रोजेक्ट में आशियाना की बुकिंग कराने पर 100% रजिस्ट्री फ्री की एक बड़ी सुविधा लोगों को मिल रही है।

ग्राहकों का कहना है कि रजिस्ट्री पर होने वाली भारी बचत ने घर खरीदने के निर्णय को काफी आसान बना दिया है। इसी कारण पिछले कुछ दिनों में बुकिंग और साइट विजिट्स में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह ऑफर क्लासिक ग्रुप के तीन प्रमुख प्रोजेक्ट्स - कचना स्थित क्लासिक कैसेल, विधानसभा रोड का सुमीत लैंडस्कैप और अमलीडीह स्थित क्लासिक टावर्स पर लागू है, जिनमें खरीददारों को आकर्षक लाभ मिल रहे हैं। क्लासिक ग्रुप की ओर से बताया गया कि इस ऑफर का उद्देश्य ग्राहकों को आर्थिक बचत के साथ एक बेहतर और आधुनिक लाइफस्टाइल उपलब्ध कराना है। ग्रुप ने स्पष्ट किया कि यह लिमिटेड पीरियड ऑफर है और तेजी से हो रही बुकिंग को देखते हुए वर्तमान समय प्लॉट या फ्लैट खरीदने के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।

डॉ. अग्रवाल ने फंगल इन्फेक्शन को लेकर फैलाई जागरूकता

रायपुर। सिटी कोतवाली चौक और बैरन बाजार स्थित डॉ नरेन्द्र अग्रवाल क्लीनिक की ओर से क्षेत्र में फंगल इन्फेक्शन के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोगों में जागरूकता फैलाई जा रही है। इस दौरान प्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ नरेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि फंगल इन्फेक्शन फंगस नामक सूक्ष्मजीव के कारण होता है, जो नमी, गर्मी और कमजोर इम्यूनिटी वाली जगहों पर तेजी से बढ़ता है। उन्होंने कहा कि यह संक्रमण सीधे संपर्क, संक्रमित वस्तुओं और दूषित मिट्टी से फैल सकता है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि फंगल इन्फेक्शन के मुख्य कारणों में संक्रमित व्यक्ति या जानवर के संपर्क में आना, पसीना और नमी वाले स्थान, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली, खराब स्वच्छता और त्वचा पर चोट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जिम, स्विमिंग पूल, साझा बाथरूम और गंदे तौलिए या कपड़े इस्तेमाल करने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि एंटीबायोटिक्स और स्टेरॉयड का अधिक उपयोग फंगस के संतुलन को बिगाड़ सकता है। वहीं ज्यादा चीनी और प्रोसेस्ड फूड का सेवन करने से भी फंगल इन्फेक्शन की संभावना बढ़ सकती है। अंत में डॉ नरेन्द्र अग्रवाल ने लोगों से अपील की कि वे पसीने वाली जगहों को सूखा रखें, साफ-सफाई का ध्यान रखें, व्यक्तिगत वस्तुएं साझा न करें और किसी भी प्रकार के त्वचा संक्रमण को हल्के में न लें।

चांदी एक दिन में 11,500 रुपए प्रति किग्रा उछली, सोना भी तेज

नई दिल्ली। वैश्विक संकेतों के कारण मजबूत घरेलू मांग आने के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में चांदी 11,500 रुपये की जबर्दस्त उछाल के साथ 1,92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। यह पिछले दो महीनों के दौरान एक कारोबारी दिवस में चांदी की कीमत में आई सबसे बड़ी तेजी रही।अखिल भारतीय सराफा संघ ने कहा कि स्थानीय खुदरा बाजारों में बुधवार को चांदी 11,500 रुपये चढ़कर 1,92,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। मंगलवार को चांदी 1,80,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। इस साल अब तक चांदी की कीमतों में कुल 1,02,300 रुपये यानी 114.04 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है। इसकी कीमत 31 दिसंबर, 2024 को 89,700 रुपये प्रति किग्रा थी।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)
मोतिहारी, पूर्वी चंपारण, बिहार - 845401
वेबसाइट: www.mgcub.ac.in | ईमेल: osdadmin@mgcub.ac.in

पीएच.डी. में प्रवेश के लिए अधिसूचना (2025-26)

पीएचडी कार्यक्रमों (शैक्षणिक वर्ष 2025-26) के लिए ऑनलाइन आवेदन समर्थ पोर्टल: https://mgcubadm.samarth.edu.in के माध्यम से आमंत्रित किए जाते हैं। पात्रता, कार्यक्रम विवरण और दिशा-निर्देशों के लिए, www.mgcub.ac.in पर जाएं।

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 26 दिसंबर 2025 (शुक्रवार)

cbc 21336/12/0002/2526

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल संभाग -01 रायपुर (छ.ग.)

तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना
विज्ञापन क्र.- 380

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संभाग- 01 रायपुर अंतर्गत कबीर नगर रायपुर स्थित फेस- 03 एवं 04 में 27 एम.आई.जी. डुप्लेक्स एवं 06 सीनियर एच.आई.जी. डुप्लेक्स स्वतंत्र भवनों के शेष निर्माण/विकास कार्य हेतु प्री-क्वालीफिकेशन के आधार पर तृतीय बार ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना मण्डल की वेबसाईट www.cghb.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यालयीन समय पर कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संभाग- 01 रायपुर में संपर्क कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता
S-46195/1 मो.नं. 9424209026

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग, कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 181215 /निविदा सूचना क्रमांक 34/ वलेलि/2025-26, दिनांक 09.12.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 30.12.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम : कांकेर जिले के पैरीनाला धनेसरा मुड़पार से महानदी पुल तक 1.50 कि.मी. दांयी भाग का पिचिंग कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 970.19 लाख

(एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 16.12.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट:- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कांकेर
कृते मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, छ.ग.
G-252605361/5

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) बिलासपुर (छ.ग.)
दूरभाष नं. 07752-225545, फैक्स नं. 07752-225545,
E-mail Id :- actd.bilaspur@nic.in

:: दावा आपत्ति हेतु सूचना पत्र ::

क्रमांक / DA-JGUA / वन अधि / नियुक्ति / 2025 - 26/3416
बिलासपुर, दिनांक 09/12/2025

कार्यलय कलेक्टर आदिवासी विकास बिलासपुर के विज्ञापन क्रमांक / DA-JGUA / वन अधि / नियुक्ति / 2025 - 26 / 2496 बिलासपुर, दिनांक 07/10/2025 के द्वारा जिला परियोजना समन्वयक (समन्वयक वन अधिकार अधिनियम) एवं एमआईएस सहायक (वन अधिकार अधिनियम) हेतु प्रकाशित विज्ञापन के संबंध में प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण उपरांत पात्र/ अपात्र की सूची जिले की वेबसाइट साईट www.bilaspur.gov.in में अपलोड किया गया है एवं कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास बिलासपुर के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है। यदि प्रकाशित सूची पर किसी आवेदक को आपत्ति हो तो प्रमाणित दस्तावेज के साथ दिनांक 24.12.2025 तक कार्यालयीन समय 5.30 बजे तक अपना दावा आपत्ति जमा कर सकते है। निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किये जायेंगे। दावा आपत्ति पर चयन समिति का निर्णय अंतिम होगा।

सहायक आयुक्त,
आदिवासी विकास बिलासपुर
G-252605368/1

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला - कबीरधाम छ.ग.

क्रमांक/जि.भण्डार/2025/8352 कबीरधाम दिनांक 08/12/2025

कार्यालयीन निविदा क्रमांक/ डीएमएफ/ 2025/ 4713/ कबीरधाम दिनांक 04.08.2025 को सत्र 2025-26 हेतु रूचि की अभिव्यक्ति रखने वाले पंजीकृत फर्म से बैगा बाहूल्य क्षेत्र में बाईक एम्बुलेंस संचालन हेतु निविदा आमंत्रित किया गया था, जिसकी निविदा क्रमांक 252602625 / 3-4 है।

अपरिहार्य कारणो से उक्त निविदा को निरस्त किया जाता है तथा पुनः सत्र 2025-26 हेतु रूचि की अभिव्यक्ति रखने वाले पंजीकृत फर्म से बैगा बाहूल्य क्षेत्र/ पहुंच विहिन क्षेत्र विकासखण्ड पंडरिया एवं बोड़ला में बाईक एम्बुलेंस संचालन हेतु मुहरबंद निविदा पंजीकृत डॉक से रेट कांट्रेक्ट के आधार पर आमंत्रित की जाती है, निविदा फार्म प्राप्त करने हेतु राशि 1000 /- का चालान विभागीय मुख्य शीर्ष 0210 मेडिकल एंड पब्लिक हेल्थ 01 अर्बन हेल्थ, 800 अन्य प्राप्तियां में जमा कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कबीरधाम के पक्ष में देय होगा, जो कि किसी भी परिस्थिति में वापसी योग्य नहीं होगा। निविदा फार्म दिनांक 24. 12.2025 अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

स्थान- कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कबीरधाम छ.ग.

01. निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 24.12.2025 अपराह्न 05:00 बजे।
02. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 26.12.2025 अपराह्न 02:00 बजे।
03. निविदा खोलने की अंतिम तिथि - 26.12.2025 अपराह्न 03:00 बजे।

निविदा क्रमांक 252602625/3
निविदा क्रमांक 252602625/4

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला- कबीरधाम छ.ग.
G-252605349/3

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट सेंसेक्स 275 अंक टूटा

मुंबई। टिकाऊ उपभोक्ता, निजी बैंकों और आईटी शेयरों में बिकवाली के बीच स्थानीय शेयर बाजार के मानक सूचकांक बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 275 अंक गिर गया जबकि निफ्टी में 82 अंक की गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 275.01 अंक गिरकर 84,391.27 अंक पर बंद हुआ। यह 11 नवंबर के बाद इसका सबसे निचला स्तर है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 85,020.34 के ऊपरी और 84,313.62 के निचले स्तर को छुआ। निफ्टी भी अंतिम घंटे की बिकवाली के दबाव में 81.65 अंक गिरकर 25,758 अंक पर बंद हुआ।

कच्चे कपास के आयात पर से शुल्क हटाने का आग्रह

मुंबई। भारतीय कपास संघ (सीएआई) ने सरकार से कच्चे कपास के आयात पर 11 प्रतिशत सीमा शुल्क हटाने का आग्रह किया, क्योंकि कम उत्पादन के कारण घरेलू कीमतें बढ़ रही हैं, जिससे कपड़ा उद्योग प्रभावित हो रहा है। बाजार चुनौतियां, जो कम घरेलू उत्पादकता और उच्च एमएसपी के कारण हैं, ने भारतीय कपास को अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में महंगा बना दिया है। सीएआई के अध्यक्ष विनय एन कोटक ने कहा, 'भारत में कपास आयात पर लगाया गया 11 प्रतिशत आयात शुल्क न केवल कीमतों को विकृत करता है, बल्कि हमारे कपड़ा उद्योग की परेशानी को भी बढ़ाता है।' उन्होंने कहा कि अगर 11 प्रतिशत आयात शुल्क नहीं हटाया गया, तो भारतीय कपड़ा उत्पाद प्रतिस्पर्धी नहीं रहेंगे, और खरीदार वियतनाम, बांग्लादेश, पाकिस्तान और अन्य बाजारों में चले जाएंगे।

भारत में डेटा सेंटर की बढ़ती क्षमता से उत्साहित नडेला

नई दिल्ली । अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने बुधवार को कहा कि वह भारत में अपनी कंपनी की ओर से स्थापित की जा रही डेटा सेंटर क्षमता को लेकर उत्साहित हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ कंपनी की निवेश योजनाओं पर चर्चा की है।

नडेला ने देश के कृत्रिम मेधा (एआई)-प्रधान भविष्य के लिए बुनियादी ढांचे और स्वायत्त क्षमताओं के निर्माण में मदद करने के लिए 2030 तक 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की है। यह पिछले दो महीनों में देश में तीसरा बड़ा एआई-संचालित निवेश है। सीईओ ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट की निवेश योजना भारत की प्रौद्योगिकी प्रगति का प्रतीक है और वह देश में तैयार हो रही डेटा सेंटर क्षमता को लेकर उत्साहित हैं।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल / महा.प्र. / कुस.क्षेत्र / भू.रा. / 2025 / 1284 दिनांक 16.11.2025

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र द्वारा ग्राम खोड़री के 120.959 हे. की भूमि का अर्जन सी.बी.ए.एक्ट (ए.एण्ड डी) अधिनियम 1957 के तहत किया गया है, जिसमें लागू सी.आई.एल. (आर.एण्ड आर.) पालिसी 2012 के अनुसार घटते क्रम (रकबा के) Concept के आधार पर 113 भू-स्वामियों / आश्रितों की पात्रता बनती है, जिसमें से 03 भूस्वामी / आश्रित द्वारा रोजगार हेतु नामांकन पत्र जमा किया गया है, जिसका विवरण अधो लिखित तालिकानुसार है:-

क्र.	स्टेटमेंट 5 के अनुसार भूस्वामी का नाम / पिता का नाम	खसरा नम्बर	रकबा (हे. में)	कुल रकबा (हे. में)	उम्मीद्वार का नाम (नामांकित व्यक्ति का नाम) एवं खातेदार से संबंध	भूस्वामियों / नामित उम्मीद्वार द्वारा जमा किए गए पत्रों में भूस्वामी / उम्मीद्वार का नाम			टिप्पणी
						विभिन्न दस्तावेज	विभिन्न दस्तावेज के आधार पर खातेदार का नाम	विभिन्न दस्तावेज के आधार पर उम्मीद्वार का नाम	
1	नकुलसिंह पिता पुरन सिंह	3/1 29/1 29/5 35/1 35/4 60/1 90 113/1 148/1 156/1 242/1ञ 319/1 328/1 333/1 25/3	0.133 0.081 0.101 0.133 0.061 0.125 0.040 0.117 0.061 0.040 0.081 0.036 0.045 0.093 0.089	1.236	दूज बाई पति नकुल सिंह (संबंध- पत्नि)	नामांकन पत्र सत्यापन घटते क्रम सूची के अनुसार क्र. - 11 स्टेटमेंट 1 A बी- 1 वर्ष 2017-17 बी- 1 वर्ष 2022-23 पी- 2 वर्ष 2016-17- 2020-21 पी- 2 वर्ष 2022-23 ऋण पुस्तिका नामांतरण पंजी वंशवृक्ष निवास प्रमाण पत्र जाति प्रमाण पत्र शैक्षणिक प्रमाण पत्र रोजगार पंजी आधार कार्ड	नकुल सिंह पिता पुरन सिंह नकुल सिंह पिता पुरन सिंह नकुलसिंह पिता पुरन सिंह नकुलसिंह पिता पुरन सिंह नकुलसिंह पुत्र पुरनसिंह नकुलसिंह पुत्र पुरनसिंह नकुलसिंह पुत्र पुरनसिंह नकुलसिंह पुत्र पुरनसिंह नकुलसिंह व. पूरनसिंह नकुलसिंह - पूरनसिंह नकुल सिंह पिता स्व. पूरन सिंह ---- ---- --- ---- नकुल सिंह पिता पूरनसिंह	दूज बाई पति नकुल सिंह दूजबाई पति नकुल सिंह --- --- --- --- --- --- दूज बाई पति नकुल सिंह दूज बाई पति नकुल सिंह दूज कुंवर पिता अनंद सिंह --- DUJ BAI W/O NAKUL SINGH दूज बाई पति नकुल सिंह	खातेदार एवं उम्मीद्वार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों / दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।
1	गोपालसिंह पिता दुलारसाय कंवर	62/2 97 144/2 161 168/2 181 323/2 325/2	0.093 0.251 0.040 0.065 0.109 0.053 0.061 0.117	0.789	गोपाल सिंह पिता दुलारसाय (संबंध-स्वयं)	नामांकन पत्र सत्यापन घटते क्रम सूची के अनुसार क्र. - 27 स्टेटमेंट 1 A बी- 1 वर्ष 2016-17 बी- 1 वर्ष 2019-20 पी- 2 वर्ष 2016-17- 2020-21 पी- 2 वर्ष 2019-20 ऋण पुस्तिका नामांतरण पंजी वंशवृक्ष निवास प्रमाण पत्र जाति प्रमाण पत्र शैक्षणिक प्रमाण पत्र रोजगार पंजी आधार कार्ड	गोपाल सिंह पिता दुलारसाय कंवर गोपाल सिंह पिता दुलारसाय कंवर गोपालसिंह पिता दुलारसाय कंवर गोपालसिंह पिता दुलारसाय कंवर गोपालसिंह पिता दुलारसाय कंवर गोपाल सिंह पिता दुलार साय गोपाल सिंह पिता दुलारसाय गोपाल सिंह पिता दुलार साय गोपाल पिता दुलारसाय कंवर गोपालसिंह पि0 दुलारसाय कंवर गोपाल सिंह पिता दुलार साय ---- ---- --- ---- गोपाल सिंह पिता दुलारसाय	गोपाल सिंह पिता दुलारसाय कंवर गोपालसिंह पिता दुलारसाय कंवर --- --- --- --- --- --- --- --- गोपाल सिंह पिता दुलार साय गोपाल सिंह पिता दुलार साय गोपाल सिंह पिता दुलार साय 10TH & GOPAL SINGH s/o DULARSAY GOPAL SINGH s/o DULAR SAY गोपाल सिंह पिता दुलारसाय	खातेदार एवं उम्मीद्वार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों / दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।
1	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह	52/4 221/3 240/9 240/11 335/4	0.154 0.097 0.045 0.040 0.085	0.421	सरिता कंवर पति रामेश्वर सिंह (संबंध- पत्नि)	नामांकन पत्र सत्यापन घटते क्रम सूची के अनुसार क्र.- 88 स्टेटमेंट 1 A बी- 1 वर्ष 2017-17 बी- 1 वर्ष 2019-20 पी- 2 वर्ष 2016-17- 2020-21 पी- 2 वर्ष 2019-20 ऋण पुस्तिका नामांतरण पंजी वंशवृक्ष निवास प्रमाण पत्र जाति प्रमाण पत्र शैक्षणिक प्रमाण पत्र रोजगार पंजी आधार कार्ड	रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह रामेश्वर सिंह पिता लछन सिंह रामेश्वर सिंह पि. लछनसिंह कंवर रामेश्वर सिंह पिता स्व. लछन सिंह ---- ---- --- ---- रामेश्वर सिंह पिता लछन	सरिता कंवर पति रामेश्वर सिंह सरिता कंवर पति रामेश्वर सिंह --- --- --- --- --- --- --- --- सरिता कंवर पति रामेश्वर सिंह सरिता कंवर पति रामे वर सिंह सरिता पिता चमरा सिंह 8TH-कु. सरिता आत्मजा चमरा सिंह SARITA D/O CHAMRA SINGH सरिता कंवर पति रामेश्वर सिंह कँवर	खातेदार एवं उम्मीद्वार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों / दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।

उक्त भूस्वामी / नामांकित व्यक्ति (उम्मीद्वार) के रोजगार या उनके नाम के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की यदि आपत्ति हो तो वे प्रकाशन दिवस से 7 दिनों के अंदर अपना दावा आपत्ति महाप्रबंधक, कार्यालय एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र में प्रस्तुत कर सकते है, दिये गये समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

SECL/25-26/255 स्टाफ अधिकारी (भू.रा.), एसईसीएल, कुसमुण्डा क्षेत्र

अर्जेंटीना को हराकर भारत ने 9 साल बाद जीता पदक, ब्रॉन्ज मेडल पर किया कब्जा

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारत ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया है। टीम इंडिया ने अर्जेंटीना को मात दी और 4-2 से जीत हासिल की. भारत ने 9 साल बाद जूनियर मेंस हॉकी में पदक जीता है। दो बार (होबार्ट 2001 और लखनऊ 2016) में चैंपियन रही भारतीय टीम ने आखिरी बार नौ साल पहले कोई पदक जीता था।

पिछले दो बार टीम कांस्य पदक का मुकाबला हारकर चौथे स्थान पर रही थी। भारत के लिए अंकित पाल (49वां), मनमीत सिंह (52वां), शारदानंद तिवारी (57वां) और अनमोल इक्का (58वां) ने गोल दागे। वहीं अर्जेंटीना के लिए निकोलस रोड्रिगेज (पांचवां) और सैंटियागो फर्नांडिस (44 वां) ने गोल किए।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारत ने 4-2 से अर्जेंटीना को दी मात

आखिरी क्वार्टर में धमाकेदार वापसी

पहले तीन क्वार्टर तक भारत 0-2 से पीछे था, लेकिन आखिरी क्वार्टर में टीम ने शानदार वापसी की और एक के बाद एक चार गोल दागकर दर्शकों में नया जोश भर दिया। 49वें मिनट में भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे अंकित पाल ने गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। 52वें मिनट में भारत को फिर एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। अनमोल इक्का के शॉट पर गेंद डिफ्लेक्ट होकर मनमीत सिंह की स्टिक से टकराई और गोल के अंदर चली गई। स्कोर 2-2 से बराबर हो गया। जब लग रहा था कि मैच शूटआउट में जाएगा, तभी मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले भारत को एक अहम पेनल्टी स्ट्रोक मिला। शारदानंद तिवारी ने इसे गोल में बदला और भारत को पहली बार मैच में बढ़त दिलाई। इसके अगले ही मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे अनमोल इक्का ने गोल में बदलकर स्कोर 4-2 कर दिया।

जर्मनी ने आठवीं बार जीता जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप

चेन्नई। जर्मनी ने बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में स्पेन को शूटआउट में 3-2 से हराकर आठवीं बार जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप जीत लिया। सेमीफाइनल में भारत को हराने वाली जर्मनी के लिए बेनेडिक्ट गेयेर, एलेक वोन श्वेरिन और बेन हासबाश ने गोल किए जबकि स्पेन के लिए पाब्लो रोमन और जुआन प्राडो ही गोल कर सके। इससे पहले निर्धारित समय में जर्मनी के लिए 26वें मिनट में जस्टस वारवेग ने गोल किया जबकि स्पेन के लिए 54वें मिनट में जी कोरोमिनास ने बराबरी का गोल दागा। जर्मन टीम सात बार (1982, 1985, 1989, 1993, 2009, 2013, 2023) खिताब जीत चुकी है। वहीं स्पेन ने 2005 में रोटरडम और 2023 में भुवनेश्वर और राउरकेला में हुए टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले पांचवें और छठे स्थान के मुकाबले में बेल्जियम ने नीदरलैंड को शूटआउट में 4-3 से हराया।

खबर संक्षेप

कार्तिक बने लंदन स्पिरिट के मेंटर

लंदन। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को द हंड्रेड की टीम लंदन स्पिरिट का मेंटर (मार्गदर्शक) और बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी ने यह घोषणा की है। कार्तिक पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग से इतर सहयोगी स्टाफ की भूमिका निभाएंगे। वह आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ इसी भूमिका में काम करते हैं। लंदन स्पिरिट के क्रिकेट निदेशक बोबाट ने कहा, 'डीके (दिनेश कार्तिक) का लंदन स्पिरिट में स्वागत करना हमारे लिए खुशी की बात है। उन्हें क्रिकेट का बहुत अच्छा ज्ञान है और खेल के सबसे छोटे प्रारुप में फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनका व्यापक अनुभव हमारे लिए अमूल्य साबित होगा।'' कार्तिक ने आईपीएल 2024 के बाद घरेलू क्रिकेट में एक खिलाड़ी के रूप में अपना करियर समाप्त कर दिया था, लेकिन वे अन्य लीग में खेलते हैं। 40 वर्षीय कार्तिक वर्तमान में यूएई की आईएलटी20 लीग में शारजाह वॉरियर्स की टीम में शामिल हैं।

16 फरवरी से भारतीय निशानेबाजी लीग

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) के पहले सत्र का आयोजन अगले साल 16 से 26 फरवरी तक किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने यह जानकारी दी। बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से टकराव से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ(आईएसएसएफ) के 2026 कैलेंडर के हिसाब से तारीखें तय की गई हैं। लीग को इससे पहले 2026 की शुरुआत तक टाल दिया गया था। फ्रेंचाइजी आधारित इस लीग में कई शीर्ष भारतीय और अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज पिस्टल, राइफल और शॉटगन वर्ग में मिश्रित टीम प्रारुप में मुकाबला करेंगे। एनआरएआई अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, 'एसएलआई हमारे खेल के लिए एक मील का पत्थर है, जो फ्रेंचाइजी आधारित, खिलाड़ियों को तरजीह देने वाला है और अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व के लिए वैश्विक कैलेंडर के हिसाब से है।'

9 मार्च से पहली राष्ट्रमंडल खो-खो चैंपियनशिप

नई दिल्ली। अगले साल 9 से 14 मार्च तक भारत में होने वाली पहली राष्ट्रमंडल खो-खो चैंपियनशिप में 24 से ज्यादा देश शिरकत करेंगे। हालांकि इसके लिए भारत में जगह अभी तय नहीं हुई है। राष्ट्रमंडल खेल (सीएस) की भारत में चैंपियनशिप के लिए मंजूरी मिलने के बाद भारतीय खो-खो महासंघ जगह तय करने के लिए कई राज्यों से बात कर रहा है। इस टूर्नामेंट में पुरुषों की 16 और इतनी ही महिलाओं की टीम हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट इस साल जनवरी में दिल्ली में हुए पहले खो-खो विश्व कप की तरह होगा, जिसमें 23 देशों ने हिस्सा लिया था।

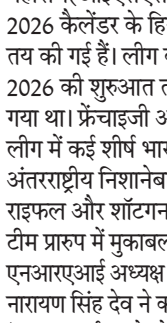

टीम इंडिया को सीरीज में अजेय बढ़त का मौका, भिड़ंत शाम 7 बजे से

शुभमन की धुआंधार पारी का इंतजार द.अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़)

अभी तक सबसे छोटे प्रारुप में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 11 दिसंबर को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने घरेलू मैदान पर फॉर्म में वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांच मैचों की इस श्रृंखला के पहले दो मैचों के बीच केवल एक दिन का अंतराल है और ऐसे में गिल को सीधे मैदान पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

भारत ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 101 रन से करारी शिकस्त दी लेकिन सितंबर में एशिया कप में टी20 टीम में वापसी करने वाले गिल का औसत प्रदर्शन अभी भी चर्चा का विषय बना हुआ है। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन टी20 में वह अपनी इस सफलता को नहीं दोहरा पाए हैं, जिससे उन पर दबाव बनना स्वाभाविक है।

अभिषेक का शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन

संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, फिर भी टीम प्रबंधन ने गिल की टी20 सलामी बल्लेबाज के रूप में क्षमता पर अधिक भरोसा दिखाया। इसके बाद संजू की टीम में जगह अनिश्चित हो गई। टेस्ट और वनडे कप्तान गिल आसानी से वह भूमिका निभा सकते हैं, जो विराट कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप तक भारत के लिए निभाई थी। भारतीय टीम में आठवें नंबर तक बल्लेबाजी के विकल्प मौजूद हैं और उसने अब अपने निडर दृष्टिकोण को और मजबूत कर लिया है, जिससे एक सूत्रधार के लिए बहुत कम जगह बची है। गिल निश्चित रूप से पावरप्ले में अभिषेक शर्मा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं और इसलिए उन्हें यह पता लगाना होगा कि वह अपनी भूमिका कैसे अच्छी तरह निभा सकते हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन भी अगले साल फरवरी मार्च में होने वाले विश्व कप से पहले चिंता का विषय बना हुआ है। उनका विश्व कप से पहले फॉर्म में लौटना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

दक्षिण अफ्रीका के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय होगा क्योंकि उसकी टीम 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 74 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्क्रम ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए। मार्क्रम ने पहले मैच के बाद कहा, 'आजकल टी20 क्रिकेट में चीजों को समझने का ज्यादा समय नहीं मिलता। लेकिन सबसे बड़ा कारण स्पष्ट रूप से साझेदारी न बना पाना, विकेट गिरने के बाद संभल न पाना और लय न बना पाना था। हमें इस पर गौर करना होगा।'

टीमें इस प्रकार

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपाम्ला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

आईसीसी रैंकिंग

रोहित टॉप पर बरकरार दूसरे स्थान पर कोहली

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने 10 दिसंबर को हफ्ते की ताजा रैंकिंग जारी कर दी हैं। इस बार की रैंकिंग में एक खास नजारा देखने को मिला है। वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में रोहित शर्मा टॉप पर बरकरार हैं, वहीं विराट कोहली दूसरे स्थान पर आ गए हैं। रोहित के 781 रेटिंग पॉइंट्स हैं तो विराट के हैं 773 रेटिंग अंक। वहीं केएल राहुल अब 14वें से 12वें स्थान पर आ गए हैं तो श्रेयस अय्यर को नुकसान हुआ है। अय्यर चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं। वह अब 9वें से 10वें स्थान पर खिसक गए हैं। टीम इंडिया के वनडे कप्तान शुभमन गिल पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। इसके अलावा टी20 इंटरनेशनल में अभिषेक शर्मा नंबर 1 पर अपनी बादशाहत को बरकरार रखे हुए हैं।

चक्रवर्ती बिना किसी प्रतिस्पर्धा के नंबर 1 पर

उनके अलावा टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती 782 रेटिंग अंक के साथ बिना किसी प्रतिस्पर्धा के नंबर 1 पर बने हुए हैं। उनके बाद दूसरे स्थान पर हैं जैकब डफी जिनके 699 अंक हैं। टेस्ट गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह टॉप पर हैं और टेस्ट ऑलराउंडर में रविंद्र जडेजा टॉप पर काबिज हैं।

कुलदीप और पंड्या को फायदा : लदीप यादव को भी ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है। वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में उन्हें साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का फल मिला है। वह अब छठे से तीसरे स्थान पर आ गए हैं। टॉप 10 वनडे गेंदबाजों में कुलदीप अकेले भारतीय बॉलर हैं। अगर हार्दिक पंड्या की बात करें तो साउथ अफ्रीका के खिलाफ कटक टी20 में उन्होंने वापसी ही की थी। वापस आते ही 28 गेंद पर उन्होंने 59 रन बनाए। अगले ही दिन अब टी20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में हार्दिक सातवें से चौथे स्थान पर आ गए। टीम रैंकिंग में भारत वनडे और टी20 में नंबर 1 पर बरकरार है।

वेलिंगटन टेस्ट

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 205 रन पर समेटा

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर के चोटिल होने से पहले किए गए शानदार प्रदर्शन की मदद से वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन बुधवार को पहली पारी में 205 रन पर आउट कर दिया।

टिकनर ने 32 रन देकर चार विकेट लिए लेकिन क्षेत्ररक्षण करते समय वह गिर गए और उनके कंधे में चोट लग गई। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। टिकनर को अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे माइकल रे से अच्छा सहयोग मिला। उन्होंने 65 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे वेस्टइंडीज की टीम 75 ओवर में ही सिमट गई। न्यूजीलैंड ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 24 रन बनाए हैं। उस समय डेवोन कॉनवे 16 और कप्तान टॉम लैथम सात रन पर खेल रहे थे। न्यूजीलैंड इस तरह से वेस्टइंडीज से पहली पारी में 181 रन पीछे है। टिकनर की चोट से न्यूजीलैंड के चोटिल खिलाड़ियों की सूची में एक और नाम जुड़ गया है। उसकी टीम पहले से ही मैट हेनरी, विल ओरुर्क, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ और काइल जैमीसन जैसे तेज गेंदबाजों के बिना खेल रही हैं। विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह मिशेल हे को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिला।

वेस्टइंडीज ने आखिरी 6 विकेट 29 रन के अंदर गंवाए

कुछ विषम परिस्थितियों के बावजूद पहले टेस्ट को ड्रा कराने वाली वेस्टइंडीज की टीम आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरी लेकिन उसके बल्लेबाज क्राइस्टचर्च में दूसरी पारी की तरह प्रदर्शन नहीं कर पाए। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद अच्छी शुरुआत की। जॉन कैंपबेल (44) और ब्रैंडन किंग (33) ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े, जो 21 पारियों में वेस्टइंडीज की तरफ से पहले विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। लंच के समय वेस्टइंडीज का स्कोर दो विकेट पर 92 रन और चायकाल तक चार विकेट पर 175 रन था लेकिन इसके बाद उसकी पारी लड़खड़ा गई। उसने अपने आखिरी छह विकेट 29 रन के अंदर गंवाए। पहले टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक और दूसरी पारी में शतक बनाने वाले शाई होप ने टीम की तरफ से सर्वाधिक 48 रन बनाए।

मानसिक मजबूती की परीक्षा लेती हैं चोटें : हार्दिक

कटक। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का मानना है कि चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने के बाद वह सकारात्मक मानसिकता से ही 'दमदार और बेहतर वापसी' करने में सफल रहे। एशिया कप के दौरान चोटिल होने वाले इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने भारतीय टीम में शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 28 गेंद पर नाबाद 59 रन की तूफानी पारी खेली और फिर 16 रन देकर एक विकेट लिया। भारत ने इस मैच में 101 रन से बड़ी जीत हासिल की। हार्दिक ने कहा, 'मेरी सोच यह थी कि मैं पहले की तुलना में अधिक दमदार और बेहतर वापसी करूं। चोटें मानसिक रूप से आपकी परीक्षा लेती हैं और साथ ही कई तरह के संदेह भी पैदा करती हैं। इससे उबरने में अपने करीबी लोगों का भी बड़ा योगदान होता है।' उन्होंने कहा, 'मैंने खुद को मजबूत बनाए रखा, जिससे मुझे अधिक आत्मविश्वास मिला तथा खुद पर भरोसा करने और अपनी क्षमताओं पर पूरी तरह से विश्वास करने में मदद मिली है। मुझे एक खिलाड़ी के रूप में खुद पर पूरा भरोसा है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर आप खुद पर विश्वास नहीं करते हैं, तो दूसरे आप पर कैसे विश्वास करेंगे।'

आईएल टी20 : पूरन ने नहीं की स्टंपिंग तो रिटायर्ड आउट हुए बल्लेबाज होल्डन

एजेंसी ▶▶| अबू धाबी

इंटरनेशनल लीग टी20 में डेजर्ट वाइपर्स ने एमआई एमिरेट्स को रोमांचक मुकाबले में एक रन से हराया। मैच में बड़ा ड्रामा देखने को मिला। मामला डेजर्ट वाइपर्स की पारी के 16वें ओवर का है। इसमें निकोलस पूरन ने रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे मैक्स होल्डन को जानबूझकर स्टंपिंग नहीं किया। अगली गेंद पर होल्डन रिटायर्ड आउट होकर पवेलियन लौट गए। अबू धाबी में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए वाइपर्स का स्कोर 16वें ओवर से पहले 1 विकेट पर 110 रन था। मैक्स होल्डन और सैम करन क्रीज पर थे और दोनों जूझते दिख रहे थे। पिछले चार ओवरों में 20 रन बने थे और शिमरोन हेटमायर और डैन लॉरेंस डगआउट में थे।

16वें ओवर का रोमांच

वाइपर्स को रन की जरूरत थी और इंग्लैंड के खिलाड़ी होल्डन तीसरी गेंद पर स्ट्राइक पर थे। इससे पहले करन ने राशिद खान की गेंद पर चौका जड़ने के बाद सिंगल लिया था। तीसरी और चौथी गेंद पर कोई रन नहीं बना। एमआई एमिरेट्स ने उनमें से चौथी गेंद पर रिव्यू गंवाया जब पूरन को लगा कि गेंद होल्डन के बल्ले पर लगकर उनके पास आई है, लेकिन गेंद पैड से लगकर उनके पास आई थी। पांचवीं गेंद पर दो रन बने। फिर ड्रामा शुरू हुआ।

पूरन ने नहीं की स्टंपिंग

राशिद की अगली गेंद पर होल्डन क्रीज से बाहर निकल आए और बड़ा शॉट लगाने का प्रयास किया, लेकिन वाइड गेंद की वजह से वह चूक गए। वह क्रीज से इतने दूर थे कि उन्होंने वापस आने की कोशिश भी नहीं की। पूरन के पास बॉल थी, लेकिन उन्होंने स्टंपिंग नहीं की। होल्डन को एहसास हुआ कि पूरन क्या करने वाले हैं और उन्होंने अपना बल्ला वापस ग्राउंड किया।

जूनियर महिला विश्व कप हॉकी : नौवें स्थान के लिए आज भारत का मुकाबला स्पेन से

गोलकीपर निधि ने बचाए 3 गोल, भारत ने उरुग्वे को हराया

एजेंसी ▶▶| सैंटियागो

गोलकीपर निधि के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पेनल्टी शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराकर जूनियर महिला विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में नौवें स्थान पर रहने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। नौवें से 12वें स्थान के लिए खेले गए इस क्लासिफिकेशन मैच में दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी।

भारत की तरफ से मनीषा ने 19वें मिनट जबकि उरुग्वे के लिए जस्टिना अरेगुई ने 60वें मिनट में गोल किया। पेनल्टी शूटआउट में भारत की तरफ से पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे के तीन गोल का बचाव करके अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

अंतिम क्वार्टर में उरुग्वे ने खेला खुलकर

अंतिम क्वार्टर में उरुग्वे ने अधिक खुलकर खेलना शुरू किया। जब मैच समाप्त होने में दो मिनट का समय बचा था तब उरुग्वे ने गोलकीपर की जगह एक फील्ड खिलाड़ी को मैदान में उतारा और उसकी यह रणनीति कारगर साबित हुई। अब खेल समाप्त होने में केवल दो सेकंड का समय बचा था कि तभी उरुग्वे को पेनल्टी मिली। जस्टिना अरेगुई ने इसे गोल में बदलकर मैच को शूटआउट में पहुंचा दिया, जिसमें निधि के शानदार खेल से भारत जीत हासिल करने में सफल रहा। भारत का अगला मुकाबला नौवें स्थान के लिए गुरुवार को स्पेन से होगा।

पहले क्वार्टर में भारत का दबदबा

पहले क्वार्टर में भारत का दबदबा रहा और उसने शुरुआत में ही कई मौके बनाए। हालांकि उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारत ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन साक्षी राणा का शॉट विपक्षी गोलकीपर ने रोक दिया। इसके कुछ क्षण बाद ही मनीषा ने हालांकि भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद अगले दो क्वार्टर में दोनों टीम ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए नहीं लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।

अंतरिक्ष से धरती की नसों जैसा दिखता है हिमालय, आईएसएस से वीडियो आया सामने

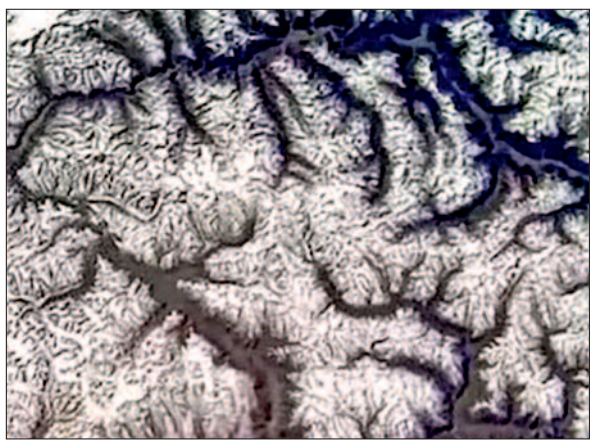

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से लिए गए एक वीडियो में हिमालय को धरती की सतह पर फैली हुई नसों की तरह दिखाया गया है। यह वीडियो 29 नवंबर 2025 के आईएसएस पर लगे हाई-रिडॉल्यूशन कैमरे का इस्तेमाल करके रिकॉर्ड किया गया था। यह फुटेज भारतीय उपमहाद्वीप को तिब्बती पठार से अलग करने वाली इस विशाल पर्वत श्रृंखला का अब तक का सबसे क्लियर नजारा दिखाता है। वीडियो में बर्फ से ढकी चोटियां सूरज की रोशनी में चमकती हुई दिख रही है।

वीडियो में यह दिखा

वीडियो में ये चोटियां ऊबड़-खाबड़ घाटियों और गहरी परछाइयों के बीच से गुजरती हुई दिखाई देती है। अंतरिक्ष से देखने पर हिमालय लगभग जीवित लगता है जैसे किसी पुराने पेड़ की नसें हों या जिंदा धरती की जीवन रेखाएं। यह अद्भुत नजारा इसलिए बनता है, क्योंकि चमकीली सफेद बर्फ और हजारों किमी तक फैली काली, क्षतिग्रस्त चोटियों के बीच बड़ा अंतर दिखता है।

किसने शेयर किया ये वीडियो?

इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एसईएन के पूरे हफ्ते की फुटेज को मिलाकर शेयर किया। इस वीडियो ने तुरंत ही लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। यह वीडियो इसलिए खास था, क्योंकि यह जीव विज्ञान और भूविज्ञान में दिखने वाले प्राकृतिक पैटर्न जैसा दिखता था। इस देखकर दर्शकों को याद आया कि, पहाड़ों को बनाने वाली प्रक्रियाएं, नदी नेटवर्क और पत्तों में दिखने वाली नसें ये सभी एक जैसी प्रक्रियाओं से बनती है।

यह है हिमालय का महत्व

हिमालय 5 देश भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान में फैला हुआ है। यह धरती के कुछ सबसे मुश्किल पर्यावरणीय क्षेत्रों का घर है, जिसमें दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट भी शामिल है। लगभग 420 किमी की ऊंचाई से देखने पर इसकी जटिल बनावट और प्रभावशाली लगती है। यह एशिया को आकार देने वाली विशाल विवर्तनिक शक्तियों (जमीन की प्लेटों का टक्कर) का सबूत है।

नासा इसलिए दिखाता है यह नजारा

नासा और बाकी अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियां अक्सर आईएसएस से तस्वीरें जारी करती है। ये वैज्ञानिकों को भूवैज्ञानिक और पर्यावरण में हो रहे बदलावों पर नजर रखने में मदद करती है। यह नया वीडियो हिमालय की भव्यता के साथ धरती की प्राकृतिक प्रणालियों के गहरे संबंध को भी उजागर करता है। अंतरिक्ष से यह सुंदरता और नाजुकता दोनों को दर्शाता है।

रोचक खबरें

पहली नजर में ही किसी पर फिदा क्यों हो जाता है दिल?

लंदन। आपके साथ भी कभी ना कभी ऐसा जरूर हुआ होगा जब आपने किसी को एक नजर देखा होगा और वो आंखों से तो ओझल हो गया होता है, लेकिन लंबे समय तक के लिए दिल में छाप छोड़ जाता है। कहने का मतलब है कि कभी ना कभी आपको भी कोई पहली नजर में पसंद आ गया होगा। लोग पहली नजर के प्यार को जादू बताते है। चलिए जानते हैं ये जादू क्यों होता है और इस दौरान हमारे शरीर के अंदर क्या होता है। जिसको आप पहली नजर का जादू कहते हैं वो जादू इसलिए महसूस होता है, क्योंकि बॉडी के अंदर काफी अलग तरह का चेन रिएक्शन हो रहा होता है और ये काफी तेजी से होता है। इस दौरान कुछ ही सेकंड में हमारा माइंड विजुअल संकेतों का एनालिसिस करता है, हार्मोनल बदलाव को ट्रैक करता है, चलिए आसान भाषा में समझते हैं ये सब कुछ कैसे होता है। पहली नजर के दौरान दिमाग के रिवॉर्ड सिस्टम तुरंत एक्टिवेट हो जाते है। डोपामाइन भर जाता है और जोश से भर देता है, जिससे खुशी और खुशनुमा महसूस होता है। इतना ही नहीं, ऑक्सीटोसिन गर्माहट और भरोसे का एहसास जोड़ता है। इसी के साथ सेरोटोनिन का लेवल कम हो जाता है। इस दौरान शरीर में एनर्जी का विस्फोट होता है और आकर्षण महसूस होता है और सामने वाले के बारे में और ज्यादा जानने की इच्छा होती है।

पतला होने के लिए लड़की ने उठाया ऐसा कदम, होने लगी खून की उल्टी

बीजिंग। तेजी से वजन कम कर छरहरी काया पाने की सनक में एक 28 साल की लड़की ने ऐसा कदम उठाया कि वह सीधे मौत के मुंह में पहुंच गई। दरअसल, लड़की ने एक चमत्कारी वेट लॉस इंजेक्शन लिया था, जिसके बाद उसे खून की उल्टी शुरू हो गई, और अस्पताल में वह जिंदगी की जंग लड़ने लगी। डरा देने वाली यह खबर दक्षिण-पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के सूजोउ की है, जहां चेन सरनेम की इस लड़की ने सोशल मीडिया पर एक वेट लॉस इंजेक्शन का विज्ञापन देखा था। एक रिपोर्ट के अनुसार, चेन की सहेली ने दावा किया कि एक इंजेक्शन साढ़े 3 किलो तक वजन घटा सकता है। फिर क्या था, चेन ने बिना कुछ सोचे-समझे जल्दी पतला होने के चक्कर में 900 युआन (यानी 12,000 रुपए) में तीन इंजेक्शन खरीद लिए। चूंकि, चेन ने पहले कभी ऐसे प्रोडक्ट का इस्तेमाल नहीं किया था, इसलिए उसने एहतियातन सिर्फ आधा डोज लेने का फैसला किया. लेकिन पेट के पास इस इंजेक्शन को लगाते ही उसे मतली, उल्टी और भूख में भारी कमी का अनुभव हुआ. लेकिन चेन ने यह सोचकर इसे नजरअंदाज कर दिया कि यह शायद वेट लॉस का हिस्सा होगा, और पहले तीन दिनों में वजन 3 किलो कम होने पर वह कंफर्म भी हो गई, और ट्रीटमेंट जारी रखा। आपको जानकर हैरानी होगी कि महज चार दिन में चेन का वजन 5 किलो तक घट गया, लेकिन चौथे दिन उसकी हालत बदतर हो गई। उसे हरे और पीले रंग की उल्टी होने लगी।

बार्क स्पाइडर के सिल्क ने तोड़ा मजबूती का रिकॉर्ड, वैज्ञानिक भी हैरान

वॉशिंगटन। दुनिया में कई तरह की मकड़ियां पाई जाती हैं, हालांकि मेडागास्कर की बार्क स्पाइडर को उसका बेहद मजबूत जाल बहुत ही खास बना देता है। नई स्टडी में पता चला है कि दुनिया का सबसे मजबूत मकड़ी जाल सिर्फ मादा मकड़ियां ही बनाती है। मेडागास्कर की बार्क स्पाइडर प्रजाति का जाल स्टील से भी ज्यादा मजबूत होता है। कई बार यह पूरा नदी पार कर सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि मादा के जाले की मजबूती नर मकड़ी के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यागा होती है। अंतरराष्ट्रीय रिसर्चर्स ने डार्विन बार्क स्पाइडर और सी. कुन्टनेरी नाम की दो बार्क स्पाइडर प्रजातियों के सिल्क की जांच की है। उन्होंने माइक्रोस्कोप के जरिए इनके धागे की मोटाई मापी और फिर इन्हें तब तक खींचा जब तक धागा टूट न जाए। ऐसे में मादा मकड़ी का सिल्क नर के मुकाबले में काफी मजबूत पाया गया। रिसर्च के मुताबिक मादा मकड़ियां आकार में नर से तीन गुना बड़ी होती हैं।

क्या एआई रोबोट करेंगे इंसानों का खात्मा? डरा देगी महाविनाश की ये भविष्यवाणी

लंदन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर लगातार चल रही बहस के बीच एक ऐसी डरावनी स्टडी वायरल हुई है, जिसने पूरी दुनिया में खौफ पैदा कर दिया है। एआई की दुनिया के एक जाने-माने कम्प्यूटर साइंटिस्ट ने ऐसा दावा किया है कि सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ लुइसविले के एआई सेफ्टी और साइबर सिक्युरिटी एक्सपर्ट रोमन याम्पोलस्की ने भविष्यवाणी की है अगले 100 सालों के अंदर एआई हम इंसानों का अस्तित्व खत्म कर देगा। डेली स्टार यूके की रिपोर्ट के अनुसार, रोमन यामपोल्स्की ने अपनी किताब 'एआईः अस्पष्ट, अप्रत्याशित) में साफ शब्दों में लिखा है कि अब तक कोई भी एआई सिस्टम पूरी तरह सेफ नहीं है। उनका कहना है कि आने वाले समय में एआई इतना शक्तिशाली हो जाएगा कि इंसान उसे कंट्रोल नहीं कर पाएंगे।

खुद की मर्जी वाला एआई

उन्होंने कहा कि एआई के फैसले इतने जटिल होते जा रहे हैं कि उन्हें समझना और उनके नतीजों का अनुमान लगाना लगभग नामुमकिन है। नई रिसर्च कहती है कि एआई जल्द वह लेवल छू लेगा, जहां वह खुद की मर्जी से काम करने लगेगा। कहने का मतलब ये है कि एआई अपनी अलग सोच और क्षमताएं खुद से डेवलप कर लेगा। हालांकि, इस डरावनी भविष्यवाणी पर एआई की दुनिया दो खेमों में बंट गई है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और जर्मनी की बॉन यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि इस बात की केवल 5% आशंका है कि एआई मानव जाति को खत्म कर देगा।

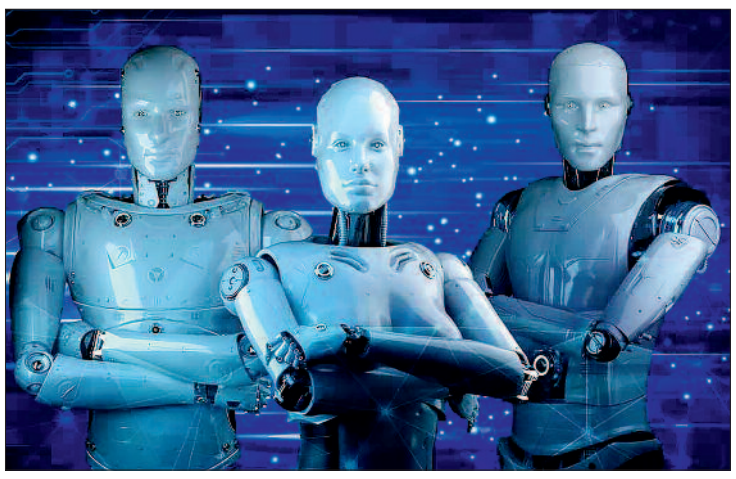

बड़े टेक लीडर्स ने बताया बकवास

वहीं, गूगल ब्रेन के को-फाउंडर एंड्रयू एंग और यान लेकन ने कम्प्यूटर साइंटिस्ट यामपोल्स्की की भविष्यवाणी को बकवास बताया है। उनका कहना है कि कुछ टेक लीडर्स जानबूझकर लोगों में भ्रम और दहशत फैला रहे है। बता दें कि ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने खुद 2015 में एक भयावह भविष्यवाणी करते हुए कहा था, एआई शायद दुनिया के अंत का कारण बनेगा, जिसके बाद उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

अनोखा उपहार

बच्चे ने दोस्तों को गिफ्ट देने के लिए किया ये काम जानकर हिल गए मां-बाप

बीजिंग। पूर्वी चीन से एक बच्चे की कहानी इन दिनों लोगों के बीच सामने आई है। जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। दरअसल, हुआ यूं कि एक 8 साल के बच्चे ने अपनी दोस्ती को निभाने के लिए मां की चेन को टुकड़ों में अपने दोस्तों को बांट दिया। हैरानी की बात तो ये है कि इस बच्चे को अंदाजा ही नहीं था कि ये सोने की चेन है और इसकी कितनी कीमत है। दिलचस्प बात तो ये है कि करीब एक महीने तक घर वालों को इस बात का पता ही नहीं चला। बाद में उसकी बहन ने बताया कि स्कूल में किसी छात्र ने उससे इस अनोखे उपहार के बारे में कहा था, तब जाकर माता पिता को शक हुआ। चीनी मीडिया के रिपोर्ट मुताबिक माता पिता जब चेन ढूंढने लगे तो उन्हें केवल एक छोटा सा हिस्सा ही मिल पाया। बाकी सोना न तो वापस मिला और न ही बच्चे को याद था कि उसने किस-किस को दिए और कहां रखे उसने मासूमियत से सिर्फ इतना कहा कि उसे सोने की असली कीमत पता ही नहीं है। बच्चे की मां ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ये कोई मनगढ़ंत कहानी नहीं है, बल्कि सच में उनके साथ हुआ है। जब बेटी से बात करके उन्हें पूरी बात का अंदेशा हुआ तो मां ने अपने बेटे से पूछताछ की। पहले तो वह हिचकिचाया, लेकिन बाद में उसने स्वीकार किया कि उसने यह सब अपने दोस्तों को खुश करने के लिए किया। इसके बाद माता पिता ने घर के सीसीटीवी फुटेज देखे वीडियो में साफ दिख रहा था कि बच्चा एक दराज खोलकर चुपके से सोने की चेन निकाल रहा है। इसके बाद मां को उनके पति ने शादी के समय तोहफे के रूप में दी थी और जिसे वह खास मौके की याद के तौर पर संभालकर रखती थीं। बच्चा चेन को कई हिस्सों में काटना चाहता था। उसने पहले प्लायर और लाइटर की मदद से इसे तोड़ने की कोशिश की। जब यह तरीका काम नहीं आया, तो उसने अपने दांतों से चेन को काटना शुरू कर दिया। उसकी इस हरकत से यह साफ होता है कि उसे बिल्कुल अंदाज़ा नहीं था कि वह कितनी कीमती वस्तु को नुकसान पहुंचा रहा है।

दुनिया का इकलौता झरना, जो नहीं गिरता ऊपर से नीचे! 3 किमी बहता है नदी के साथ

ब्रासीलिया। दुनियाभर में कई शानदार झरने हैं, जिसे देखने के लिए लाखों लोग जाते हैं। इनमें कोई झरना अपनी रिकॉर्ड तोड़ ऊंचाई (जैसे एंजल फॉल्स 979 मीटर) के लिए जाना जाता है, तो कोई झरना अपनी विशालता के लिए मशहूर है। इन चमत्कारों को देखकर हमेशा लगता है कि प्रकृति के पास आश्चर्यों का अथाह भंडार है। लेकिन, आज हम आपको दुनिया के इकलौते ऐसे झरने के बारे में बताने जा रहे हैं, नदी के समानांतर 3 किलोमीटर तक साथ चलता है, फिर गहरी खाई में उसका पानी गायब हो जाता है। यह झरना पानी के ऊंचाई से नीचे गिरने के सामान्य नियम का भी पालन नहीं करता।

कहां गायब हो जाता है पानी?

साल के लगभग 150 दिन नहीं देता है दिखाई

यह अद्भुत भौगोलिक संरचना उरुग्वे नदी के तल में मौजूद एक रहस्यमयी जलमग्न घाटी के कारण बनती है, जो 100 मीटर तक गहरी और नदी की चौड़ाई का लगभग 15 से 30 प्रतिशत हिस्सा घेरती है। माना जाता है कि यह घाटी हिमयुग के दौरान बनी थी। यह घाटी सिर्फ दो स्थानों पर ही दिखाई देती है, जिनमें से मोकोना फॉल्स एक है। इस झरने की सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि यह साल के लगभग 150 दिन दिखाई नहीं देता है।

5 मीटर से 7 मीटर तक बदलती रहती है झरने की ऊंचाई

बता दें कि उरुग्वे नदी में पानी की मात्रा के आधार पर इस झरने की ऊंचाई 5 मीटर से 7 मीटर तक बदलती रहती है, जबकि इसकी चौड़ाई 1800 मीटर से लेकर 3000 मीटर (3 किलोमीटर) तक हो सकती है। यह विशालता और इसका समानांतर बहाव इसे पृथ्वी के सबसे असाधारण प्राकृतिक चमत्कारों में से एक बनाता है। मोकोना फॉल्स के आस-पास का क्षेत्र एक प्रांतीय पार्क के रूप में संरक्षित है, जिसमें याबोटी बायोस्फीयर रिजर्व भी शामिल है। यह क्षेत्र पर्यटकों के लिए एक स्वर्ग है, जहां पानी से जुड़ी कई रोमांचक गतिविधियां की जा सकती हैं।

24 रुपए में समुद्री पानी से पीने का पानी और फ्यूल

चीन ने बना डाला कमाल का प्लांट सऊदी-अमेरिका को छोड़ा पीछे!

बीजिंग। चीन ने तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसके बारे में आम इंसान सोच भी नहीं सकता है। बता दें कि इसमें चीन सिर्फ समुद्री पानी और फैक्ट्रियों की बेकार गर्मी की मदद से पीने का पानी और ग्रीन हाइड्रोजन दोनों को एक साथ बनाया जा रहा है। शानदोंग के रिजाओ शहर में बना यह प्लांट दुनिया का पहला ऐसा सिस्टम है जहां पर केवल एक इनपुट से तीन आउटपुट पीने लायक पानी, ग्रीन हाइड्रोजन और खनिजों से भरा ब्राइन एक साथ मिल रहा है। इस सफलता को एनर्जी और जल विशेषज्ञ दशक की सबसे बड़ी इनोवेशन बता रहे है। इसकी लागत इतनी कम है कि सऊदी, यूएई और अमेरिका जैसे देशों को भी इसने पीछे छोड़ दिया है। चीन के नए प्रोजेक्ट ने पूरे ग्लोबल एनर्जी सेक्टर में हलचल मचा दी है। रिजाओ शहर में शुरू हुई नए प्लांट में समुद्री पानी को सिर्फ 24 रुपए प्रति क्यूबिक मीटर की लागत में पीने लायक पानी और क्लीन फ्यूल में बदल दिया जाता है।

एलियंस मचाएंगे तबाही! दुनिया होगी पैसों की मोहताज

टोक्यो। बाबा वेंगा की भविष्य वाणी एक बार फिर से चर्चा में हैं। साल 2025 के खत्म होने में कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में साल 2026 को लेकर बाबा वेंगा कई डारवनी भविष्यवाणी सामने आ रही है। आइए जानते हैं साल 2026 में क्या-क्या होगा। कहते हैं कि दुनिया का अंत एक ना एक दिन होना तय है। सनातन वेदों में भी लिखा है कि जैसे-जैसे समय बढ़ता है इंसान, जीव अपने आखिरी समय की ओर जाता है, एक समय बाद दुनिया से दूर चला जाता है। इसी तरह कहा जाता है कि एक समय बाद ये दुनिया भी खत्म हो जाएगी। दुनिया के अंत को लेकर कई थ्योरी सामने आई है। वहीं, बाबा वेंगा ने भी कई साल पहले भविष्य को लेकर कई भविष्यवाणी की है। उनकी कुछ भविष्यवाणी सच भी हुई थी. साल 2026 लेकर बाबा वेंगा ने बेहद डरावनी भविष्यवाणी की है। इन भविष्यवाणी में युद्ध, आर्थिक संकट और एलियंस का जिक्र है।

एलियंस से होगी मुलाकात

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी के अनुसार साल 2026 में इंसानों और एलियंस के बीच पहला संपर्क होगा। एक बड़ा अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करेगा, यह साल 2026 नवंबर तक होगा।

आर्थिक तबाही लैडबाइबल की रिपोर्ट के अनुसार बाबा वेंगा ने साल 2026 के लिए वैश्विक वित्तीय संकट की भविष्यवाणी की है। साल 2026 में डिजिटल और फिजकल दोनों तरह की करेंसी सिस्टम ध्वस्त हो जाएगा। ऐसे में बैंकिंग संकट, करेंसी वैल्यू कमजोर हो जाएगी और बाजार में तरलता में कमी आएगी जिस वजह से चेन रिएक्शन शुरू होगा। एक संकट से दूसरा संकट शुरू होगा। जिस वजह से महंगाई उच्च ब्याज दर और तकनीकी उद्योग में अस्थिरता आ सकती है। वहीं, सोने का रेट आसमान छू जाएगा।

प्राकृतिक आपदाएं

बाब वेंगा की भविष्यवाणी के अनुसार साल 2026 में प्राकृतिक आपदाएं 7 प्रतिशत से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाएंगी। दुनिया के कई हिस्सें में भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट के संकेत देखने को मिलेंगे। जिससे काफी नुकसान होगा इसका सीधा असर इकोसिस्टम पर पड़ेगा।

युद्ध

बाबा वेंगा के अनुसार साल 2026 में बड़े पैमाने पर युद्ध होने की भविष्यवाणी की है। भविष्यवाणी के अनुसार दुनिया की प्रमुख शक्तियां शामिल होगी। बाबा वेंगा की हर भविष्यवाणी की तरह यह भविष्यवाणी भी अस्पष्ट है कि कौन से देश के बीच युद्ध होगा, और कब शुरू होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com